दैनिक नवप्रदेश

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर

3 राजधानी — जिंदगी से हारकर दो युवकों ने मौत को...

4 अभिव्यक्ति — लॉक डाउन चार अर्थात् संभलकर आगे...

9 मनोरंजन/खेल — आलिया ने कोरोना वॉरियर्स को भेजा सरप्राइज...

11 व्यापार — सेबी के नए कारोबारी प्लेटफॉर्म से...

www.navpradesh.com

रायपुर, बुधवार 20 मई 2020, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष-त्रयोदशी , विक्रम संवत-2077 वर्ष-09 अंक-99 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

लॉकडाउन चौथी बार बढ़ाना पड़ा गया। इसके बावजूद देश में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की तादात बढ़ती जा रही है। कोरोना संक्रमितों की संख्या एक लाख से अधिक हो गई है। इसका मतलब साफ है कि लॉकडाउन का कड़ाई पूर्वक पालन कराने में शासन प्रशासन विफल रहे है। जिन कड़ी शर्तो के साथ आर्थिक गतिविधियों को शुरू करने की अनुमति दी गई है उन शर्तो का भी उल्लंघन हो रहा है। यदि लॉकडाउन को लेकर यही धुलमुल रवैया रहा तो कोरोना के संग जीने की आदत डालने की तरह ही हमे लंबे समय तक लॉकडाउन भी झेलना पड़ा सकता है।

ग्रामीण इलाकों में हर घर 2024 तक मिलने लगेगा नल का पानी

■ केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री शेखावत के साथ 'जल जीवन मिशन' पर चर्चा के दौरान बोले सीएम भूपेश

■ राज्य सरकार ने मिशन के क्रियान्वयन के लिए जिलावार योजना तैयार की, मिशनमोड में होगा काम

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इलाकों में हर घर नल के जरिए वर्ष 2024 तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लिए राज्य सरकार मिशन मोड में कार्य करेगी। इसके लिए कार्य योजना तैयार कर ली गई है। बघेल ने मंगलवार को केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन (हर घर नल-ग्रामीण) के क्रियान्वयन के संबंध में विचार-विमर्श किया। बघेल ने कहा कि राज्य और केन्द्र सरकार मिलकर यह मिशन समय-सीमा के अंदर पूरा करेंगे। केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने इस मिशन के क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। छत्तीसगढ़ के कृषि और ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मिशन के लिए केंद्र का योगदान बढ़ाने का आग्रह

मुख्यमंत्री बघेल ने चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री शेखावत से कहा कि छत्तीसगढ़ की विशेष परिस्थितियों को ध्यान में रखकर जल जीवन मिशन के लिए केन्द्र सरकार के योगदान को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 75 प्रतिशत किया जाना चाहिए और राज्य का अंश 25 प्रतिशत रखा जाना चाहिए। वर्तमान में इस मिशन में 50 प्रतिशत राशि केन्द्र सरकार द्वारा और 50 प्रतिशत राशि राज्य सरकार द्वारा देने का प्रावधान है।

नरवा, गरुवा, घुरवा बाड़ी का जिक्र

मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी 'नरवा, गरूवा, घुरूवा, बाड़ी योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि नरवा योजना के अंतर्गत प्रदेश के 30 हजार नालों को पुनर्जीवित किया जाएगा। वर्तमान में 1100 नालों के लिए कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इसके लिए वैज्ञानिक ढ़ंग से सेटेलाइट नक्शों का उपयोग कर कार्य योजना तैयार की गई है। इस योजना के माध्यम से वाटर रिचार्जिंग कर निस्तार, पीने के पानी, सिंचाई और औद्योगिक गतिविधियों के लिए पानी की कमी नहीं होगी।

आग्रह के पीछे की ये बताई वजह

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की आबादी आदर्श स्थिति में है लेकिन छत्तीसगढ़ देश का नवां बड़ा राज्य है। छत्तीसगढ़ आदिवासी राज्य है, यहां बड़े क्षेत्र में वन हैं और आबादी विरल है। छत्तीसगढ़ के बस्तर और सरगुजा में कई गांव कई वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले हैं। इसलिए यहां हर घर पाइप लाइन के जरिए पेयजल पहुंचाने में ज्यादा राशि खर्च करनी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के आदिवासी इलाकों में विशेष कर बस्तर में बड़ी वाटर बॉडी नहीं है। यदि हर घर को पानी देना है, तो इसके लिए जल की व्यवस्था भी करनी होगी।

अच्छी खबर

संवाद दफ्तर में अफसर-कर्मियों को संक्रमण से बचा रहा अलार्म

रायपुर/नव प्रदेश। कोरोना से रोजमर्रा के कार्य करते हुए भी कैसे बचा जाए? ये सवाल आज हर किसी के मन में उठ रहा है। उपाय सूझ नहीं रहे हैं। लेकिन प्रदेश के संवाद दफ्तर में इसका जवाब व उपाय दोनों ढूंढ लिए गए हैं। और दोनों के मूल में है अलार्म। जनसंपर्क आयुक्त तारणप्रकाश सिन्हा ने नवप्रदेश को बताया कि इस अलार्म की वजह से हमारा स्टाफहर आधे घंटे में हाथ धोता है और कोरोना से सावधान भी रहता है। आम तौर पर काम में मशगूल रहने पर किसी को भी हैंड वॉश का ध्यान नहीं रह पाता। लेकिन जब अलार्म आधे घंटे में बजता है तो दफ्तर के सभी अधिकारी-कर्मचारी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

अम्फान से अनर्थ का भय

आज कभी भी दे सकता है तटीय इलाकों में दस्तक

■ 1991 के बाद आने वाला सबसे प्रचंड सुपर साइक्लोन है अम्फान

■ आज पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के तट से गुजर सकता है

नव प्रदेश ब्यूरो/ भुवनेश्वर/ कोलकाता/ नई दिल्ली। सुपर साइक्लोन 'अम्फान' ने प्रचंड रूप ले लिया है। बुधवार को यह किसी भी वक्त भारतीय तटों से टकरा सकता है। 21 सालों के बाद कोई सुपर साइक्लोन भारत के तटीय इलाके से टकराने जा रहा है। इससे काफी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। इसको देखते हुए आर्मी, एयर फोर्स के साथ एनडीआरएफ को अलर्ट किया गया है। 1999 में ओडिशा तट पर आए प्रचंड चक्रवातीय तूफान के बाद यह उस श्रेणी का दूसरा तूफान है। अम्फान की वजह से पश्चिम बंगाल और ओडिशा के इलाकों में भारी बारिश के साथ ही नुकसान की आशंका जताई जा ■ शेष पृष्ठ 8 पर

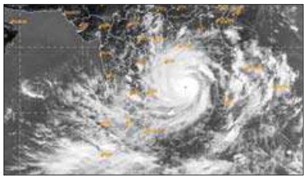

ओडिशा ने 11 लाख लोगों को निकालने की व्यवस्था की

पीके जेना ने कहा कि राज्य सरकार ने एहतियाती कदम के तौर पर 11 लाख लोगों को निकालने की व्यवस्था की है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की 14 इकाइयां और ओडिशा आपदा त्वरित कार्य बल (ओडीआरएएफ) की 20 टीमों को उन जिलों में तैनात किया गया है जिनके इससे प्रभावित होने की आशंका है।

राहत के संकेत के बीच चिंता भी

भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने कहा कि क्योंकि प्रचंड तूफान धीरे-धीरे कमजोर भी पड़ रहा है, ओडिशा पर इसका बहुत ज्यादा असर शायद न हो। हालांकि, पात्रा ने कहा कि ओडिशा के जगतसिंहपुर, केंद्रपाड़ा, भद्रक और बालासोर जैसे तटीय इलाकों में मंगलवार की शाम से बहुत तेज हवाएं चलने के साथ भारी बारिश हो सकती है। विशेष बचाव आयुक्त पीके जेना ने कहा कि निचले इलाकों, तटीय जिलों में मिट्टी के घरों में रह रहे लोगों को निकालने की प्रक्रिया जारी है और यह काम शाम तक पूरा कर लिया जाएगा।

बस्तर, रायपुर, दुर्ग संभाग के कुछ जिले में रहेगा थोड़ा असर

रायपुर/नवप्रदेश। अम्फान के असर से प्रदेश के दक्षिणी इलाके याने बस्तर संभाग में कहीं-कहीं पर हल्की से मध्यम बारिश तथा तेज हवाओं के साथ जोरदार बौछारें पड़ सकती है। ओडिशा के निकट गुजरते समय इसका वेग प्रचंड होगा, इसके असर से प्रदेश के दक्षिणी भाग यानी बस्तर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है अथवा तेज हवाओं के साथ बौछारें पड़ सकती है। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

हमने फोनी से सीख ली है और ऐसा पहली बार हुआ है जब हम दोहरी आपदा से जूझ रहे हैं। हम लोगों को कोरोना वायरस के साथ-साथ इस भयंकर आपदा से भी जूझना पड़ रहा है। हम लोग जितने भी राहत बचाव कर रहे हैं उन सभी में कोविड-19 की सुरक्षा पर ध्यान दे रहे हैं।

एसएन प्रधान, एनडीआरएफ चीफ

पीडब्ल्यूडी के कार्यों के स्तर को लेकर मंत्री ताम्रध्वज गंभीर

987 करोड़ के 63 कार्यों का ऑनलाइन ठेका

■ दिया फरमान गुणवत्ता जांच के बाद ही ठेकेदारों का हो भुगतान

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। पूर्ववर्ती शासनकाल में पीडब्ल्यूडी के ज्यादातर बड़े निर्माण कार्य गुणवत्ता को लेकर कटघरे में हैं। ऐसे में पीडब्ल्यूडी मंत्री ताम्रध्वज साहू ने विभागीय कार्यों के स्तर को लेकर किसी भी तरह की कोताही नहीं बरतने का फरमान जारी कर दिया है। आमतौर पर विभागीय अधिकारियों की शह पर मनमाफिक ठेका कार्य कर पूरा भुगतान ले ठेकेदार रफूचक्कर हो जाते थे। काफी समय बाद उक्त कार्य की कलई खुलती थी तब तक अफसर का डिविजन बदल जाता था और ठेकेदार का पूरा भुगतान होने के बाद वह साफ बच निकलता था। पूर्ववर्ती सरकार के वक्त का ऐसा ही एक विवादित कार्य एक्सप्रेस-वे की गुणवत्ता को लेकर उठा। कांग्रेस सरकार के लोक निर्माण विभाग मंत्री ताम्रध्वज साहू मंगलवार को सभी कार्यों की जमीनी हकीकत परखने के लिए दलबल समेत पहुंचे। सबसे पहले वे एक्सप्रेस-वे के पुर्ननिर्माण की रफ्तार व गुणवत्ता ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कोरोना अपडेट

देश	कंफर्म केस	मौत
भारत	1,03,886	3,212
अमेरिका	1,554,951	92,188
ब्रिटेन	246,406	34,796
इटली	225,886	32,007
फ्रांस	179,927	28,239
स्पेन	278,188	27,709
ब्राजील	257,396	16,941
बेल्जियम	55,791	9,108
जर्मनी	177,387	8,131
ईरान	124,603	7,119

छग से तीन राज्यों के श्रमिकों को लेकर आज निकलेगी स्पेशल ट्रेन

■ राज्य में फंसे हिमाचल, उत्तराखंड व जम्मू कश्मीर के श्रमिक पहुंच सकेंगे अपने राज्य

नव प्रदेश संवाददाता

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में फंसे हिमाचल, उत्तराखंड व जम्मू कश्मीर के श्रमिकों को लेकर श्रमिक स्पेशल ट्रेन 20 मई मंगलवार को निकलेगी। यह ट्रेन बिलासपुर से चलना प्रारंभ करेगी और भाटापारा, रायपुर, दुर्ग होते हुए हरिद्वार पहुंचेगी। इन स्टेशनों को नोडल पॉइंट स्टेशन बनाया गया है।

इस संबंध में छत्तीसगढ़ शासन परिवहन विभाग के सचिव व नोडल अधिकारी कमलप्रीत सिंह द्वारा सभी जिला कलेक्टरों एवं परिवहन अधिकारियों को उक्त दोनों राज्यों के प्रवासी श्रमिकों को स्टेशन पर भेजे जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

राजनांदगांव-कोरबा में कोरोना रिटर्न दोनों जिलों में पांच नए मरीज मिले

■ राज्य में 41 हुई एक्टिव पॉजिटिव की संख्या

राजनांदगांव/कोरबा/नव प्रदेश। राजनांदगांव व कोरबा जिले में कोरोना ने फिर से दस्तक दे दी है। मंगलवार को राजनांदगांव से 4 और कोरबा से एक नया मरीज मिला। इस तरह राज्य में कोरोना के एक्टिव पॉजिटिव केस की संख्या बढ़कर 41 हो गई है। दोनों जगह के पॉजिटिव आए मरीजों की ट्रैवल हिस्ट्री है। कोरबा का मरीज दिल्ली से लौटकर आया था तथा क्वारंटाइन सेंटर में रुका हुआ था। जबकि राजनांदगांव से पॉजिटिव पाए गए मरीज मुंबई से लौटकर आए थे। इसके साथ ही प्रदेश में कोरोना के कुल मामलों का आंकड़ा बढ़कर 100 हो गया है।

'न्याय' से खिलेंगे किसानों के चेहरे

■ चार किश्तों में सीधे खाते में आएगी राशि

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश में फसल उत्पादन को प्रोत्साहित करने और किसानों को उनकी उपज का सही दाम दिलाने के लिए दूरगामी निर्णय लेते हुए राजीव गांधी किसान न्याय योजना शुरू करने का जा रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि 21 मई के दिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश में इस योजना का विधिवत् शुभारंभ करेंगे। इस योजना के तहत प्रदेश के 19 लाख किसानों को 5700 करोड़ रुपए ■ शेष पृष्ठ 8 पर

लंबित टोकनधारी किसानों से धान खरीदी आज से

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुरूप खरीफ विपणन वर्ष 2019-20 में समर्थन मूल्य पर धान बेचने से वंचित रह गए टोकनधारी कृषकों के धान की खरीदी 20 मई से की जाएगी। मुख्यमंत्री की इस घोषणा के परिपालन से 4 हजार 549 टोकनधारी कृषकों से 2 लाख 803 क्विंटल धान का उपार्जन किया जाएगा, जिसका मूल्य 36 करोड़ 64 लाख 66 हजार 442 रूपए होगा। राज्य शासन द्वारा किसानों के हित में लिए इस महत्वपूर्ण निर्णय से वंचित टोकनधारी कृषकों के धान की खरीदी समर्थन मूल्य पर 20, 21 एवं 22 मई को होगी। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा इस संबंध के निर्देश जारी किए गए हैं।

गरमा-गरम

उपलब्धि — सभी राज्यों को पछाड़ा, अंबिकापुर को 5 स्टार ग्रेडिंग, पाटन, नांदगांव, भिलाई, बिलासपुर को 3 स्टार रेटिंग

ओडीएफ सर्वे में छत्तीसगढ़ देश में नंबर वन

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ देश में नंबर वन बन गया है। ओडीएफ सर्वे में सभी राज्यों को पछाड़कर प्रदेश के कई शहरों ने ग्रेड स्टार हासिल किया है। इसमें राज्य के अंबिकापुर शहर को 5 स्टॉर, पाटन, राजनांदगांव, बिलासपुर, भिलाई, रायगढ़, जशपुर, बारसूर और सारागांव शहरों को 3 स्टॉर रेटिंग प्राप्त हुई है।

छत्तीसगढ़ ने देश के मानचित्र पर अपनी एक और अलग पहचान बना ली है। इस बार फिर छत्तीसगढ़ देश में नंबर वन बन गया है। दरअसल, भारत सरकार द्वारा जारी ओडीएफ प्लस प्लस के नतीजों में छत्तीसगढ़ के तमाम नगरीय निकाय सफल हुए हैं। इसके साथ ही प्रदेश इस उपाधि को पाने वाला देश में प्रथम और एकमात्र राज्य बना है। भारत सरकार द्वारा स्वतंत्र एजेंसी के माध्यम से ओडीएफ का सर्वे कराया जाता है। इसमें राज्य के नगरीय निकाय तीन से चार बार ओडीएफ और ओडीएफ प्लस परीक्षण में सफल हुए हैं। ओडीएफ के मुकाबले ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सीएम, निकाय मंत्री ने दी सभी को बधाई

ओडीएफ प्लस प्लस एवं स्टार रेटिंग की सफलता पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और विभागीय मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने विभागीय सचिव अलरमेलमंगई डी. के साथ समस्त नगरीय निकायों के महापौर, अध्यक्ष और पार्षदों को बधाई दी है। इसके साथ नगरीय निकायों के अधिकारी, कर्मचारियों, स्वच्छता दीदीयों, कर्मियों को इस सफलता पर शुभकामनाएं देते हुए आगे भी इसी प्रकार के प्रयास जारी रखने की अपील की।

श्रीनगर में मुठभेड़, दो आतंकवादी ढेर

श्रीनगर/नवप्रदेश। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर के पुराने इलाके में मंगलवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में हिजबुल मुजाहिदीन के दो आतंकवादी मारे गये जबकि सीआरपीएफ के एक जवान सहित तीन सुरक्षाकर्मी घायल हो गये। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर राज्य पुलिस के विशेष अभियान दल और सीआरपीएफ के जवानों ने मंगलवार तड़के दो बजे श्रीनगर में नवाकदल की घनी आबादी वाले कनेमजार क्षेत्र में घेराबंदी तथा तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि तलाश अभियान के दौरान सुरक्षा बलों के जवान जब एक लक्षित मकान की ओर बढ़ रहे थे, तो वहां छुपे हुए आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों के जवानों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गोलियां चलाई।

लिंपियाधुरा लिपुलेख कालापानी विवाद

नेपाल के पीएम का भारत पर हमला, कहा-सत्यमेव जयते या 'सिंहमेव जयते'

काठमांडू (ए.)। भारत और नेपाल के बीच लिंपियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी को लेकर विवाद और गहराता जा रहा है। नेपाल का नया नक्शा जारी करने के एक दिन बाद नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने संसद में भारत पर 'सिंहमेव जयते' का तंज कसा। ओली ने इशारों ही इशारों में भारत पर ताकत का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया और कहा कि भारत के राजचिन्ह में 'सत्यमेव जयते' लिखा हुआ है या 'सिंहमेव जयते।' दरअसल ओली कहना चाहते थे कि भारत सत्य की जीत चाहता है या सिंह (ताकत) की जीत चाहता है। नेपाली प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका मानना है कि 'सत्यमेव जयते' होगा। ओली ने कहा कि भारत के साथ दोस्ती को गाढ़ा करने के लिए ऐतिहासिक गलतफहमियों को दूर करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि नेपाल ने चीन के साथ अपनी स्थिति को भी स्पष्ट किया है। ओली ने संसद को बताया कि उन्होंने भारत सरकार से सीमा विवाद का मुद्दा उठाया है। पीएम ने यह भी कहा कि उन्होंने किसी के दबाव में यह मुद्दा भारत के साथ नहीं उठाया है। उन्होंने कहा कि नेपाल केवल अपनी जमीन पर दावा कर रहा है। हमारी सरकार केवल देश के लोगों की भावनाओं का प्रतिनिधित्व कर रही है। इससे पहले भारतीय सेना प्रमुख ने कहा था कि ऐसा लगता है कि नेपाल किसी तीसरे पक्ष के इशारे पर लिंपियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी का मुद्दा उठा रह है। इससे पहले पड़ोसी देश नेपाल ने अपना नया मैप जारी करने का ऐलान किया था। इसमें कम से कम तीन इलाके ऐसे होंगे जो भारतीय सीमा में आते हैं। सोमवार को प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व में कैबिनेट की बैठक के दौरान इस मैप को मंजूरी दी गई। इसके मुताबिक, लिंपियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी नेपाल में हैं जबकि ये इलाके भारत में आते हैं।

कैबिनेट से प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद नेपाल की राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने कहा, लिंपियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी इलाके नेपाल में आते हैं और इन इलाकों को वापस पाने के लिए मजबूत कूटनीतिक कदम उठाए जाएंगे। नेपाल के सभी इलाकों को दिखाते हुए एक आधिकारिक मानचित्र जारी होगा।

नेपाल और भारत के रिश्तों में दरार?

पिछले दिनों धारचूला से लिपुलेख तक नई रोड का रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से उद्घाटन किया गया था। इस रोड पर काठमांडू ने आपत्ति जताई है। इस रोड से कैलाश मानसरोवर जाने वाले तीर्थयात्रियों की दूरी कम हो जाएगी। नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप कुमार ग्यावली ने भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा को तलब कर लिया था।

भारत ने दिया था साफजवाब

जवाब में भारत ने अपनी पोजिशन साफ करते हुए कह था कि 'उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में हाल ही बनी रोड पूरी तरह भारत के इलाके में हैं।' ग्यावली ने सोमवार को एक ट्वीट में जानकारी दी कि 'कैबिनेट ने 7 प्रान्त, 77 जिलों और 753 स्थानीय निकायों वाले नेपाल का नक्शा प्रकाशित करने का निर्णय लिया है। इसमें लिंपियाधुरा, लिपुलेक और कालापानी भी होंगे।'

मुंबई के बांद्रा रेलवे स्टेशन जुटे बिहार के हजारों प्रवासी मजदूर

मुंबई (ए.)। देश की आर्थिक राजधानी में एक तरफकोरोना वायरस का संक्रमण बेकाबू होता जा रहा है तो दूसरी तरफप्रवासी मजदूरों को संभालना भी मुश्किल होता जा रहा है। मंगलवार को एक बार फिर बांद्रा स्टेशन के बाहर हजारों की संख्या में प्रवासी मजदूर जुट गए। ये सभी बिहार के लिए श्रमिक स्पेशल ट्रेन में सवार होना चाहते थे। सोशल डिस्टेंशिंग की तो धज्जियां उड़ गईं। भीड़ को पुलिस ने किसी तरह वहां से हटाया।

मुंबई में कोरोना वायरस संक्रमण के 21 हजार से अधिक केस सामने आ चुके हैं। लॉकडाउन की वजह से कामकाज बंद है। प्रवासी मजदूरों के लिए बड़ा संकट खड़ा हो चुका है। उनके पास पिछले 50 दिन से कोई काम नहीं है। बहुत से मजदूरों को खाना-पानी भी ठीक से नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में सभी मजदूर जल्द से जल्द अपने घर जाना चाहते हैं।

मंगलवार को बांद्रा रेलवे स्टेशन के बाहर हजारों की संख्या में मजदूर पहुंच गए। हालांकि इनमें से केवल 1000 ऐसे मजदूर ही श्रमिक स्पेशल ट्रेन में सवार हो सके, जिन्होंने पहले से अपना रजिस्ट्रेशन कराया था। अन्य सभी को पुलिस ने स्टेशन से काफी मुश्किल के बाद हटाया। इससे पहले भी कई बार मुंबई में प्रवासी श्रमिक एकत्रित हो गए। हालांकि, ऐसा करना बेहद खतरनाक है। क्योंकि यदि इस भीड़ में कुछ कोरोना संक्रमित हुए तो वह अन्य लोगों को भी संक्रमित कर सकते हैं। बड़ी संख्या में मजदूर पैदल या साइकल से ही घरों के लिए विदा हो चुके हैं।

'अम्फान': शाह ने ममता को मदद का दिया भरोसा

कोलकाता। चक्रवाती तूफान 'अम्फान' धीरे-धीरे अत्यंत भीषण तूफान में बदलता जा रहा है। चक्रवाती तूफान 'अम्फान' के मद्देनजर मौसम विभाग ने 20 मई तक पश्चिम बंगाल और ओडिशा में सभी फिशिंग एक्टिविटी को सस्पेंड करने को कहा है। संभावना जताई जा रही है कि तूफान अम्फान 20 मई यानी बुधवार को पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश के तटों से टकराएगा। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से फोन पर बात की है। उन्होंने ममता बनर्जी को चक्रवात 'अम्फान' के कारण उत्पन्न होने वाली स्थितियों से निपटने में मदद का आश्वासन दिया है।

एनडीआरएफ की टीम तैनात हो चुकी

अमित शाह ने कहा कि केंद्र राज्य को मदद करने को प्रतिबद्ध है और एनडीआरएफकी टीम तैनात हो चुकी है। राज्यों की ओर से मांगी गई सभी जरूरतों को केंद्र सरकार पूरा करने को तैयार है। दरअसल, मौसम विभाग ने कहा कि पश्चिम बंगाल के दक्षिण-दक्षिणपश्चिम दीघा से 670 किलोमीटर दूर स्थित यह तूफान उत्तरपश्चिम बंगाल की खाड़ी के पास उत्तर-उत्तरपूर्व दिशा की तरफ बढ़ेगा और आज दोपहर या बुधवार शाम में 'अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान' का रूप लेकर पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश के तटों से टकराएगा।

मौसम वैज्ञानिकों ने कहा है कि 'अम्फान' 20 मई को बेहद भीषण चक्रवाती तूफान के रूप में पश्चिम बंगाल में दीघा और बांग्लादेश के हटिया द्वीप के बीच पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश तटों से गुजर सकता है। तटों से टकराने से पहले इसकी प्रचंडता कुछ कम होगी और हवाओं की गति निरंतर 155 से 165 किलोमीटर प्रति घंटे बनी रहेगी जो बीच-बीच में प्रति घंटे 180 किलोमीटर की रफ्तार पकड़ सकती है।

मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिम मध्य और उसके बगल में पूर्वी-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर प्रति घंटे 240 से 250 किलोमीटर की रफ्तार वाली तूफानी हवाओं की स्थिति बन रही है। साथ ही बताया कि मंगलवार शाम तक यह गति घटकर 200 से 210 किलोमीटर प्रति घंटे रह जाएगी जिसमें कभी-कभी 230 किलोमीटर प्रति घंटे की प्रचंड हवाएं चल सकती हैं।

तटीय इलाको में 45 से 55 किलो. मीटर रफ्तार से चल रही हवा

क्षेत्रीय मौसम विभाग के निदेशक जी के दास ने कहा कि पश्चिम बंगाल के तटीय इलाकों एवं आस-पास के इलाकों में मंगलवार दोपहर हवाओं की गति 45 से 55 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है और 65 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से प्रचंड हवा चल सकती है तथा 20 मई की सुबह उत्तर एवं दक्षिण 24 परगना, पूर्वी एवं पश्चिमी मिदनापुर, कोलकाता, हावड़ा और हुगली जिलों में यह धीरे-धीरे तूफानी हवा में तब्दील होकर 75 से 85 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है। दास ने कहा, 'यह धीरे-धीरे पश्चिमी मिदनापुर, हावड़ा, हुगली, कोलकाता में और रफ्तार पकड़कर 110 से 120 किलोमीटर प्रति घंटे हो जाएगा तथा आज दोपहर से 20 मई की रात तक उत्तर एवं दक्षिण 24 परगना जिलों के ऊपर 165 से 175 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी।' उन्होंने बताया कि इसके प्रभाव से, पश्चिम बंगाल के उत्तर एवं दक्षिण 24 परगना, कोलकाता, पूर्वी एवं पश्चिमी मिदनापुर, हावड़ा और हुगली समेट गंगा वाले तटीय इलाकों के कई स्थानों पर मंगलवार को हल्की से मध्यम बारिश होगी जबकि दूर-दराज के इलाकों में भारी बारिश होने की आशंका है।

पश्चिम बंगाल के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है और आगाह किया है कि कोलकाता, हुगली, हावड़ा, दक्षिण और उत्तर 24 परगना और पूर्वी मिदनापुर जिलों में बड़े पैमाने पर नुकसान हो सकता है। मौसम वैज्ञानिकों ने कहा कि कई स्थानों पर रेल एवं सड़क मार्ग बाधित हो सकते हैं, बिजली एवं संचार के खंभे उखड़ सकते हैं और सभी प्रकार के 'कच्चे घरों को अत्यंत नुकसान होगा। मौसम विभाग ने तैयार फसलों, बाग-बगीचों को भारी नुकसान होने की आशंका जताई है।

भारत में कोरोना जैसी ही रहस्यमय बीमारी ने दी दस्तक, बच्चों को ज्यादा खतरा

नई दिल्ली (ए.)। अमेरिका और यूरोपीय देशों में कई बच्चों की जान ले चुकी रहस्यमय बीमारी भारत तक पहुंच गई। कोरोना वायरस से जुड़ी बताई जा रही इस दुर्लभ बीमारी के लक्षण चेन्नई में एक आठ साल के बच्चे में देखे गए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे लेकर अलर्ट जारी किया है। डॉक्टरों ने बताया कि इस बीमारी की वजह से बच्चे के पूरे शरीर में सूजन आ गई और शरीर पर लाल चकत्ते पड़ गए। कोरोना वायरस जैसे लक्षण भी दिख रहे थे। इसके बाद उसे चेन्नई के कांची कामकोटि चाइल्ड्स ट्रस्ट अस्पताल में आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा। हालांकि, अब वह पूरी तरह स्वस्थ हो चुका है।

खतरा बड़ा क्यों?

इस बीमारी से शरीर में मल्टी सिस्टम इंफ्लामेंट्री सिंड्रोम यानी जहरीले तत्व उत्पन्न होने लगते हैं और पूरे शरीर में फैल जाते हैं। इसका असर कई महत्वपूर्ण अंगों पर पड़ता है। इससे एकसाथ कई अंग काम करना बंद कर सकते हैं और बच्चे की जान भी जा सकती है।

कोरोना प्रभावित इलाकों में 30 गुना ज्यादा बीमार

लेसेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, इटली में शोधकर्ताओं ने कोरोना वायरस और इस बीमारी के बीच संबंध खोज लिया है। उनके मुताबिक, यह दुर्लभ किस्म की बीमारी है और इसे पीडिएट्रिक इंफ्लेमेंट्री मल्टी-सिस्टम सिंड्रोम नाम दिया गया है। उत्तरी इटली के जिन इलाकों में कोरोना वायरस के मामले ज्यादा सामने आए थे वहां पिछले दो महीने में इससे बच्चों के बीमार पड़ने की दर 30 गुना ज्यादा पाई गई है। अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने भी सिंड्रोम से पीड़ित 145 मामलों के कोरोना से संबंध होने की पुष्टि की है।

बीमारी के लक्षण:

- बच्चों को पांच या उससे ज्यादा दिनों तक तेज बुखार
- पेट में तेज दर्द और उल्टी या डायरिया की समस्या
- आंखों का लाल हो जाना और उसमें दर्द महसूस होना
- बच्चों के होठ या जीभ पर लाल दाने भी आ जाना
- बच्चों के शरीर पर लाल चकते पड़ जाते हैं
- त्वचा के रंग में बदलाव, पीला, खुरदरा या नीला होना
- खाने में कठिनाई या पीने में समस्या आना
- सांस लेने में तकलीफ तेज सांस लेने की समस्या
- सीने में दर्द या दिल का काफी तेजी से धड़कना
- भ्रम हो जाना, चिड़चिड़ापन या सुस्ती महसूस होना
- हाथों और पैरों में सूजन और लालिमा आ जाना
- गर्दन में सूजन हो जाना भी प्रमुख लक्षण

कुछ अहम बातें:

- पांच साल से कम उम्र के बच्चों में इसका ज्यादा असर
- धमनियों में सूजन आने से हृदय को नुकसान की संभावना
- जितनी जल्दी पहचान, ठीक होने की संभावना उतनी ज्यादा
- यह कावासाकी बीमारी की तरह पर उपचार बिल्कुल अलग
- सिंड्रोम प्रभावित बच्चों के कोरोना संक्रमित हो जाना संभव

डब्ल्यूएचओ की हिदायत

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे लेकर खास सतर्कता बरतने की हिदायत दी है। डॉक्टर मारिया वैन कोरखोव ने कहा कि बच्चों में इंफ्लामेंट्री सिंड्रोम जैसे हाथों या पैरों पर लाल चकत्ते निकलना, सूजन आना या पेट में दर्द होना कोरोना के लक्षण हो सकते हैं। ऐसे लक्षण दिखें तो अभिभावकों को तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। संगठन के कार्यकारी निदेशक माइकल जे. रेयान का कहना है कि हो सकता है कि बच्चों में दिखने वाला मल्टीसिस्टम इंफ्लेमेंट्री सिंड्रोम सीधे कोरोना वायरस के लक्षण न होकर वायरस के खिलाफशरीर के रोग प्रतिरोधक तंत्र की अत्यधिक सक्रियता का परिणाम हो। इसलिए अभी और जांच जरूरी है।

संत देव प्रभाकर शास्त्री 'दद्दाजी' के अंतिम संस्कार में उमड़ी भीड़, गाइडलाइंस की उड़ी धज्जियां

कटनी (ए.)। प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु एवं संत देव प्रभाकर शास्त्री का रविवार रात मध्य प्रदेश के कटनी में उनके निवास 'दद्दाधाम' में निधन हो गया। फिल्मी सितारों और राजनेताओं सहित बड़ी संख्या में अपने अनुयायियों के बीच वह 'दद्दाजी' नाम से जाने जाते थे। आज उनके अंतिम संस्कार में लोगों की भारी भीड़ उमर पड़ी। आपको बता दें कि इस दौरान केंद्र सरकार के द्वारा जारी लॉकडाउन के नियमों की धज्जियां उड़ गई। गृह मंत्रालय के द्वारा लॉकडाउन 4 को लेकर जारी गाइडलाइंस के मुताबिक अंतिम संस्कार में 20 से अधिक लोग शामिल नहीं हो सकते हैं, लेकिन 'दद्दाजी' की अंतिम यात्रा में सैकडों लोगों की भीड़ देखी गई। आपको बता दें कि कल ही उनका निधन हुआ था। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि वह 82 वर्ष के थे और लम्बे समय से फेफड़े और किडनी से संबंधित बीमारियों से ग्रसित थे। उनके परिवार में तीन बेटे और दो बेटियां हैं। उनकी पत्नी का पहले ही निधन हो चुका है। दद्दाजी शिष्य मंडल के प्रवक्ता संजीव श्रीवास्तव ने सोमवार को बताया कि संत का उपचार दिल्ली के एक अस्पताल में चल रहा था। जब दद्दाजी की हालत बिगड़ने लगी तो शनिवार को उन्हें यहां लाया गया। अभिनेता आशुतोष राणा और मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री संजय पाठक सहित उनके शिष्यों द्वारा उन्हें पहले एयर एम्बुलेंस से जबलपुर लाया गया और बाद में उन्हें सड़क मार्ग से कटनी लाया गया। उन्होंने बताया कि संत का अंतिम संस्कार सोमवार को शहर के बाहरी इलाके दद्दाधाम में किया गया, जिसमें उनके अनुयायी अभिनेता आशुतोष राणा और राजपाल यादव भी मौजूद थे। इसके अलावा दद्दाजी को श्रद्धांजलि देने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की पत्नी साधना सिंह भी कटनी आये। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह सहित अन्य लोगों ने संत देव प्रभाकर शास्त्री के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

कोरोना कहर के बीच चीन की लैब का दावा-

बिना वैक्सीन के भी यह नई दवा रोक सकती है कोरोना

बीजिंग (ए.)। चीन से फैले कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया में तबाही मचा रखी है। अब तक लाखों लोग इससे अपनी जान गंवा चुके हैं, मगर अब तक न तो इसकी वैक्सीन सामने आई है और न कोई इलाज। मगर इस बीच चीन के वैज्ञानिकों का दावा है कि उन्होंने ऐसी एक नई दवा बनाई है जिससे कोरोना वायरस को खत्म किया जा सकता है। चीन की एक प्रयोगशाला में एक दवा विकसित की जा रही है। लैब का मानना है कि इस दवा में कोरोना वायरस महामारी को रोकने की क्षमता है।

समाचार एजेंसी एएफपी के मुताबिक, चीन की प्रतिष्ठित पेकिंग यूनिवर्सिटी में वैज्ञानिकों द्वारा इस दवा का परीक्षण किया जा रहा है। रिसर्चर्स का कहना है कि यह दवा न सिर्फ कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों के रिकवरी टाइम को कम कर सकती है बल्कि कोरोना वायरस के खिलाफ शॉर्ट टर्म प्रतिरक्षा शक्ति (इम्युनिटी) भी देती है। बता दें कि चीन के वुहान शहर से ही यह वायरस पूरी दुनिया में फैला है जिसकी तबाही आज देखने को मिल रही है। इसकी वैक्सीन बनाने में पूरी दुनिया जुटी है। समाचार एजेंसी एएफपी से बातचीत में यूनिवर्सिटी के बीजिंग एडवांस्ड इनोवेशन सेंटर फॉर जियोनॉमिक्स के निदेशक सन्ने शी ने कहा कि इस दवा का जानवरों पर परीक्षण सफल रहा है। उन्होंने कहा, 'जब हमने एक संक्रमित चूहे के अंदर न्यूट्रिलाइजिंग एंटीबाडी (निष्क्रिय करने वाले एंटीबॉडी) इंजेक्ट किया तो पांच दिन बाद वायरल लोड 2500 कारक कम हो गए थे। इसका मतलब है कि संभावित दवा का चिकित्सकीय प्रभाव हुआ है।' यह दवा वायरस को संक्रमित करने वाली कोशिकाओं को रोकने के लिए मानव प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा उत्पादित एंटीबॉडीज को बेअसर करने वाले एंटीबॉडी का उपयोग करती है, जिसे शी की टीम ने बीमारी से ठीक हो चुके 60 मरीजों के रक्त से अलग किया। साइंटिफिक जर्नल सेल में रविवार को प्रकाशित टीम के शोध पर एक अध्ययन बताता है कि एंटीबॉडी का उपयोग करने से बीमारी का संभावित 'इलाज' होता है और मरीजों के बीमारी से स्वस्थ होने का समय कम हो जाता है।

किम जोंग की अजब सनक: नॉर्थ कोरिया में ब्लू जींस, अलग हेयर स्टाइल.. मतलब 'कालापानी'

उ. कोरिया(ए.)। उत्तर कोरिया तानाशाह किम जोंग लंबे समय तक 'अज्ञातवास' में रहने के बाद भले ही बाहर आ गए हों लेकिन उनके सनक के खौफसे पूरे उत्तर कोरिया में हर कोई डरता है। यही वजह थी कि करीब 20 दिन तक गायब रहने के बाद भी किम जोंग उन के खिलाफ उत्तर कोरिया में किसी ने कुछ भी नहीं बोला। आम जनता में पैनिक का माहौल रहा लेकिन किसी ने भी किम के सनकभरे आदेशों का उल्लंघन नहीं किया। आइए जानते हैं कि उत्तर कोरिया की जनता को किम जोंग उन की किन-किन सनक का सामना करना पड़ता है....

बालों के लिए जारी है 15 सरकारी हेयर स्टाइल

तानाशाह किम जोंग खुद भले ही स्टाइलिश हेयर स्टाइल रखता हो लेकिन अपने देश की जनता के लिए बेहद सख्त नियम बना रखा है। उत्तर कोरिया में पुरुषों और महिलाओं के लिए सरकार की ओर से स्वीकृत किए गए 15 तरीके के हेयरकट हैं। इसमें पुरुषों के लिए लंबे बाल रखने की अनुमति नहीं है। अगर किसी ने 15 तरीके के हेयरकट से अलग कुछ किया तो अधिकारी खुद ही उसके बाल काट देंगे। कहा जाता है कि महिलाओं को किम जोंग उन की पत्नी के हेयर स्टाइल 'क्लासिक बॉब' को कॉपी करने के लिए कहा गया है।

नीली जींस पर किम ने लगा रखा है प्रतिबंध

किम जोंग उन ने दुनियाभर में बेहद लोकप्रिय नीली जींस को अपने देश में पहनने पर रोक लगा रखी है। अक्सर अमेरिका को धमकी देने वाले किम जोंग उन का मानना है कि नीली जींस अमेरिकी साम्राज्यवाद का प्रतीक है। किम ने पूरे देश में इंटरनेट के इस्तेमाल पर काफी प्रतिबंध लगा रखा है, इस वजह से उत्तर कोरिया के लोगों को पता नहीं चल पता है कि दुनिया में लोग कैसे रहते हैं। उन्हें यह पता नहीं चल पाता है कि वे किन प्रतिबंधों में जिंदगी गुजार रहे हैं।

किम की जेल में मौत की भीख मांगते हैं कैदी

किम जोंग उन के आदेशों को नहीं मानने वालों को जेल में डाल दिया जाता है। ये जेल कम यातना गृह ज्यादा होते हैं। इनके बारे में खुद उत्तर कोरिया के लोगों को ही बहुत कम जानकारी है। माना जाता है कि किम जोंग उन के दो तरीके कैंप हैं। राजनीतिक कैदियों के लिए नजरबंदी शिविर हैं। वहीं सामान्य अपराधियों के री एजुकेशन कैंप हैं। उत्तर कोरिया की ये जेल दुनियाभर में कुख्यात हैं। यहां कैदियों को बर्फ से भरे पानी में डाल दिया जाता है। दोषी कैदियों को आजीवन जेल में मरने के लिए छोड़ दिया जाता है।

कैदियों से खुदवाई जाती है उनकी ही कब्र

नार्थ कोरिया में अगर कोई जेल भेज दिया गया तो उसके जिंदा वापस लौटने की कोई गारंटी नहीं होती है। हथियारों से लैस गार्ड कैदियों को यातना देते हैं। इस दौरान कई कैदियों की मौत हो जाती है। उत्तर कोरिया की जेलों से लौटे कैदियों के मुताबिक किम के सैनिक इतने क्रूर हैं कि हरेक कैदी से उनकी कब्र खुदवाते हैं ताकि मौत होने पर उसको दफनाया जा सके। यही नहीं मरे हुए लोगों के शव को खाद के रूप में इस्तेमाल किया जाता है ताकि पहाड़ी इलाकों में स्थित जेलों के आसपास पैदावार बढ़ाई जा सके।

■ न्यूज गैलरी

चौपहिया वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

रायपुर। लापरवाहीपूर्वक तेज रफ्तार वाहन चलाकर दुर्घटनाओं को अंजाम देने का क्रम जारी है। कमी आने के बजाय सड़क दुर्घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। धरसींवा थाने से मिली जानकारी के अनुसार विष्णु साहू आयु 49 वर्ष पिता पीलाराम साहू निवासी पानी टंकी के पास अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04-एचआर 6175 से मुख्य मार्ग से गुजर रहा था। विपरीत दिशा से आते चारपहिया वाहन के अज्ञात चालक ने प्रार्थी की बाइक को जमकर टक्कर मारी जिसके चलते बाइक में सवार शुभम साहू पिता इंदरमन साहू आयु 17 वर्ष निवासी कुकेरा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उक्त मामले में धरसींवा थाने ने आरोपी अज्ञात चौपहिया वाहन चालक के खिलाफ आईपीसी की धारा 304 ए के तहत मामला कायम किया है।

जानकारी छिपाने पर 11 लोगो के खिलाफ मामला दर्ज

रायपुर। लॉकडाउन, क्वारनटाईन उल्लंघन करने एवं जानकारी छिपाने पर पुलिस ने पिछले 24 घंटे में 11 अपराध दर्ज किये हैं। महासमुंद में 1, दुर्ग में 1, राजनांदगांव में 2, बालोद में 4, कोरिया में 2, बस्तर में 1 अपराध दर्ज किये गए हैं। पुलिस द्वारा आईपीसी की धारा 188, 269, 270 के तहत अपराध दर्ज किए गए हैं।

आरकेएस स्टील उद्योग के साथ 4, 05,58718 रु की धोखाधड़ी हुई

रायपुर। आमानाका थाने से मिली जानकारी के अनुसार आरकेएस स्टील प्राइवेट लिमिटेड ग्राम तेंदुआ के मालिक राजकुमार पालीवाल आयु 47 वर्ष पिता स्वर्गीय मदन लाल निवासी शांतिविहार कालोनी डंगनिया डीडी नगर का प्रकाश में आया है। जिसमें आरोपी रामकिशोर अरोरा मोहित अरोरा निवासी सी 2 सेक्टर - 6 स्क्वायर टॉवर नोएडा उत्तरप्रदेश द्वारा सुपर टैंक प्राइवेट लिमिटेड नोएडा के संचालक ने प्रार्थी से वर्ष 2014 से लोहे का सरिया खरीद रहा था। जिसका भुगतान भी समय पर होता रहा। 2018 के बाद आरोपी ने 800 पीएमटी सरिया कीमत 4, 05,58718 रुपये का लोहा आरकेएस स्टील के संचालक राजकुमार पालीवाल से खरीदा था जिसका प्रार्थी द्वारा बार-बार भुगतान के लिए आग्रह करने के बावजूद भी एक रुपये भुगतान न कर प्रार्थी के साथ गंभीर धोखाधड़ी की गई है। उक्त मामले में अरोरा द्वारा अलग-अलग नंबरों से प्रार्थी से मोबाइल पर बात कर उसे गुमराह किया जाता रहा है। उक्त मामले में आमानाका थाने ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 एवं 34 के तहत मामला कायम किया है।

जिंदगी से हारकर दो युवकों ने मौत को गले लगाया

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। एक ही दिन दो युवकों ने जिंदगी से हारकर मौत को गले लगा लिया। परेशानी ही दोनों की खुद्कुशी की वजह बनीं। इसमें एक पुलिस वाहन डायल-112 का चालक था। तो दूसरा मंत्रालय के गृहविभाग में पदस्थ सहायक कर्मी। दोनों ही युवकों ने आत्महत्या की। डायल-112 के चालक ने ट्रेन से कटकर जान दे दी तो मंत्रालय कर्मी ने घर में फांसी लगाकर खुद्कुशी की है।

डायल-112 वाहन के चालक भी किया आत्महत्या

मंगलवार की सुबह पुलिस के डायल-112 वाहन के चालक का शव रेलवे ट्रैक पर मिला है। ट्रेन से कटकर उसके खुदकुशी करने की आशंका है। सोमवार रात को चालक के वाहन और एक एंबुलेंस की टक्कर हो गई थी। इसकी रिपोर्ट गंज थाने में दर्ज कराने के बाद युवक गायब हो गया। आज उसका सरस्वती नगर क्षेत्र के कोटा स्थित रेलवे ट्रैक पर शव मिला। फिलहाल आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं है। हालांकि बताया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद से चालक काफी परेशान था। जानकारी के मुताबिक, गिधौरा निवासी हरगोविंद साहू (22) यहां संतोषी नगर में रहता था और मौदहापारा थाने की डायल 112 में वाहन चालक था। बताया जा रहा है कि देर रात वह सरकारी वाहन लेकर मरहीमाता चौक से पंडरी पेट्रोल पंप की ओर जा रहा था। रास्ते में तेज रफ्तार एंबुलेंस से डायल 112 वाहन की टक्कर हो गई। इसके बाद से वह काफी परेशान हो गया। उसने हादसे की सूचना गंज थाने में दी और रिपोर्ट भी दर्ज कराई। इसके बाद वाहन वहीं छोड़कर गायब हो गया। इसके बाद पुलिस को उसके आत्महत्या करने की सूचना मिली। पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। माना जा रहा है कि एंबुलेंस को रास्ता नहीं देकर लापरवाही से वाहन चाला रहा हो। इसके चलते हादसा हुआ और युवक तनाव में आ गया। इसी के चलते आत्महत्या कर ली होगी। हालांकि आत्महत्या को लेकर कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आ रहा है। पुलिस इस संबंध में उसके परिवार को सूचना दे दी है और आगे की कार्रवाई के लिए पूछताछ करेगी।

गृह विभाग में पदस्थ सहायक कर्मी ने की खुदकुशी

लाकडाउन के बीच मंत्रालय में पदस्थ गृह विभाग के एक कर्मचारी ने खुदकुशी कर ली है। कर्मचारी ने अपने क्वार्टर में पंखे से लटककर फांसी लगा ली है। चूंकि घटना स्थल पर कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, इसलिए आत्महत्या की वजह सामने नहीं आ पाई है। फिलहाल राखी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को विवेचना में लिया है। जानकारी के मुताबिक मृतक कर्मचारी की पहचान 30 वर्षीय दीपक कुमार कौशिक के रूप में हुई है.दीपक बिलासपुर जिले का निवासी था और मंत्रालय में गृह विभाग के सहायक ग्रेड-3 पर पदस्थ था। नया रायपुर के सेक्टर-29 के क्वार्टर नंबर 104 में अकेले रहता था। मृतक की दो साल पहले ही शादी हुई थी। राखी थाना प्रभारी राजेंद्र दीवान ने बताया सुबह 11 बजे कर्मचारी के आत्महत्या की सूचना मिली थी। घर में किसी प्रकार का कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है. उसकी 2 साल पहले शादी हुई थी, लेकिन यहाँ अकेले ही रहता था.परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. फिलहाल दीपक के परिचितों से पूछताछ की जा रही है। करीबी यह भी संदेह जता रहे हैं कि दीपक विभागीय कार्यों और लॉकडाउन की वजह से अवसाद में था।

मरीजों की संख्या के आधार पर राज्य में तय होगा जोन

■ रेड, ऑरेंज, ग्रीन के बाद अब बफर और कंटेनमेंट जोन भी होगा तय

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में जल्द ही कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या, प्रभावित क्षेत्रों का आंकलन कर प्रभावित क्षेत्र को जोनवाइस बांटा जाएगा। इन्हें विभिन्न जोनों में बांटने के बाद क्षेत्रों के आधार पर रियायत तय की जाएगी। लॉकडाउन-3 तक प्रदेश में स्थिति काफी हद तक नियंत्रित थी। लेकिन अब प्रदेश में कोरोना मरीजों की संख्या एकाएक बढ़ रही है। बलौदाबाजार, जांजगीर-चांपा, कवर्धा, बालोद और राजिम जैसे इलाकों से भी नए मरीजों के सामने आने के बाद से ही राज्य सरकार सकते में आ गई है। बताया जाता है कि अचानक कोरोना पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ने के बाद जिला प्रशासन भी सतर्क हो गया है। वर्तमान में देशभर में लॉकडाउन-4 की शुरूआत हो गई है जो कि अब इस माहांत तक चलेगी। इसके बाद फिर से आगे की रणनीति तय की जाएगी। दूसरी ओर छत्तीसगढ़ में अचानक कोरोना मरीजों की संख्या में हुए इजाफे के बाद राज्य सरकार अब सख्ती के मूड में आ गया है। केन्द्र सरकार द्वारा कोरोना प्रभावित क्षेत्रों को किस जोन में रखा जाना है, इसकी छूट राज्य सरकार को दे दी गई है। अब राज्य सरकार अपने राज्य में प्रभावित क्षेत्रों को अपने हिसाब से जोनवार बांट सकती है। इसी क्रम में राज्य सरकार अब रेड, ऑरेंज, ग्रीन जोन के साथ ही बफर और कंटेनमेंट जोन का निर्धारण करने वाली है। सूत्रों की माने तो रायपुर जिले को अब ऑरेंज जोन में रखा जा सकता है।

दपूमरे : रायपुर मंडल के सिविल डिफेंस की सेवाएं सराहनीय

रायपुर। आज पूरा विश्व कोरोना वैश्विक महामारी (कोविड-19) के चपेट में आ चुका है। भारत में जिस गति से यह महामारी पैर पसारती जा रही है, इससे लड़ने में रायपुर मंडल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, में विभिन्न विभागों में पदस्थ रेलवे कर्मचारियों द्वारा नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों के रूप में महत्वपूर्ण एवं सराहनीय प्रयास किया जा रहा है। नागरिक सुरक्षा संगठन का मुख्य उद्देश्य 'जनता के साहस और मनोबल को ऊंचा करना, जीवन रक्षा की भावना और मनोबल जागृत रखना' आपातकालीन परिस्थिति में सर्व सामान्य जनता की रक्षा करना है। सामन्यतः नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों के द्वारा आपातकालीन स्थिति में रेलवे सुरक्षा बल व चिकित्सा कर्मचारियों का भरपूर सहयोग दिया जा रहा है। नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों को मंडल रेल प्रबंधक रायपुर में वरि. मंडल संरक्षा अधिकारी रायपुर एवं मंडल सुरक्षा आयुक्त रायपुर के द्वारा ऑन लाइन प्रशिक्षण दिया गया जिनसे डयुटी के दौरान वे स्वयं की सुरक्षा करते हुए अपने कार्य का निर्वहन किस प्रकार करेगें, इससे संबधित विभिन्न जानकारियां दी गई। यहां,

यह उल्लेखनीय है कि कोटेश्वर राव/सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर रायपुर के नेतृत्व एवं कुशल मार्गदशन में पुरी टीम के द्वारा रायपुर मंडल के महत्वपूर्ण स्टेशनां जैसे रायपुर, दुर्ग एवं भाटापारा में प्रवासी मजदूरों के लिए चलाये जा रहे श्रमिक स्पेशल ट्रेनों व राजधानी एक्सप्रेस सहित पंद्रह विभिन्न ट्रेनों से आये यात्रियों में उचित सामाजिक दुरी को सुनिश्चित करना, सेनीटाइजर/हैंडवास व मास्क के उपयोग को सुनिश्चित करवाना एवं साथ ही साथ अत्यधिक भीड़ को नियंत्रण में रखना जैसे कार्य को संपादित किया जा रहा है।

दपूमरे अब कार्गो फैसिलेशन यूनिट बनाकर करेगी कार्य

***रायपुर।** भारतीय अर्थव्यवस्था में गत्यात्मक सुधार लाने के प्रधानमंत्री के आह्वान को क्रियान्वित करते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे कार्गो फैसिलेशन यूनिट बनाकर इस दिशा में सार्थक पहल कर रहा है । इसके अंतर्गत नए एवं अतिरिक्त यातायात पर ध्यान केंद्रित करने हेतु एक विशेष योजनाबद्ध कार्य किया जाएगा, जिससे न सिर्फभारतीय रेलवे की माल लदान एवं परिवहन को प्रोत्साहन मिलेगी बल्कि देश कीअर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। कार्गो फैसिलेशन यूनिट डा. विपीन वैष्णव, मंडल वाणिज्य प्रबंधक, रायपुर के निर्देशन में कार्य करेगी तथा श्री अनुराग कुमार सिंह, मंडल वाणिज्य प्रबंधक, नागपुर एवं श्री मनीष अग्रवाल एरिया रेलवे मैनेजर, कोरबा भी इस कार्य में उनका सहयोग करेंगे । कार्गो फैसिलेशन यूनिट का कार्य मुख्य रूप से पारंपरिक लदान के अतिरिक्त नये लदान की वस्तुओं को चिन्हित कर रेल लदान को बढ़ाते हुए रेलवे के राजस्व अर्जन में वृद्धि करना है ।*

चिकित्सकों के अथक प्रयास के बाद भी अजीत जोगी की हालत नाजुक

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी की हालत आज भी गंभीर बनी हुई है। श्री जोगी के ब्लड प्रेशर व हार्ट रेट में काफी उतार-चढ़ाव आ रहा था, जिसे चिकित्सकों ने अथक प्रयास के बाद काबू में कर लिया। अजीत जोगी के लिए जारी मेडिकल बुलेटिन में बताया गया कि

श्री जोगी की हालत आज भी नाजुक बनी हुई है। सोमवार को श्री जोगी का ब्लड प्रेशर व हार्ट रेट काफी बदल गया था। लगातार ब्लड प्रेशर के उतार-चढ़ाव व हार्ट रेट में आए बदलाव ने चिकित्सकों को परेशान कर दिया था। चिकित्सकों के अथक प्रयास के बाद आखिरकार उनका बीपी नार्मल हुआ और हार्ट रेट भी धीरे-धीरे सामान्य हो गया। उन्हें वर्तमान में वेंटीलेटर के माध्यम से कृत्रिम सांस दी जा रही है। उनकी यूरिन आउटपुट नियंत्रित है। ज्ञात हो कि श्री जोगी के स्वास्थ्य को लेकर चिकित्सकों की टीम लगातार देश-विदेश के चिकित्सकों से सलाह ले रहे हैं। वर्तमान में चल रहे उनके उपचार को निरंतर रखा गया है और उनकी स्थिति में सुधार आते ही मेडिकल प्रोटोकॉल बदला जाएगा। बहरहाल उनकी हालत लगातार नाजुक बनी हुई है।

पीसीसी चीफ बोले आरएसएस के बारे में बताना चाहते हैं तो पहले 5 सवालों का जवाब दें

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। पीसीसी चीफ मोहन मरकाम ने नेताप्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक पर पलटवार किया है। उन्हों ने भाजपा नेता धरमलाल कौशिक से आरएसएस की जानकारियां मांगी है। साथ ही यह भी कहा है कि आरएसएस के बारे में जानकारियां देना ही चाहते हैं, तो उससे पहले 5 सवालों का जवाब ही दे दें।

धरमलाल कौशिक के बयान पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने प्रतिक्रिया देते हुए 5 सवाल पूछे हैं। आरएसएस के विषय में धरमलाल कौशिक से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि धरमलाल कौशिक आरएसएस के बारे में जानकारी देना ही चाहते हैं, तो 5 सवालों का जवाब ही दे दें। मोहन मरकाम ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गठन 1925 में हुआ था और 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ। देश की आजादी की लड़ाई के अंतिम 22 वर्षों में संघ अस्तित्व में था और इस दौरान आजादी की लड़ाई में संघ की भूमिका को लेकर पांच सवाल का जवाब चाहिए।

मोहन मरकाम के ये 5 यक्ष प्रश्न

1. आजादी की लड़ाई में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कितने लोगों ने भाग लिया ?
2. आजादी की लड़ाई में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कितने लोग जेल गये ?
3. आजादी की लड़ाई में आरएसएस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कितने लोग शहीद हुये ?
4. अंग्रेजों से आरएसएस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के और संघ विचारधारा के कितने लोगों ने माफी मांगी ?
5. आजादी की लड़ाई के सिपाहियों स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के खिलाफ अंग्रेजों की मुखबिरी में आरएसएस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कितने लोग शामिल थे ?

चल मेरी गाड़ी

रायपुर। लॉकडाउन में जब परिवहन के साधन नहीं मिला तो अपनी दुपहिया में ही पुणे से उड़ीसा घर की ओर निकल पड़ा परिवार

सभी नागरिक एवं संगठन ऐतिहासिक बूढातालाब की सफाई में श्रमदान करने आगे आये-महापौर ने किया आव्हान

ग्रीन आर्मी के सदस्यों ने बूढातालाब की सफाई में किया श्रमदान

■ 25 मई तक प्रतिदिन सफाई श्रमदान करने का प्रण महापौर के नेतृत्व में लिया

रायपुर। निगम रायपुर द्वारा निरंतर विगत 11 मई से चल रहे 14 वीं सदी के ऐतिहासिक बूढातालाब स्वामी विवेकानंद सरोवर की जलकुंभी व गाद सफाई के विषेष महाभियान में महापौर एजाज ढेबर की पहल पर राजधानी की पर्यावरण प्रेमी सामाजिक संस्था ग्रीन आर्मी के 25 सदस्यों ने आगे आकर बूढातालाब की जलकुंभी सफाई में श्रमदान किया एवं महापौर ढेबर के नेतृत्व में 25 मई तक प्रतिदिन बूढातालाब की सफाई में श्रमदान करने का प्रण सामूहिक रूप से समाजहित में पर्यावरण संरक्षण हेतु लिया।

आज महापौर एजाज ढेबर ने निगम आयुक्त सौरभ कुमार के साथ नगर निगम द्वारा निरंतर जारी ऐतिहासिक बूढातालाब की विषेष सफाई के महाभियान की प्रगति एवं व्यवस्था का एमआईसी सदस्य सुरेष चन्नावार, पूर्व पार्षद मनोज कंदोई, जोन 7 कमिष्नर विनोद पाण्डेय, जोन कार्यपालन अभियंता रधुमणी प्रधान की उपस्थिति में निरीक्षण कर प्रत्यक्ष अवलोकन किया। महापौर ढेबर एवं आयुक्त कुमार ने निगम जोन 7 अधिकारियों को बूढातालाब से जलकुंभी एवं गाद की सफाई करने के अभियान को शत प्रतिषत सफाई कर प्राथमिकता के साथ 25 मई 2020 तक पूर्ण करवाना सुनिष्चित करने के निर्देष दिये। जोन 7 अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में नगर निगम जोन 7 स्वास्थ्य विभाग, निगम मुख्यालय स्वास्थ्य विभाग, निगम मुख्यालय महापौर स्वच्छता हेल्प लाईन विषेष गैंग के 85 सफाई मित्रों सहित 30 सफाई मित्रों की अतिरिक्त विषेष टीम को मिलाकर 115 सफाई मित्रों एवं 50 विषेषज्ञ मछुआरों इस प्रकार 165 श्रमिकों की सहायता से निरंतर बूढातालाब के भीतर से जलकुंभी व गाद निकालने का कार्य अत्यंत तेज गति से किया जा रहा है। विगत 11 मई से प्रारंभ अभियान के तहत अब तक 550 डम्पर से अधिक मात्रा में जलकुंभी व गाद तालाब से निकालकर उसका परिवहन करवाया जा चुका है। 11 ट्रकों एवं 7 पोकलेन मषीनों की निरंतर सहायता प्रतिदिन 8 बजे सुबह से दोपहर 1 बजे तक एवं संध्या 4 बजे से 5 बजे तक ली जा रही है। महापौर ढेबर पार्षदों सहित प्रतिदिन महाभियान का निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देष अधिकारियों को दे रहे है एवं प्रतिदिन सफाई हेतु श्रमदान कर रहे है। महापौर ढेबर ने नगर निगम रायपुर की ओर से राजधानी के ऐतिहासिक बूढातालाब से जलकुंभी व गाद निकालने के सफाई महाभियान में आगे आकर सभी नागरिको एवं संगठनों से सहभागी बनने का आव्हान समाज हित में पर्यावरण संरक्षण हेतु किया है। उन्होने कहा है कि नगर निगम रायपुर एवं रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा राज्य शासन के नगरीय प्रषासन एवं विकास विभाग के दिषा निर्देष अनुरूप बूढातालाब को राजधानी शहर का सबसे सुन्दर व विकसित स्थल बनाने का कार्य सफाई पूर्ण करने के तत्काल बाद समय सीमा तय कर प्रारंभ कर दिया जायेगा।

नगर निगम एवं स्मार्ट सिटी लिमिटेड ऐतिहासिक बूढातालाब के संरक्षण, विषेष सफाई, गहरीकरण, सौंदर्यीकरण कार्य हेतु पूरी तरह कृत संकल्पित है।

कुछ चहेते उद्योगपतियों को सब कुछ सौंप देने से कोरोना संक्रमण रोकथाम में क्या मदद मिलेगी

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी संचार विभागाध्यक्षशैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा कि 12 मई को पीएम श्री मोदी ने बहुत बड़ी घोषणा की थी

कि करोना से लड़ने 20 लाख करोड़ का पैकेज दिया जाएगा। पूरे देश को उम्मीद और आशा बंधी थी कि शायद अब मोदी जी को गरीबों का, लाचारों का दुख और दर्द समझ में आ गया है। शायद अब मोदी जी को समझ में आ गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है । वो इससे निपटने ठोस कदम उठाने जा रहे हैं और। लेकिन जो पांच धारावाहिक वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने देश को दिखाए, उसके बाद ये बात साफ है कि मोदी सरकार गरीब का, कमजोर का और यहाँ तक कि मध्यम वर्ग का भी दर्द नहीं समझ रही है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा है कि वित्तमंत्री ने कहा है कि हमें जब अतिरिक्त बोरोइंग दिखेगी, तभी पता चलेगा कि कितना खर्चा हुआ है और इसका जो फिगर आर्थिक विशेषज्ञों ने लगाया है, वह जीडीपी के 1 प्रतिशत से भी कम है। जीडीपी से जो अतिरिक्त खर्चा हो रहा है वो मात्र 0.91 प्रतिशत है। मोदी सरकार ने लोगों के दुखदर्द की बुरी तरीके से अनदेखी की है ।

भाजपा मजदूरों के नाम पर घड़ियाली आंसू बहाना बंद करें -कांग्रेस

***रायपुर।** पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह द्वारा प्रवासी मजदूरों के सम्बंध में की जा रही बयानबाजी को कांग्रेस ने घड़ियाली आंसू बताया है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता और संचार विभाग के सदस्य सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि रमन सिंह को मजदूरों की इतनी ही फिक्र होती तो वे कोरी बयानबाजी करने और बार्डर में जा कर फोटो खिंचवाने के बजाय इस मामले में प्रधानमंत्री मोदी से बात करते रमन सिंह मजदूरों के नाम पर केवल राजनीति करना चाह रहे हैं। प्रवासी मजदूरों की समस्या अन्तर्राज्यीय मसला है। इनकी वापसी के बारे में केंद्र सरकार को एक राष्ट्रीय नीति बनानी थी दुर्भाग्य से केंद्र की भाजपा सरकार ने तीन महीने में भी मजदूरों की वापसी के लिये कोई नीति नही बनाया। मज़दूर और अलग अलग राज्य प्रवासी मजदूरों को लेकर अपने स्तर पर संघर्ष कर रहे । प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भौगोलिक रूप से 6 राज्यो से जुड़े होने के कारण राज्य से बड़ी संख्या में मजदूर पैदल गुजर रहे है। कांग्रेस पार्टी और समाजसेवी संगठन, तथा राज्य सरकार उनकी मदद कर रही एक भी भाजपा नेता कार्यकर्ता मदद को सामने नही आया । छत्तीसगढ़ अकेला राज्य है जहाँ दूसरे राज्यो से पैदल चल कर छत्तीसगढ़ होकर अपने गृह राज्य जाने वाले मजदूरों के खाने पीने से लेकर सीमा तक छोड़ने की व्यवस्था की जा रही है।*

संपादकीय

मजदूरों की मजबूरी पर सियासत

कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के कारण सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है देश के नव निर्माण में अपना खून पसीना एक करने वाला मजदूर। इन मजदूरों की मजबूरी पर सियासत शुरू हो गई है। बजाए इसके कि इन मजदूरों को राहत पहुंचाई जाए उन्हे रोजी रोटी उपलब्ध कराई जाए राजनीतिक दल उनके नाम पर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने में लगे हुए है। खबरियां चैनलों ने भी पैदल जाते इन मजदूरों की दूर्दशा को दिखाकर अपनी टीआरपी बढ़ाना शुरू कर दिया है। पैदल जाते ये मजदूर हादसों का शिकार होकर अपनी जान गवां रहे है। न तो केन्द्र सरकार और न ही संबंधित राज्य सरकारें इन मजदूरों को वाहन सुविधा सुलभ कराकर उन्हे उनके घरों तक पहुंचाने के काम को गंभरता से ले रही है। रेलवे ने मजदूरों की घर वापसी के लिए श्रमिक स्पेशल ट्रन जरूर शुरू की है लेकिन वे अपर्याप्त है। कई राज्य सरकारों ने तो बहुत ही कम ट्रेनों की मांग की है इससे स्पष्ट है कि वे राज्य सरकारें चाहती ही नहीं है कि उनके प्रदेश के मजदूर वापस लौटें। इसके लिए वे केन्द्र सरकार के सिर पर ठीकरा फोड़कर अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रही है। केन्द्र सरकार भी अपनी असफलता छिपाने के लिए राज्य सरकारों के सिर पर तोहमत मढ़ रही है। आरोप प्रत्यारोप की इस राजनीति के बीच लाखों मजदूरा सैकड़ो किलोमीटर भूखे-प्यासे पैदल चलने के लिए मजबूर हो गए है। मजदूरो के दर्द को समझने की जरूरत है इस समय जो मजदूर जहां है उसे वहीं तात्कालीन तात्कालिक राहत पहुंचाई जाए और उनके लिए वाहन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ की उन नियोक्ताओं के खिलाफ भी सख्त कार्यवाही की जाए जिन्होने इस विपदा की घड़ी में मजदूरों को सड़क पर लाने का गुनाह किया है। मजदूरों की भीड़ जिस तरह सड़कों पर उतर रहीं है यदि उसे नहीं रोका गया और उन मजदूरों को सुरक्षित उनके ठिकानों तक पहुंचाने की कारगर पहल नहीं की गई तो स्थिति और भी भयावह हो जाएगी और इनमें से कई मजदूर कोरोना वायरस का शिकार बन जाएंगे। सभी राजनीतिक दलों चाहिए कि वे दलगत भावना से उपर उठ कर दन मजदूरों को राहत पहुंचाने का काम करें। इसके लिए श्रमसेवी संगठनों को भी आगे आना होगा तभी इन मजदूरों की समस्या का समाधान हो पाएगा।

विचार- देव तुल्य

आरती तिवारी

सारे विश्व में फैली है... देखो कोविड-19..
छुपा रुस्तम विषाणु.. प्राणघातक जानलेवा..
घरों में समय रहते. सावधानियां बरतें..
देश में किया गया तालाबंदी दो गज? की दूरी का रखो ध्यान..
घर में रहो, सुरक्षित रहो.. बार-बार यह दिशा निर्देश,
साफ-सफाई का रखो ध्यान यही है इस वक्त का सही इलाज..
यहां के डॉक्टर्स ने दिन-रात अपनी जान की जान लगा दी.
मरीजों की सेवा करने को.. ना देखा स्वयं को.
ना अपने परिवार को.. देखा तो सिर्फभारत का हित..
देश बचाओ, प्राण बचाओ.. घर में रहकर साथ दो..
देश हित का ख्याल रखो.. जान है, जहान है..
बार-बार दोहराया जाता. देश की रक्षा करने को..
पुलिस विभाग जी जान लगा दिया.. जनता उनसे करती मनमानी.
ऐसी मूर्खता ना करो.. निज स्वार्थ की खातिर..
भाग रहे हैं नियम तोड़.. पुलिस से भी करते हाथापाई..
मारपीट गाली- गलौज.. पल भर भी यह नहीं सोचते,
यह सब हमारे हित के लिए.. अपनी जान की बाजी लगा रहे..
धूप और चौराहे पर खड़े.. पग -पग पर हमारी सुरक्षा करते..
देश- विदेश ने सीखा भारत से, समय रहते सावधानी बरतें..
देश बचाए ,जान बचाए डॉक्टर्स , पुलिस विभाग
इस समय मानव जीवन की रक्षा को मानव नहीं देव तुल्य हैं...
उनकी बातों को मानो.. नियमों का पालन करके
उनका तुम सम्मान करो.. उनकी राह को तुम ना रोको..
घर में रहकर उनका साथ दो.. कोविड-19 को फैलने से रोको..
जान बचाओ ,देश बचाओ।

टेक ज्ञान-

Redmi 10x ने लॉन्च से पहले तोड़े सारे रेकॉर्ड

नई दिल्ली। शाओमी की ओर से 26 मई को नया स्मार्टफोन Redmi 10X लॉन्च किए जाने की तैयारी है और इसने लॉन्च से पहले ही नया रेकॉर्ड बनाया है। Redmi 10X दरअसल नए Mediatek Dimensit4 820 चिपसेट के साथ लॉन्च होने जा रहा पहला स्मार्टफोन है।

लॉक डाउन चार अर्थात् संभलकर आगे बढ़ने का वक्त

राजेश माहेश्वरी

> बहरहाल लॉकडाउन का उद्देश्य कभी यह नहीं था कि इससे कोरोना देश से खत्म हो जाएगा। लॉकडाउन का मकसद था कि संक्रमण की चेन टूटनी चाहिए, लेकिन यह चेन अब भी नहीं टूटी है, लिहाजा प्रख्यात चिकित्सकों की नसीहत है कि जहां तक संभव हो, घर पर ही रहें। यदि बाहर निकलना मजबूरी ही है, तो मास्क, एक मीटर की दूरी और बार-बार हाथ धोते रहना आदि को मंत्र की तरह याद रखें। वैसे भी सरकार ने सार्वजनिक स्थान पर मास्क न पहनने को दंडित करने का फैसला लिया है। लोगों को स्वयं अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। बहरहाल, पहले तीन लॉकडाउन के दौरान सरकार को इतना मौका तो मिला कि उसने कोरोना वायरस से लड़ने के लिए एक तंत्र विकसित कर लिया है। यदि आपदा अपना आकार बढ़ाती है तो हम उसका मुकाबला करने की स्थिति में आ गये हैं।

केन्द्र सरकार पर लॉकडाउन खोलने का भारी दवाब हर क्षेत्र से था, लेकिन सरकार ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की सलाह और दिशानिर्देशों को तरजीह दी। डब्ल्यूएचओ ने बीते दिनों ही विश्व बिरादरी को चेताया था कि कोरोना वायरस हमारे बीच स्थायी तौर पर उपस्थित रहेगा। और बाकी के विभिन्न वायरसों की भांति हम इससे भी लड़ना हम सीख जाएंगे। ऐसे में लॉकडाउन में ढील देना या उसे खोलना अभी ठीक नहीं होगा, उसके नतीजे बेहद खतरनाक और दुखदायी हो सकते हैं। शायद डब्ल्यूएचओ की इसी चेतावनी के मद्देनजर ही भारत सरकार ने 31 मई तक लॉकडाउन जारी रखने का फैसला लिया है। लॉक डाउन का चैथा चरण शुरू हो चुका है। केन्द्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत राज्यों सरकारों ने भी गाइडलाइन जारी कर दी है। सरकार ने भले ही लॉकडाउन के इस संस्करण में छूट का दायरा बढ़ाया है, लेकिन छूट के चलते हम सबकी जिम्मेदारी और बढ़ गई है, ये समझना होगा।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। आंकड़ा एक लाख को पार कर चुका है। हां इस विपरीत वातावारण में तीन हजार के करीब मौतों के बाद भी 38 फीसदी अर्थात 36 हजार मरीजों का स्वस्थ हो जाना आशा जगाने वाला है। ठीक होकर घर लौटने वालों का आंकड़ा निरंतर बढने से स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति विश्वास जागा है और अब लोग जाँच करवाने से भी नहीं डर रहे। असल में कोरोना का खौफ इस कदर हावी हो गया था कि शुरूआती दौर में लोग जांच करवाने से ही डरते थे। लोगों का लगता था कि अगर वो संक्रमित होंगे तो पता नहीं वो ठीक भी हो पाएंगे या नहीं। चूंकि अब देश में संक्रमितो के साथ ही साथ ठीक होने वालों का आंकड़ा भी तेजी से बढ़ रहा है, ऐसे में लोगों में नयी आशा का संचार हुआ है। अब वो सरकार और स्थानीय प्रशासन का खुलकर सहयोग करने लगे हैं। गांवों में लौटे प्रवासी कामगार स्वयं ही गांव के बाहरी सीमा में एकांतवास कर रहे हैं। अब लोग बीमारी छुपाने की बजाय बताने में परहेज नहीं कर रहे हैं। इसके चलते संक्रमण के प्रसारण में प्रभावी रोक लगेगी। बीते तकरीबन दो माह में जनता और शासन-प्रशासन कोरोना के साथ रहना सीख गये हैं। हालांकि अब भी लापरवाही कम नहीं है लेकिन जनजीवन को और लम्बे समय तक रोककर नहीं रखा जा सकता।

नये दिशा-निर्देशों में अधिकतर राज्य सरकारों व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ाने की दिशा में कदम उठाए हैं। किराना, दवाइयां, पेट्रोल, दूध, सब्जी-फल आदि की सप्लाई होते रहने से भले ही लॉक डाउन के बावजूद जीवन चलता रहा लेकिन बाकी व्यवसायी इस दौरान आर्थिक संकट में फंसकर रह गये। अब सरकार ने अन्य सेवाओं और व्यापार

से जुड़े प्रतिष्ठानों को खोलने की कार्ययोजना बना दी है। इसी तरह सायकिल और ऑटो रिक्शा जैसे परिवहन भी शुरू हों। बाजार खुलने से उन मजदूरों को लाभ मिलेगा जो माल लाने ले जाने का काम करते हैं। अनाज मंडी बंद रहने से वहां कार्यरत हम्मालों का रोजगार चला गया। कहने का आश्य ये है कि बाजार से केवल दुकानदार, उसके कर्मचारी और ग्राहक ही नहीं बल्कि एक लम्बी श्रृंखला आपस में जुड़ी होती है। दो महीने के अंतराल के बाद व्यवसाय को गति पकड़ने में समय लगेगा। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले दिनों में हालात सामान्य दिशा की ओर बढ़ेंगे।

इन सबके बीच प्रवासी श्रमिकों का अपने घर और गांव लौटना लगातार जारी है। मई के अन्त तक लगभग सभी श्रमिक अपने ठिकानों पर पहुंच जाएंगे। इसके बाद यह देखना अहम होगा कि मरीजों की संख्या बढ़ती है या घटती है। क्योंकि अगर ये सिलसिला इसी तरह जारी रहा तब तो फिर जैसा एम्स दिल्ली के डायरेक्टर ने आशंका जताई कि कोरोना का सर्वोच्च जून और जुलाई में आयेगा। और उस स्थिति में लॉक डाउन में की जाने वाली छूट वापिस भी की जा सकती है। ये सब देखते हुए जहां भी छूट मिलती है वहां के सभी लोगों को शारीरिक दूरी के साथ ही दूसरी जरूरी सावधानियां रखनी होंगी क्योंकि एक की गलती पूरे शहर को भारी पड़े बिना नहीं रहेगी।

सरकार ने देश की आर्थिक व्यवस्था की चिंता करते हुए और लोगों की रोजी-रोटी के साधनों तक पहुंच बनाने के लिए लॉकडाउन में कुछ ढील देते हुए सरकारी और प्राइवेट सेक्टर के ऑफिस खोलने की मंजूरी दे दी है। अब कोरोना के खतरनाक माहौल में कर्मचारियों को ऑफिस में कोरोना का डर बना रहेगा, लेकिन इससे बचने के तौर-तरीकों तथा सरकार और प्रशासन के इसके प्रति नियमों का पालन किया जाए तो फिर डरने की जरूरत नहीं है। मास्क और ग्लव्ज का प्रयोग भी उचित तरीकों से करना होगा। सोशल डिस्टेंसिंग का भी गंभीरता से पालन होना चाहिए। उद्योगों और कारोबारियों को चाहिए कि वे अपने यहां कोविड-19 से बचने के पुख्ता इंतजाम करते हुए अपना कारोबार चलाएं। ऐसा करके देश को भारी आर्थिक नुकसान होने से भी बचाया जा सकता है। वास्तव में हम एक ऐसे अदृश्य दुश्मन से लड़े हैं, जिससे लड़ने के तौर-तरीकों से हम वाकिफनहीं थे। हमारे पास चिकित्सा सुविधाएं पर्याप्त नहीं थीं। यहां तक कि जांच के लिए पर्याप्त लैब तक नहीं थी। अब तक सरकारी व निजी लैबों ने बीस लाख टेस्ट का लक्ष्य पूरा कर लिया है। महत्वपूर्ण यह है कि यह लक्ष्य हमने मई के अंत तक हासिल करना था, जिसे कोरोना योद्धाओं के अथक प्रयासों से दो सप्ताह पहले हासिल कर लिया है। फिर भी कड़वा सत्य है कि एक अरब तीस करोड़ भारतीयों के देश में जांच की गति काफी धीमी है।

दरअसल दो माह की देशबंदी ने समाज के हर वर्ग की मुसीबतें बढ़ाने का काम किया है। विशेष रूप से मध्यम और निम्न आय वर्ग के हालात ठीक नहीं हैं। वहीं सभी गतिविधियां ठप होने से एक भय का माहौल सबके मन में बैठ गया है। परिवार के साथ बाहर जाना खतरे से खाली होने से घर की चहारदीवारी के भीतर कैद रहना मजबूरी बन गयी है। इस तरह लॉक डाउन का चैथा चरण भी एक तरह की परीक्षा ही है। ये तय मान लीजिए कि लॉकडाउन के चैथे चरण की परीक्षा में अगर हम लोग पास नहीं सके तो लॉकडाउन की समय सीमा भी बढ़ती जाएगी। वास्तव में कोरोना के फैलाव को रोकना अभी भी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। शारीरिक दूरी, मास्क और हाथ धोने जैसी चीजों के प्रति लोग जागरूक हुए हैं लेकिन अभी भी एक वर्ग ऐसा है जिसे नियमों का पालन करने में अपमान महसूस होता हैं।

कोराना संकट से मध्यप्रदेश का बुरा हाल

एल एस हरदेनिया

> गांधी मेडिकल कॉलेज के एक अधिकारी के अनुसार, सकारात्मक परीक्षण करने वाले 18 लोग वंदे भारत मिशन के हिस्से के रूप में अंतरराष्ट्रीय रिटर्न हैं। कुल मिलाकर, 234 लोग ऐसे थे, जो गुरुवार को भारत लौटे और राज्य की राजधानी के बाहरी इलाके बैरागढ़ में कोरोना केंद्र की सुविधा से अलग हो गए। सभी का परीक्षण कोविड -19 के लिए किया गया था। कुछ नमूना परीक्षण के परिणाम अभी भी लंबित हैं। नकारात्मक परीक्षण करने वाले भी 14 दिनों के लिए संगरोध में होंगे। सकारात्मक परीक्षण करने वाले 18 लोगों में से छह की हालत गंभीर है।

मध्य प्रदेश में देश भर से प्रवासी मजदूरों को अपने घरों में वापस जाने का खामियाजा भुगतना पड़ता है। यह अतिरिक्त समस्या राज्य की भौगोलिक स्थिति के कारण हो रही है। प्रवासी मजदूरों को महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और दक्षिणी राज्यों से और यूपी, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल जाने के लिए मध्य प्रदेश से गुजरना पड़ता है। विभिन्न राज्यों की राज्य सरकारें मध्य प्रदेश की सीमा पर मजदूरों को छोड़ देती हैं। कई मामलों में मप्र सरकार को अपनी आगे की यात्रा के लिए व्यवस्था करनी पड़ती है। कई स्थानों पर देरी और अन्य समस्याओं के कारण वे कानून और व्यवस्था की समस्या पैदा करते हैं। ऐसी समस्याओं से बचने के लिए जो कई मामलों में पुलिस के साथ झड़पों में परिणत होती हैं।

मुख्यमंत्री चैहान ने महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, कर्नाटक, तेलंगाना, झारखंड और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखे हैं। चैहान ने मध्य प्रदेश से गुजरने वाले मजदूरों के बारे में अन्य राज्यों से ब्योरा मांगा है। उन्होंने कहा कि यदि समय पर सूचना उपलब्ध है तो उनकी आगे की यात्रा और भोजन की पर्याप्त व्यवस्था की जा सकती है। अपने पत्रों में, चैहान ने सीएम को लिखा है कि चूंकि सांसद को यह पता नहीं है कि दूसरे राज्यों से कितने मजदूर राज्य की सीमाओं पर पहुंच रहे हैं और कभी-कभी रसद उपलब्ध करना मुश्किल हो जाता है। चैहान ने पत्र में कहा कि भोजन, वाहन और दवाओं की निःशुल्क व्यवस्था मप्र सरकार द्वारा की जाती है। मजदूरों की आवाजाही के बारे में पहले से जानकारी न होने के कारण, कई बार व्यवस्था गड़बड़ा जाती है जब बड़ी संख्या में मजदूर आते हैं और दहशत के कारण कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा करते हैं और मजदूरों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

पत्र में, चैहान ने कहा है कि कोरोना से निपटने के लिए घोषित राष्ट्रव्यापी तालाबंदी के दौरान, विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर अपने-अपने राज्यों के लिए रवाना हो रहे हैं। मप्र की भौगोलिक स्थिति देश के मध्य में होने के

कारण उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, झारखंड और कई राज्यों से विभिन्न राज्यों में जाने वाले मजदूर मप्र को पार कर रहे हैं। मप्र सरकार अपनी सीमा में आने वाले इन प्रवासी मजदूरों को मुफ्त में वाहन, भोजन, दवाइयाँ उपलब्ध करवा रही है, इसके अलावा पैदल चलने वालों को बस सुविधा प्रदान करने और सीमाओं पर रोकने की सुविधा उपलब्ध करा रही है। मप्र की सीमा से दूसरे राज्यों की सीमा तक दूसरे राज्यों के मजदूरों को फेरी लगाने के लिए लगभग एक हजार बसें तैनात की गई हैं।

इस बीच इंदौर और भोपाल राज्य सरकार के लिए चिंता का कारण बने हुए हैं। राज्य की राजधानी में शनिवार को कोवॉड -19 टैली 1,000 का आंकड़ा पार कर गया। शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के कार्यालय से नए मामलों की रिपोर्टिंग के माध्यम से टैली 954 जा रही थी। भोपाल में शनिवार को 46 सकारात्मक मामले सामने आए। शनिवार को यहां कोविद -19 से मुक्त होने के बाद चार मरीजों को एम्स भोपाल से छुट्टी दे दी गई। जहांगीराबाद में 16 नए मामले दर्ज किए गए, जबकि जाटखेड़ी में तीन मामले, को-ए-फिज़ा में 10 और श्यामला हिल्स में चार मामले थे। भोपाल में कोविद -19 का पहला मामला 22 मार्च को दर्ज किया गया था।

गांधी मेडिकल कॉलेज के एक अधिकारी के अनुसार, सकारात्मक परीक्षण करने वाले 18 लोग वंदे भारत मिशन के हिस्से के रूप में अंतरराष्ट्रीय रिटर्न हैं। कुल मिलाकर, 234 लोग ऐसे थे, जो गुरुवार को भारत लौटे और राज्य की राजधानी के बाहरी इलाके बैरागढ़ में कोरोना केंद्र की सुविधा से अलग हो गए। सभी का परीक्षण कोविड -19 के लिए किया गया था। कुछ नमूना परीक्षण के परिणाम अभी भी लंबित हैं। नकारात्मक परीक्षण करने वाले भी 14 दिनों के लिए संगरोध में होंगे।

सकारात्मक परीक्षण करने वाले 18 लोगों में से छह की हालत गंभीर है। सकारात्मक परीक्षण करने वाला केवल एक व्यक्ति मध्य प्रदेश का है। सकारात्मक परीक्षण करने वालों में 35 से 50 वर्ष के बीच की तीन महिलाएँ शामिल हैं। वे केरल, तेलंगाना और गोवा से हैं। अन्य उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और पंजाब के पुरुष हैं। इंदौर ने शनिवार को एक और गंभीर मील का पत्थर पार किया - यह उसकी 100 वीं मृत्यु दर्ज की गई। 25 मार्च को, इंदौर में इसके पहले चार कोरोना मामले थे, और अब यह 2,500 है। - **(संवाद)**

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

लॉकडाउन के दौरान

लॉकडाउन के दौरान श्रमिकों को उनके गृह प्रदेश पहुँचाने के लिए हर ज़िले से ट्रेनों की व्यवस्था की गयी है। मगर कांग्रेस महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे प्रदेशों से लोगों को बस और ट्रक में भर, यूपी और बिहार के बॉर्डर पर छोड़ रही है ताकि अव्यवस्था फैले और श्रमिकों के नाम पर राजनीति कर सके।

- कुमार संतोष

एक स्त्री

एक स्त्री जितनी शिद्दत से प्रेम करती है... भरोसा टूटने पर बार बार उसके आत्मसम्मान और स्वाभिमान पर चोट लगने पर.......... . वह ठ्ठ उतनी ही शिद्दत से नफरत करती है प्रतिशोध लेती है..... फिर चाहे........ उसकी खुद की जिंदगी बर्बाद ही क्यों न हो जाये..।

- अर्चना खण्डेलवाल

खास पाती | तुम कहो तो जहां लुटा दें हम

तुम कहो तो जहां लुटा दें हम जां, जिगर से ज़ियादा क्या दें हम डर लगे है उड़ानों से अगर इस ज़मीं पर ही घर बना दें हम रब के आगे किये हैं सजदे बहुत क्यूँ कहीं और सिर झुका दें हम प्यार करना गुनाह गर है, तो बोलिए ख़ुद को क्या सज़ा दें हम आँखों को चुभ रहे उजाले अगर क्या चराग़ों को ही बुझा दें हम तुम बनाओ हमें निशाना और ख़्वाब में भी तुम्हें दुआ दें हम एक मौक़ा हमें अगर दो अधीर सारे शिकवे तेरे मिटा दें हम।

- सुरेश पंसारी

छिनी रोजी यहां जिनकी दिलाने की

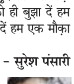

छिनी रोजी यहां जिनकी, दिलाने की जरूरत है। दुखी हो चल दिये जो घर,बुलाने की जरूरत है। उफ़छाले पाँव के उनके गवाही दे रहे दुख के, तड़पते भूख से हैं जब तो खाने की जरूरत है। उड़ी है नींद आखों से ,है फीका रंग चेहरे का, गिरे राहों मे जो बच्चे ,उठाने की जरूरत है। सुना है दान फंडों का जरूरत मे हो तुम देते, करो कुछ दान दान दान,अब पाने की जरूरत है। **- रानी इन्दु**

दर्द खुद के पैरों में होने लगा

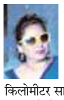

दर्द खुद के पैरों में होने लगा है नींद में छुप छुप कर ये मन रोने लगा है विकास की ऊँचाइयाँ इतनी इतनी चढ़े हैं हम सब कि अब हर बिवाई से ही रिसाव होने लगा है किलोमीटर साहब तुम जानो हमने तो बस भूक ही जानी है कल भी चल कर आये थे यहाँ, आज भी चल कर जा रहे रोटी का गोल चक्कर गोल गोल घुमाता है हमें कभी गाँव कभी शहर भटकाता है हमें अब बस चलना है अनथक जब तक भूक न मिटे या मिट जाएँ न हम।

- शुचि 'भवि'

मजदूरों की व्यथा ने मोदी जी की

मजदूरों की व्यथा ने मोदी जी की तमाम कथा कृति पर पानी फेर दिया है , चाहे मजदूरों के लिए भोजन के इंतजाम की बात हो या उनको रोक कर रखने का निर्णय और उस बावत सरकारी इंतजाम, सब के सब ढाक के तीन पात , मोदी सरकार का बेहद अदूरदर्शी फैसला जिसने मजदूरों और उनके परिवार का भी जीवन संकट में डाल दिया है।

- अमित अम्बष्टा

भान किसको है यहां अब क्या सही

भान किसको है यहां अब क्या सही है क्या ग़लत है? व्यर्थ की मन में विकलता अनकही है अनवरत है। हम जिन्हें सुनने की खातिर सारे बंधन तोड़ आए, ज्ञात फिर हमको हुआ के आज उनका मौन व्रत है।

- इति शिवहरे

कोरोना के कहर ने हालात कुछ

कोरोना के कहर ने हालात कुछ ऐसे कर दिए सब को अपनी अपनी जगह पर मजबुर कर दिए सोचा नहीं था ऐसा भी वक्त आएगा सब फुर्सत में होंगे पर मिल नहीं पाएंगे ये वक्त भी गुजर जाएगा फिर से बाहर लायेगा।

- नासीर नासीर भाई

न आसमां होता तो ये सूरज न होता

न आसमां होता तो ये सूरज न होता.. न वृक्ष होते तो बारिश न होता... बारिश न होता तो ये जलाशय भी न होते... जलाशय न होते तो ये आईना भी न होता... जिसमे... पशु,पक्षी,पेड़ पौधे,चाँद सूरज।

-शत्रुंजय तिवारी

QUIZ TIME

1) बुद्वि का वैज्ञानिक मापन सर्वप्रथम किसने प्रारम्भ किया?

2) किस प्रकार के कपड़े का निर्माण पेट्रोलियम उत्पाद से होता है?

3) हरे पौधों को कुल कितने पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है? (10 / 15)

4) पोलो खेल में मैदान की लम्बाई व चैड़ाई कितनी होती है?

5) किस खेल से संबंधित है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) बिने (2) नाइलॉन (3) 15 (4) 270 मीटर × 180 मीटर (5) एयर हॉकी

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1498: भारत के समुद्र मार्ग की खोज के बाद पुर्तगाली नाविक वास्को ड गामा, कालीकट (अब कोझिकोड) तक पहुंच गया। 1873: सैन फ्रांसिस्को के बिजनेसमैन लेवी स्ट्रॉस और दर्जी जेकब डेविस को इसी दिन दुनिया की पहली जीन्स बनाने का पेटेंट दिया गया। 1900: हिंदी जगत की प्रसिद्ध कवि सुमित्रानंदन पंत का जन्म हुआ। 1918: 1947 के भारत पाक-युद्ध में अहम भूमिका निभाने वाले भारतीय सेना के वीर सैनिक पीरू सिंह का जन्म हुआ था। 1929: स्वतंत्रता सेनानी एवं चंपारण सत्याग्रह के प्रमुख आंदोलनकारियों में से एक राजकुमार शुक्ल का निधन हुआ। 1932: भारत में गरम दल के नेता एवं क्रांतिकारी विचारों के जनक विपिन चन्द्र पाल का निधन।

न्यूज गैलरी

श्रमिकों को बांटे भोजन पैकेट

दुर्ग। दूसरे राज्यों में फंसे हजारों श्रमिक हर दिन अपने.अपने राज्य लौट रहे हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जगह जगह परेशान भूखे.प्यासे श्रमिकों के लिए भोजन, पानी की व्यवस्था की जा रही है। बायपास टोल प्लाजा के पास श्रमिक सेवा केंद्र में जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से हजारों श्रमिकों को भोजन के पैकेट बांटे जा रहे हैं। भोजन व्यवस्था में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों व अन्य दल के पदाधिकारी भी सहयोग दे रहे हैं। आज तक लगभग एक लाख श्रमिकों को भोजन के पैकेट का वितरण किया जा चुका है।

जिला प्रशासन की प्रभारी मंत्री ने थपथपाई पीठ

कहा संक्रमण की रोकथाम और जरूरतमंदों की मदद के लिए शानदार कार्य

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। वीडियो कांफ्रेंसिंग से हुई विभागीय समीक्षा बैठक में जिले के प्रभारी मंत्री एवं वन, पर्यावरण तथा परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कोरोना संक्रमण को थामने को लेकर जिला प्रशासन द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की। मंत्री ने कहा कि पूरे समय वे स्थिति पर नजर रखे हुए थे और दुर्ग प्रशासन का कोरोना को लेकर रिस्पांस शानदार रहा। कलेक्टर ने बताया कि कोरोना के संक्रमण को रोकने बाहर से आए श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जा रहा है। रैपिड किट के माध्यम से शत प्रतिशत प्रवासियों का तथा थ्री नाट पद्धति से लगभग 40 प्रतिशत लोगों के सैंपल की जांच की। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में क्वारंटीन किए लोगों की लगातार निगरानी की जा रही है तथा क्वारंटीन केंद्रों में जरूरी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। दूसरे जिलों में जा रहे लोगों को छोड़ने के लिए बसें लगाई गई हैं। भविष्य में संकट की आशंका को देखते हुए कोविड हास्पिटल जिले में तैयार कर लिया गया है। यहां 15 आईसीयू बेड हैं और इसके अलावा 169 बेड हैं। पीपीईए एन 95 मास्क, ट्रिपल लेयर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। कलेक्टर ने बताया कि डेंगू की रोकथाम के लिए तीन महत्वपूर्ण कदम उठाये गए हैं। इसमें 90 प्रतिशत घरों में टैमीफास बांटा जा चुका है। 30 प्रतिशत बीएसपी क्षेत्र में भी इसका वितरण हो चुका है। खाली प्लाट को 90 प्रतिशत तक कवर कर लिया गया है। साथ ही सर्विलिएंस का काम भी निरंतर जारी है। बैठक में एसएसपी अजय यादव, कमिश्नर ऋतुराज रघुवंशी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एनजीजीबी की समीक्षा

मंत्री ने नरवा, गरूवा, घुरूवा, बाड़ी योजना की समीक्षा की। जिला पंचायत सीईओ कुंदन ने बताया कि अब तक 153 गौठानों में निर्माण कार्य पूरा हो गया है। नरवा के अंतर्गत 29 नालों में 871 मनरेगा कार्य स्वीकृत किए गए हैं। चारागाहों के विकास के लिए 119 चारागारों को चिन्हांकित किया गया है।

खंडहर में नाबालिग से दो दिन तक दुष्कर्म

आरोपी के तीन दोस्त करते रहे पहरेदारी

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र स्थित एक खंडहर में नाबालिग से दो दिन तक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। मुख्य आरोपी पीड़िता की जान.पहचान वाला ही है। मामले में तीन अन्य आरोपियों को भी कस्टडी में लिया गया है। चारों आरोपी नाबालिग हैं। इस मामले में कुम्हारी के टीआई आशीष यादव ने बताया कि मुख्य आरोपी ने 16 मई की रात को अपने तीन साथियों को पीड़िता के घर भेजा था। पीड़िता से कहा गया कि उसका एक वीडियो मुख्य आरोपी के पास जिसे देखने के लिए उसे मुख्य आरोपी ने खंडहर में बुलाया है। नाबालिग लड़की वीडियो देखने के लिए तीनों के साथ खंडहर चली गई। इसके बाद मुख्य आरोपी नाबालिग लड़की के साथ दो दिन तक दुष्कर्म करता रहा। हालांकि पुलिस ने यह भी बताया कि संबंधित वीडियो में आपत्तिजनक कुछ नहीं था।

आरोपियों को भेजा जा सकता है किशोर गृह

नाबालिग लड़की ने घर पहुंचकर अपनी आपबीती बताई, जिसके बाद परिजन ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई और 18 मई को मामले का पर्दाफाश हुआ। पुलिस ने एक मुख्य आरोपी व तीन सह आरोपियों के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है। सभी को कोर्ट में पेश किया जाएगा। टीआई यादव ने बताया कि इन आरोपियों को किशोर गृह भेजा जा सकता है।

पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने कवायद

जल प्रदाय के लिए बिछाई जा रही है डिस्ट्रीब्यूशन पाइपलाइन

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। नगर पालिक निगम क्षेत्रांतर्गत अमृत मिशन फेस टू के तहत राधिका नगर स्लाटर हाउस के पास पानी टंकी का निर्माण किया गया है घरों तक पानी पहुंचाने के लिए इस टंकी से वितरण पाइपलाइन बिछाई जा रही है ताकि पर्याप्त पेयजल क्षेत्रवासियों को मिल सके। महापौर एवं विधायक देवेंद्र यादव तथा आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी ने पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए है जिसके तारतम्य में अधिकारियों द्वारा शुद्ध पेयजल प्रदाय करने कार्य किया जा रहा है। कार्यपालन अभियंता संजय शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि राधिका नगर के समीप के क्षेत्रों को जल प्रदाय करने के लिए ओवरहेड टैंक का निर्माण किया गया है तथा वितरण पाइपलाइन लगभग 32०06 किलोमीटर तक बिछाई जा चुकी है केवल दो.तीन किलोमीटर ही बिछाया जाना शेष है जिसका कार्य प्रगति पर है। वितरण पाइपलाइन बिछाने के पश्चात पाइप के गंदगी को बाहर निकालने तथा नलों में किसी भी प्रकार की कचरा नहीं फंसने देने के लिए इसकी सफाई की जाएगी। राधिका नगर पानी टंकी से समीप आदि क्षेत्र को पानी दिया जाएगा जिसमें वार्ड 4 एवं 5 सम्मिलित है। पाइपलाइन वितरण की कनेक्टिविटी करने के लिए गड्ढा खोदकर इंटरकनेक्शन कार्य किया जा रहा है अब तक 10 जगह पर यह कार्य पूर्ण हो गया है 1 दिनों में तीन स्थलों पर यह कार्य किया जाता है।

सबस्टेशन हेतु अतिरिक्त बे का निर्माण

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। विद्युत कंपनी द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिहाज से पाटन क्षेत्र में बेहतर विद्युत तंत्र के लिए 33 केव्ही की नई लाइन बिछाई गई है। इसके लिए 132 केव्ही पाटन उपकेंद्र में 35.30 लाख की लागत से अतिरिक्त 33 केव्ही बे का निर्माण किया जा रहा है। इस बे के माध्यम से सेलूद क्षेत्र के लिए सेपरेट 33 केव्ही के माध्यम से विद्युत सप्लाई की जा सकेगी। उतई सबडिविजन के सहायक अभियंता राजेन्द्र चन्द्राकर ने बताया कि पहले सेलूद में बिजली की सप्लाई रुआबांधा से उतई होकर आती थी। चूंकि सेलूद स्टोन क्रषर एरिया है, वहां वोल्टेज समस्या की शिकायत बहुत आ रही थी। अब सेपरेट फीडर मिल जाने से ब्रेकडाउन, ट्रीपिंग एवं लो वोल्टेज की समस्या खत्म हो जाएगी। सेपरेट फीडर मिल जाने से सेलूद सबस्टेशन के 09 गांवों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा। सेलूद के लिए सेपरेट फीडर तैयार होने से गाड़ाडीह एवं मचांदुर सबस्टेशन जुड़ जाएगा। वहां ब्रेकडाउन की समस्या आने पर फीडर परिवर्तित कर सेलूद फीडर से जोड़ा जा सकेगा। छग स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यपालक निदेशक संजय पटेल ने कहा कि विभाग द्वारा लो.वोल्टेज वाले क्षेत्रों को चिन्हांकित कर वहां के तकनीकी समस्याओं को दुरुस्त करने का प्रयास किया जा रहा है जिससे इन क्षेत्रों को गुणवत्तापूर्ण बिजली की आपूर्ति हो रही है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने दिए 100 पैकेट अनाज

दुर्ग (नवप्रदेश)। बैंक ऑफ बड़ौदा क्षेत्रीय प्रबंधक डा. आरके मोहंती द्वारा महापौर धीरज बाकलीवाल को निगम के कोरोनाकाल में प्रभावित परिवारों के लिए 500 किलो अनाज का 100 पैकेट सौंपे। उन्होनें कहा कोरोना काल में गरीब मजदूरों को सहयोग करने की दिशा में बैंक की ओर से मदद की जा रही है। इस दौरान एमआईसी प्रभारी अब्दुल गनी, मनदीप सिंह भाटिया, पूर्व पार्षद राजकुमार वर्मा, मनीष यादव तथा बैंक के अधिकारी और निगम के कर्मचारी उपस्थित थे। कोरोना काल में निगम की ओर से महापौर व आयुक्त द्वारा शहर के अनेक सामाजिक संगठनों से गरीब परिवारों का सहयोग की अपील की थी।

भिलाई निगम कचरा मुक्त शहरों में हुआ शामिल, मिली 3 स्टार रेटिंग

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। स्वच्छता के मापदंडों पर खरा उतरने के लिए नगर पालिक निगम महापौर देवेंद्र यादव एवं आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी के कुशल मार्गदर्शन में स्वच्छता के निचले स्तर के कर्मचारियों से लेकर सभी अधिकारियों ने कड़ी मेहनत की और शहर की जागरूकता जनता ने कचरा मुक्त शहरों में नगर को आखिर सम्मिलित करा ही दिया तथा 3 स्टार रेटिंग प्राप्त किया है। वर्ष 2019 में पूरे देश में 11 वां रैंक प्राप्त करने का गौरव हासिल हुआ था। शहर की जनता स्वच्छता के प्रति जागरूक है तभी भिलाई कचरा मुक्त शहर में शामिल हो सका है। स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर ने कचरा मुक्त शहर के मामले में 3 स्टार रेटिंग प्राप्त की है।

महापौर यादव ने कहा कि जनता हमेशा स्वच्छता के प्रति जागरूक है, कचरा मुक्त शहर में शामिल होने में लोगों अपनी पूर्ण सहभागिता दिखाई है, संपूर्ण विश्वास है कि शहर स्वच्छता में देश में प्रथम पायदान पर आएगा। स्टार रेटिंग पर किया था फोकस स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत निगम प्रशासन ने स्टार रेटिंग एवं वाटर प्लस पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया था, ताकि स्वच्छ सर्वेक्षण के मापदंडों के अनुरूप सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक अंक प्राप्त किया जा सके। नालियों में कचरा रोकने व सीधे जल स्रोतों में कचरा न मिले इसके लिए जालियां लगाने का कार्य किया।

नगर में गाइड लाइन की उड़ी धज्जियां

रिसाली (नवप्रदेश)। कोविड.19 के रोकथाम के मध्य लॉकडाउन 4 लागू होने के पश्चात् परिस्थितियों के हिसाब से व्यवसायिक गतिविधियों में छूट मिल जाने तथा छग प्रवेश द्वारा बागनदी बॉडर में प्रवासी श्रमिकों की अनपेक्षित भीड़ के मद्देनजर कोरोना वायरस के संभाव्य प्रसार को दृष्टिगत रखते हुए निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे के निर्देश पर सोमवार को पुनः निगम की उडनदस्ता टीम द्वारा निगम के सभी वार्डों का सघन निरीक्षण एवं परीक्षण किया गया। क्षेत्रांतर्गत सभी दुकानों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों, चौक चौराहों एवं बाजारों में भीड़ नजर आई सामाजिक दूरी को लेकर गाईड लाईन की धज्जियां उड़ती देखी गई।

संघ ने कलेक्टर से की शिकायत

ठेकेदार की मनमानी से ट्रक मालिकों का हित प्रभावित

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। ट्रक मालिक संघ अपने नियमों का उल्लंघन होने से सख्त नाराज है। संघ का आरोप है कि ठेकेदार व ट्रक मालिक अमर सिंह यादव चांवल परिवहन मामले में मनमानी करने पर उतर आया है। वह स्वयं के ट्रकों से चांवल का परिवहन कर संघ के नियम.कानूनों को दरकिनार कर रहा है। जबकि ठेकेदार से सहमति लेने के बाद ही संघ द्वारा ट्रकों का भाड़ा तय किया जाता है। इस मनमानी से संघ से जुड़े ट्रक मालिकों का हित मारा जा रहा है। जिससे ट्रक मालिक संघ में तनाव का माहौल है। ऐसी मनमानी पूर्व में बड़े विवाद का कारण भी बन चुकी है। फलस्वरुप शांति व सद्भावना कायम रखने संघ ने अमर सिंह यादव के मनमानी के खिलाफ जिला प्रशासन से उचित कार्यवाही करने की मांग की है। इस संबंध में संघ द्वारा जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, सीएसपी, जिला खाद्य नियंत्रक, अंजोरा पुलिस थाना प्रभारी, छग स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन लिमिटेड के जिला प्रबंधक को ज्ञापन सौंपकर स्थिति परिस्थितियों से भी अवगत कराया गया है। संघ के अध्यक्ष गुरदीप सिंह ने जिला प्रशासन को सौंपे अपने शिकायत में कहा है कि संघ पिछले 30 से 40 वर्षो से एफसीआई और एसडब्ल्यूसी के गोदामों से चांवल परिवहन करते आ रहा है। जिससे करीब 1 हजार परिवार की रोजी रोटी चलती है। परिवहन भाड़ा के लिए संघ द्वारा समय समय पर रेट लिस्ट जारी करते है। इस वर्ष ठेकेदार व ट्रक मालिक अमर सिंह यादव द्वारा संघ से रेट लिस्ट लेकर टेंडर भरा और मिल जाने पर स्वयं की ट्रकों से परिवहन कर रहा है।

फॉगिंग कार्य जारी

भिलाईनगर। निगम के स्वच्छता कर्मचारी वार्ड क्षेत्रों के सकरी गली मोहल्लों में हैंड स्प्रे से फॉगिंग कार्य में जुटे हुए हैं तथा बड़े क्षेत्रों में व्हीकल माउंटेन से फागिंग कर रहे हैं ताकि मच्छरों का उन्मूलन किया जा सके। डेंगू बीमारी से बचाव हेतु मच्छरों के प्रकोप के रोकथाम करने सभी वार्डों में लगातार फॉगिंग कार्य जारी है। निगम क्षेत्र के नालियों व जल जमाव वाले स्थानों में मलेरिया ऑयल व जला ऑयल का छिड़काव किया जा रहा है तथा निगम की टीम एवं मितानीनें घरों में जाकर सर्वे कर सलाह दे रही है। मच्छरों का खात्मा करने निगम प्रशासन प्रतिदिन शाम को हैन्ड स्प्रे व व्हीकल माउंटेन वाहन के माध्यम से धुआं छोड़कर फॉगिंग करा रही है।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
प्र.क्र.//अ-2/2019-20
एतद् द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती रीना सिंह पति श्री मानसिंह निवासी न्यू खुर्सीपार बिहारी कालोनी भिलाई जिला दुर्ग के द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम भिलाई 03 प.ह.न. 01 तहसील पाटन व जिला दुर्ग की स्थित भूमि खसरा नंबर 82/43 रकबा 0.011 हें. अर्थात 1200 वर्गफीट भूमि पर आवासीय मार्ग हेतु डायवर्सन किये जाने के लिये आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत् प्रस्तुत किया हैं।
अतः जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को उजर दावा आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से नियत दिनांक 05.06.2020 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकतें हैं। नियत दिनांक के पश्चात् प्राप्त आवेदन कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 18.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।
मुहर — अनुविभागीय अधिकारी पाटन जिला, दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
प्र.क्र.//अ-2/2019-20
एतद् द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक अशोक वतनानी पिता मुरलीधर निवासी नेहरु नगर भिलाई जिला दुर्ग के द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम भिलाई 03 प.ह.न. 01 तहसील पाटन व जिला दुर्ग की स्थित भूमि खसरा नंबर 89/25 रकबा 0.0160 हें. अर्थात 1700 वर्गफीट भूमि पर आवासीय मार्ग हेतु डायवर्सन किये जाने के लिये आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत् प्रस्तुत किया हैं।
अतः जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को उजर दावा आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से नियत दिनांक 05.06.2020 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकतें हैं। नियत दिनांक के पश्चात् प्राप्त आवेदन कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 18.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।
मुहर — अनुविभागीय अधिकारी पाटन जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र./889/अ-06/वर्ष 2019-20
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक उमाशंकर राठौर पिता स्व. वेदप्रसाद राठौर निवासी ग्राम शंकर नगर तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1266/146 रकबा 0.023 हे. भूमि जो कि आवेदक/ शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार शंकुतला देवी पति वेदप्रसाद की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 10.06.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।
आज दिनांक 14.05.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र./894/अ-06/वर्ष 2019-20
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दिनेश जायसवाल पिता श्री यादव राम जायसवाल निवासी ग्राम शिवपारा दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 736/43 रकबा 0.010 हे. भूमि को विक्रेता श्रीमती तुलसी साहू पति गैंदलाल साहू निवासी ग्राम शंकर नगर दुर्ग से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 06.02.2020 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 10.06.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।
आज दिनांक 15.05.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र./19/अ-27/वर्ष 2019-20
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जयपाल सिह ठाकुर अन्य 1 पिता स्व. दुर्गा सिंह ठाकुर निवासी ग्राम गोडपारा तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 134/3/4, 175/3, 209/5, 209/8, 209/12, 209/13, 228, 269/1, 293/1 रकबा 0.032, 0.198, 0.279, 0.158, 0.101, 0.150 हे. भूमि जो कि आवेदक एवं सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के आपसी मौखिक बटवारा के आधार पर खाता विभाजन किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 10.06.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।
आज दिनांक 14.04.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र./888/अ-06/वर्ष 2019-20
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती कनक कटरे पिता/ पति स्व. दिनेश कुमार कटरे निवासी ग्राम पुष्पक नगर तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम कातुलबोर्ड तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1/121 रकबा 0.022 हे. भूमि जो कि आवेदक/ शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार दिनेश कुमार कटरे आ. जी.डी. कटरे की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 11.06.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।
आज दिनांक 14.04.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्रं./386/अ-06/वर्ष 2019-20
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती जमुना बाई पति स्व. नंदकुमार साहू निवासी शंकर नगर डुण्डेरा भिलाई तह. व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम डुण्डेरा तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1184 रकबा 0.020 हे. जो कि नंदकुमार आ. अनरुद्ध के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि के भूमिस्वामी के मृत्यु दिनांक 09.01.2020 को हो जाने्प फौती दर्ज कर विधिक वारिसानों का नाम वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने बाबत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 29.05.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।
आज दिनांक 11.05.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — नायब तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
क्र./प्र.1 अति. तह./वर्ष 2019-20
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक लक्ष्मी सिन्हा आ. आनंदराम सिन्हा साकिन रामनगर भिलाई द्वारा ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 रा.नि.मं. दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 22/33 रकबा 0.003 हे. भू.रा. रुपए से संबंधित ऋण पुस्तिका गुम हो जाने के कारण द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्रदाय किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।
अतः उपरोक्त भूमि द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्रदाय किए किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 15.04.2020 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।
आज दिनांक ..2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।
मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2019-20
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक श्री शंभूनाथ आ. श्री शिवानंद प्रसाद साकिन मैत्रीनगर रिसाली द्वारा ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 रा.नि.मं. दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 748/2 रकबा 1208.33 वर्गफीट हे. को रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से एम. जोसफ आ. स्व. जोसफ से क्रय किया है कि नामांतरण किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।
अतः उपरोक्त भूमि को आवेदक के नाम पर नामांतरण किए किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 22.05.2020 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।
आज दिनांक 06.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।
मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2019-20
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक बैजनाथराम यादव आ. स्व. श्रीराम यादव साकिन रिसाली द्वारा ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 रा.नि.मं. दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 745/2 रकबा 2416.66 वर्गफीट हे. को रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से एम. जोसफ आ. स्व. जोसफ से क्रय किया है कि नामांतरण किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।
अतः उपरोक्त भूमि को आवेदक के नाम पर नामांतरण किए किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 22.05.2020 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।
आज दिनांक 06.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।
मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2019-20
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक प्रवीण कुमार जैन आ. निर्मल जैन साकिन प्रगति नगर रिसाली द्वारा ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 रा.नि.मं. दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 695/84 रकबा 5000 वर्गफीट हे. को रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से सुजाता चक्रवर्ती ध.प. स्व. तपन चक्रवर्ती से क्रय किया है कि नामांतरण किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।
अतः उपरोक्त भूमि को आवेदक के नाम पर नामांतरण किए किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 22.05.2020 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।
आज दिनांक 06.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।
मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र./881/अ-06/वर्ष 2019-20
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती लिली देशमुख पति चन्द्रभूषण देशमुख निवासी ग्राम शिक्षक नगर दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम पोटियाकला तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 146/139 रकबा 1500 वर्गफीट भूमि को विक्रेता श्रीमती मोहिनी लालवानी पति एचआर लालवानी अन्य 04 निवासी ग्राम रायपुर से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 19.03.2020 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 29.05.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।
आज दिनांक 14.05.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र./899/अ-06/वर्ष 2019-20
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक धनराज देवांगन पिता समारु लाल देवांगन निवासी ग्राम चंडी चौक दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 935/7 रकबा 0.008 हे. भूमि को विक्रेता श्रीमती चंदा बाई जैन पति नवीन कुमार जैन निवासी ग्राम गयानगर रोड दुर्ग से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 08.05.2020 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 09.06.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।
आज दिनांक 14.05.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र./841/अ-06/वर्ष 2019-20
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राकेश देवांगन पिता स्व. बसंत कुमार देवांगन निवासी ग्राम हनुमान नगर तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम कातुलबोर्ड तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 47/17 रकबा 0.014 हे. भूमि जो कि आवेदक/ शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार बसंत कुमार देवांगन आ. प्यारेलाल की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 28.05.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।
आज दिनांक 17.03.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2019-20
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती जन्त्री सेन पति कृष्णा सेन निवासी ग्राम बैगापारा दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1001/1 रकबा 0.249 हे. मे से 0.004 हे. भूमि को विक्रेता गयाप्रसाद वगै. पिता चंदूलाल पटेल निवासी ग्राम मरारपारा दुर्ग से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 11.05.2020 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 11.06.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।
आज दिनांक 14.05.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

पिथौरा विकासखंड में 486 क्वारेंटाईन सेंटर बनाए गए

- पिथौरा अनुविभाग में अभी तक कोई भी नोवेल कोरोना वायरस के पॉजिटिव प्रकरण नहीं

नवप्रदेश संवाददाता

महासमुंद। कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण एवं बचाव के रोकथाम के लिए बाहर से आए नागरिक, प्रवासी श्रमिकों सहित अन्य लोगों के लिए आइसोलेशन सेंटर बनाने के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुनील कुमार जैन ने सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को निर्देश दिए हैं। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पिथौरा बी.एस. मरकाम ने बताया कि पिथौरा विकासखंड में 126 ग्राम पंचायतें है। इन ग्राम पंचायतों के अंतर्गत कुल 486 क्वारेंटाईन सेंटर बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान स्थिति में 110 क्वारेंटाईन सेंटर में 02 हजार 228 प्रवासी मजदूर आ चुके हैं। जिनमें से 02 हजार 94 प्रवासी मजदूर क्वारेंटाईन अवधि में सेंटर में रूके हुए हैं तथा 134 प्रवासी मजदूर क्वारेंटाईन अवधि पूर्ण करने पर तथा उनका अंतिम स्वास्थ्य परीक्षण होने के उपरांत अपने-अपने घरों में जा चुके है। क्वारेंटाईन अवधि में रह रहे प्रवासी मजदूरों को स्वास्थ्य नियमों का पालन करने के लिए शपथ पत्र भराया गया हैं तथा घर जाने पर भी उन्हें स्वास्थ्य मानकों का पालन करने की हिदायत दी जा रही हैं। पिथौरा अनुविभाग में अभी तक कोई भी नोवेल कोरोना वायरस के पॉजिटिव प्रकरण नहीं पाया गया हैं। सभी नागरिकों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन सुनिश्चित करने की भी हिदायत दी जा रही है। इसके अलावा सभी लोगों को मॉस्क लगाना अनिवार्य किया गया हैं। बिना मॉस्क वालों पर चालानी कार्रवाई भी की जा रही हैं। क्वारेंटाईन सेंटरों के निरीक्षण के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई हैं। जो लगातार क्वारेंटाईन सेंटर का निरीक्षण करते हुए प्रवासी श्रमिकों को आवश्यक जानकारी भी दी जाती हैं।

न्यूज गैलरी

75 लीटर महुआ शराब जब्त, एक महिला भी गिरफ्तार

महासमुंद। खल्लारी पुलिस ने संतोषी नगर भीमखोज में दो घरों से 75 लीटर महुआ शराब और शराब बनाने का सामान बरामद की। आरोपियों में एक महिला कोचिया भी शामिल है। टीआई दीपा केंवट ने बताया कि सोमवार को मुखबिर की सूचना पर संतोषी नगर निवासी कोशी बाई पति हुलाल सिंग (40) के घर की तलाशी ली। जहां बाड़ी में छिपाकर रखे दो जरीकेन में 25 लीटर महुआ शराब मिली। इसी तरह मोहल्ले के ही देवलाल ध्रुव पिता कैलाश (25)के घर की तलाशी ली। जहां तीन जरीकेन में रखी 50 लीटर महुआ शराब जब्त की। इनके कब्जे से शराब के अलावा के दो ड्रम और तीन बर्तन जब्त किया गया। दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट 34 (2) के तहत कार्रवाई की गई।

छात्रा के संपर्क में आए लोगों के सैम्पल जांच के लिए भेजा

महासमुंद। कोटा से वापस लौटी राजिम की छात्रा की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आने के बाद उसके संपर्क में आए लोगों की सैंपलिंग शुरू कर दी गई है। सोमवार को जिले में कोटा से लौटने वाले 4 छात्रा और 1 परिजन का सैंपल लिया गया। सैंपल लेने के साथ ही उनके घर की हिस्ट्री और वे जहां रहते हैं, उस मकान में रहने वालों की जानकारी जुटाई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग की मानें तो राजिम में कोटा से वापस लौटी छात्रा के पॉजिटिव आने की सूचना के तत्काल बाद जिलेभर में स्वास्थ्य परीक्षण का कार्य जारी है। सोमवार को महासमुंद से 3 छात्राओं, सरायपाली से 1 छात्रा और उसकी मां का सैंपल लेकर जांच के लिए एम्स रायपुर भेजा गया।

कचरे रखने मिलेगा डस्टबिन

महासमुंद। नगर पालिका अध्यक्ष ने बैठक में कहा कि सब्जी व्यवसायियों को कचरे के लिए डस्टबिन दिया जाएगा। सब्जी मंडी के बोर में एक एचपी का मोटरपंप और 24 घंटे पानी के लिए 5 हजार लीटर की पानी टंकी स्थापित की जाएगी। बाजार के सभी प्रवेश द्वार पर काऊकैचर लगाया जाएगा, जिससे कि मवेशी बाजार में प्रवेश न कर पाएं।

उपचार के दौरान मौत

महासमुंद। इलाज के लिए बागबाहरा अस्पताल में भर्ती महिला ने दम तोड़ दिया। तेंदूकोना पुलिस ने बताया कि दाबपाली निवासी कामेश्वरी पति देवकुमार (30) को तबीयत खराब होने से बागबाहरा सीएचसी में भर्ती कराया गया था। जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

फांसी लगाकर दी जान

महासमुंद। तेंदूकोना थाना क्षेत्र के ग्राम सुईनारा निवासी भनत राम चक्रधारी पिता हीरासिंह ने फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

अधिक शराब सेवन से मौत

महासमुंद। अधिक शराब सेवन से एक युवक की मौत हो गई। सरायपाली पुलिस ने बताया कि कोटेनदरहा निवासी श्रवण दीवान की लाश मिली। परिजनों ने बताया कि श्रवण शराब पीने का आदी था। वह बिना खाना खाए नशे में सोया था फिर नहीं उठा। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

पिकअप चालक गिरफ्तार

महासमुंद। एनएच-53 में कौंवाझर के पास सड़क हादसे में खरियारोड के रास्ते कालाहांडी पैदल जा रहे दो मजदूरों की मौत हो गई। पिकअप चालक ने उन्हे चपेट में ले लिया। पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक कालाहांडी ओडिशा निवासी भूपेन्द्र कटेल पिता हजारु कटेल एवं वैष्णव कटेल पिता दयानिधि कटेल अपने परिवार के साथ घर जा रहे थे। ये मुंबई स्थित महालक्ष्मी फैक्ट्री में काम करते थे। कालाहांडी जाने के लिए मुंबई से ट्रक में सवार होकर आए थे। तुमगांव पिरदा मोड़ के पास उतरे। इसके बाद वह सरायपाली की ओर आगे बढ़े तभी पता चला कि वह गलत दिशा की ओर जा रहे हैं। इसके बाद वह वापस तुमगांव की ओर आ रहे थे। रात करीब 10 बजे सरायपाली की ओर से आ रही पिकअप क्रमांक ओडी 05 एजे 8243 के चालक ने नशे में वाहन लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए चपेट में ले लिया। जिससे दोनों मजदूर की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

सूने मकान से नगदी और जेवरात चोरी

महासमुंद। तुमगांव थाना क्षेत्र के ग्राम कांपा में अज्ञात ने सूने मकान में से नगदी एवं सोने चांदी के जेवरात पार कर दिए। इस मामले में पुलिस दो संदेहियों से पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक कांपा निवासी सिद्धीकी खान पिता अजीज खान ड्रायवर है। 15 मई सुबह 09 बजे वह घर में ताला लगाकर परिवार सहित ससुराल ग्राम नर्रा चला गया। सूचना पर घर पहुंचा तो सामान बिखरा पाया। आलमारी से सोने का हार, मंगलसूत्र, झुमका, एक जोड़ी चांदी की पायल कीमत लगभग 8 हजार रुपए और नगदी 25 हजार रुपए नहीं मिले।

सात लीटर महुआ शराब जब्त

महासमुंद। बागबाहरा पुलिस ने हरनादादर में एक युवक के कब्जे से 7 लीटर महुआ शराब बरामद की है। पुलिस ने बताया कि रविवार को हरनादादर निवासी शेरसिंह पिता बिन्दुलाल तोंडेकर के कब्जे से महुआ शराब मिली। जिस पर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

जिला पंचायत सदस्य ने मनरेगा कार्य का निरीक्षण कर मजदूरों को बांटे मास्क

खरोरा। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के तहत चल रहे परसकोल में डबरी गहरीकरण एवं रोड़निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया गया द्य

जहां पर रोजगार सहायक टिकेश्वरी साहू के द्वारा सभी मजदूरों का मास्टररोल वाचन किया गया एवं शासन के निर्धारित मापदंड अनुसार गोदी कार्य में एक व्यक्ति 7 फीट चौड़ा एवं 14 फीट लंबा तथा 8 इंच गहरा कार्य अनुसार प्रतिदिन मजदूरी भुगतान 1 अप्रैल 2020 से ?190 होना बताया गया।

क्षेत्र के जिला सदस्य केसरी मोहन साहू द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना में कार्यरत पंजीकृत मजदूरों को सेनेटाइजर से हाथ धुलवाकर मास्क वितरण किया गया एवं कोविड-19 कोरोना वायरस के संक्रमण के खतरे एवं बचाव से अवगत कराया गया तथा शासन के मापदंड एवं निर्देशों के पालन करते हुए एम जी नरेगा में कार्य कर परिवार में आर्थिक सहभागिता को बनाए रखते हुए सामंजस्य स्थापित कर कार्य करने प्रेरित किया गया। ग्राम पंचायत परसकोल में सरपंच कमलेश्वरी साहू ,उपसरपंच तुलेश्वर साहू, सचिव टिकेश्वरी साहू समेत समस्त पंच घनश्याम साहू , श्रीमति लीला ध्रुव, शश्रीमति उषा बाई साहू,रेखा बाई साहू, मिना सेन, नीरा साहू, श्री जनक राम साहू, श्री चम्मन निषाद अशोक साहू,द्वारा प्रतिदिन उपस्थित होकर मजदूरों को सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए माउथ मास्क का उपयोग करने सैनिटाइजर लिक्विड से हाथ धोकर कार्य करने अपील किया जाता है ।

अनुमति के नाम से मजदूरों को घुमाया जा रहा : चोपड़ा

महासमुंद। यूपी, बिहार के मजदूरों ने पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता डॉ विमल चोपड़ा से मुलाकात कर अपनी समस्या बताई कि उनको जाने के लिए अनुमति नहीं मिल रही है। अनुमति लेने के लिए उन्हें श्रम विभाग और कलेक्टेरेट का चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। बावजूद अनुमति नहीं मिल रही है।

डॉ चोपड़ा ने श्रम विभाग व एडिशनल कलेक्टर से फोन पर चर्चा की बाद स्वयं कलेक्टेरेट और श्रम विभाग जाकर मजदूरों की फाइल चलाने कहा। डॉ चोपड़ा ने कहा कि देखने में आ रहा है कि मजदूर परेशान हो रहे हैं और अनुमति नहीं मिल रही है अनुमति के नाम से घुमाया जा रहा है। सरकार लाख दावे कर रही है कि हम यहां से मजदूरों को भेज रहे हैं ला रहे हैं लेकिन आने और जाने वाले को छत्तीसगढ़ सरकार से बहुत समस्या का सामना करना पड़ रहा है। सरकार किसी प्रकार से सहयोग नहीं कर रही है और अफसरशाही पर सरकार का किसी प्रकार से नियत्रंण नही है। यही स्थिति रही तो आने वाले दिनों में भारतीय जनता पार्टी के लोग अपने-अपने घरों में धरना देंगे और सरकार के विरूद्ध प्रदर्शन करेंगे कि मजदूरों को तत्काल सहायता, आने जाने के लिए गाडियों की व्यवस्था सरकार को करनी चाहिए, नगद राशि, भोजन मजदूरों को देना चाहिए। इस दौरान विक्की गुरूदत्ता, भरत खत्री भी साथ में थे।

नहीं रहे गांव के बाबू, ग्रामीणों ने नम आंखो से दी बिदाई

खरोरा। राष्ट्र पिता गांधी जी के सत्य, अहिंसा,आत्मनिर्भरता, सरल जीवन, आत्म अनुशासन, परधर्म समेत सादा जीवन उच्च विचार जैसे सिद्धांतो को आत्मसात करते हुए समाज को नई दिशा देकर जीवन व्यतीत करने वाले श्री गौर सिंह जायसवाल जिसे पूरे गांव के बच्चो से लेकर बडो तक आदर भाव के साथ बाबू कहकर संबोधित करते थे ।जिंदगी की लंबी लड़ाई के बाद शुक्रवार देर शाम को इस दुनिया को अलविदा कह गए जहां उनके गृह ग्राम गुर्रा में लोगो ने सृद्धा सुमन अर्पित करते हुए अंतिम बिदाई दी ।उनके निधन की खबर सुनकर छत्तीसगढ़ डडसेना कलार समाज

सहित उनके गृह ग्राम गुर्रा में शोक की लहर दौड़ गई। जहा डडसेना कलार समाज बलौदा बाजार जिलाध्यक्ष भुवन जायसवाल , समाज के मंडलेश्वर प्रेमलाल सिन्हा भाटापारा बलौदा बाजार परीक्षेत्र , पूर्व मंडलेश्वर नंद लाल जायसवाल सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधकारियों ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए समाज के लिए अपूरणीय क्षति कहीं है। श्री गौर सिंग भाटापारा ब्लाक के गुर्रा के निवासी थे जहा के वे भूतपूर्व सरपंच थे। गांव के सरपंच रहते हुए कुशल सिद्धांतो से बड़े से बड़े विवादों का आपसी भाईचारे के साथ निपटारा करवाते थे।

नशे से दूर रहने रहने के लिए करते थे प्रेरित

अपने गांव के हर छोटे बड़े को प्यार से बाबू कहकर संबोधन किया करते थे। जिस वजह से पुरा गांव बड़े ही आदर भाव से इसे बाबू ही बुलाते । अपने 90 वर्ष के सफ़र में हमेशा नशे से दूर रहने वाले श्री सिंह जी नशे के दुषपरिणामों के बारे में बताते हुए लोगो को नशे से दूर रहने का संदेश दिया करते थे। जिसका परिणाम है की गांव ऐसे लोग जो इनके विचारो को अमल कर आज कई पदो पर आसीन होकर सुखमय जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

खुला सेलुन, नायब तहसीलदार ने संचालको को दी जरूरी समझाइश

गरियाबंद। दो महिने बाद जिला मुख्यालय सहित सभी ब्लाको ओर ग्रामीण अंचलो में सेलुन खुल गए हैं। जिला प्रशासन ने विभिन्न शर्तो के आधार पर सेलुन दुकान खोलने की अनुमति दी है। सोमवार को सेलुन खुलने के साथ ही नायक तहसीलदार समीर शर्मा ने नगर के सभी सेलुन दुकान में पहुच संचालका को प्रशासन के निर्देशो का पालन करने की समझाइश दी। उन्होने कहा कि सभी सेलुन संचालक दुकान में आने वाले प्रत्येक ग्राहक का नाम, नंबर, पता सहित सभी जानकारी रजिस्ट्रर में दर्ज करे। ग्राहक स्वयं अपने कपड़ा साथ लेकर आयेंगा। इसके अलावा दुकान व सामान को बार बार सेनिटाइज करने तथा सभी ग्राहको के लिए सेनिटाइजर रखने के हिदायत दी।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में प्रवेश परीक्षा अब 11 जून को

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय आदिम जाति कल्याण, आवासीय एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति द्वारा संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में प्रतिवर्ष की भांति शिक्षण सत्र 2020-21 में अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों की कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु लिखित चयन परीक्षा का आयोजन 31 मई 2020 को समय प्रातः 10.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक आयोजित किया जाना था, जिसे कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण से बचाव एवं सावधानी को ध्यान में रखते हुये लॉकडाउन में वृद्धि के फलस्वरूप उक्त परीक्षा का आयोजन 11 जून 2020 को प्रातः 10.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक किया जायेगा।

कोरोना वॉरियर्स का सम्मान

खरोरा। नगर पंचायत खरोरा व्दारा स्थानीय मंगल भवन मे कोरोना वॉरियर्स सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम मे क्षेत्रीय विधायक अनीता शर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल सोनी, उपाध्यक्ष पन्ना देवांगन, पार्षद कांति सेन, रश्मि वर्मा, भारती नवरंगे, तोरण ठाकुर, बब्लू भाटिया, कपिल नशीने, सुरेन्द्र गिल्हरे, पुनम पाध्याय, लालू पंसारी, राहूल मरकाम आदी पार्षदों सहित एल्डरमेन अंबिका बंछोर, कमल वर्मा, निलेश चन्द्रवंशी सीएमओ सतीश यादव सहीत नगर पंचायत के समस्त अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति मे कोरोना वारियर्स का सम्मान किया गया। सर्वप्रथम उपस्थित लोगो व्दारा भारत माता की पुजा पश्चात कोरोना वॉरियर्स के रूप मे उपस्थित तहसीलदार कृष्ण कुमार जयसवाल समेत तहसील एवं थाना के स्टाप, डॉ दिप्ती अग्रवाल समेत स्वास्थ विभाग के स्टॉप, नगर पंचायत को आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले व्यपारीयो, समाजसेवीयो, सहित नगर पंचायत के सफाई कर्मचारीयो, मितानीन बहनो आदी लोगो का पुष्पवर्षा एवं शाल श्रीफल भेटकर, उनका सम्मान किया गया।

आदिवासी राजगोड़ केन्द्र सभा झरगांव, विख मैनपुर ने कलेक्टर को सौपी पीएम व सीएम सहायता राशि

गरियाबंद। सोमवार को आदिवासी राजगोड़ समाज केन्द्र सभा झरगांव विकासखंड मैनपुर द्वारा विधायक डमरूधर पुजारी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री सहायता कोष में सहायता राशि जमा की गई। इसमें पीएम केयर में 61750 रूपए व मुख्यमंत्री सहायता कोष में 125750 रूपए जमा किए गए। इस दौरान प्रमुख रूप से पूर्व विधायक एवं संसदीय सचिव गोवर्धन सिंह मांझी, धनसिंह मरकाम, जगमोहन ओटी, हेमन्त मरकाम, हलमन्त ध्रुवा, आरआर सिंह, कांतिलाल पाथर, अनिल मांझी, भागीरथी मांझी, धनसिंह नागेश, मुकुंद नागेश, टीकम मांझी, सोपसिंह नेताम, केवल मांझी, रूखमणी ओटी, महेन्द्र सोमवंशी, रामेश्वर कपिल, जगन्नाथ कपिल, वरुण मांझी, रामरतन मांझी, दुष्यंत ध्रुवा, तानसिंह मांझी, अश्विन ध्रुवा, अर्जुन मांझी, लम्बोदर नेताम, इंदर मांझी, पुस्तम मरकाम, लोहर सिंह मांझी, नाथूराम ध्रुवा, सिंघल साय ध्रुवा, धनसाय सोरी, डोमार नेताम, बनसिंह नेताम, सहित समाज के अन्य लोग मौजुद थे।

ग्रीष्मकाल में 58 ग्राम के 93 तालाब निस्तारी हेतु भरे गए

गरियाबंद। इस वर्ष ग्रीष्मकाल में वृहद सिकासार जलाशय से 60 ग्रामों के तालाब एवं 08 लघु योजनाएं से 31 ग्रामों के 46 तालाबों को निस्तारी हेतु भरे जाने का लक्ष्य रखा गया है। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता पी.के.आनंद ने बताया कि लक्ष्य के विरूद्ध सिकासार जलाशय से 44 ग्रामों के 71 तालाब एवं 08 लघु योजनाओं से 14 ग्रामों के 22 तालाबों को निस्तारी हेतु जल प्रदाय किया गया है।

ओम प्रकाश चौहान के नेतृत्व में भोजन पैकेट का वितरण

खरोरा। लाकडाउन के चलते दूसरे राज्यों से ट्रकों में आ रहे प्रवासी मजदूरों एवं जरूरतमंद लोगों की सहायता करने हेतु समाज सेवा में हमेशा अग्रणी और तत्पर रहने वाले संस्था संजीवनी रक्तदाता संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह चौहान के नेतृत्व में उनके सदस्यों द्वारा भोजन पैकेट बनाया गया एवं बांटा गया साथ ही उनके पीने के लिए पानी पाउच की व्यवस्था भी की गई। इस विकट परिस्थिति मे बाहर दूसरे राज्यों से हजारों लोग बहुत ही दिक्कतों का सामना करते हुए अपने मूल निवास मे वापस आ रहे हैं। अतः संस्था द्वारा उनके लिए इस प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराना इन प्रवासी मजदूरों के जख्मों पर मरहम की तरह कार्य कर रहा है। और संस्था का यह कार्य काफी सराहनीय है। जिसके लिए पूरे समाजसेवी संस्था संजीवनी रक्तदाता संघ को कोटिशः धन्यवाद देते हैं।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म

गरियाबंद। छुरा थाना अंतर्गत एक नाबालिंग के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। शांदी का झासा देकर एक युवक नाबालिंग के साथ लगातार दुष्कर्म करता रहा और जब वह गर्भवती हो गई तो उसे अपनाने से इंकार दिया। नाबालिंग की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी राजेश जगत ने बताया कि घटना चार साल पहले की हैं। ग्राम खड़मा निवासी 23 वर्षीय युवक रोशन लाल साहनी पिता बबला साहनी द्वारा एक नाबालिंग के साथ शांदी का झांसा देकर एक साल तक दुष्कर्म करता रहा है। इसके चलते नाबालिंग गर्भवतीहो गए। 15 अक्टुबर 2017 को नाबालिंग ने एक बच्चे को जन्म भी दिया परंतु आरोपी ने उसे अपनाने से इंकार कर दिया। छ माह बाद बच्चे की मौत हो गई। इसके बाद भी नाबालिंग पीड़िता द्वारा युवक से उसे अपनाने की अपील की जा रही है। बार बार युवक के इंकार करने के बाद अंतत नाबालिंग ने परिजनो के साथ मिलकर आरोपी की शिकायत छुरा थाना में दर्ज कराई।

समीक्षा पंचायतों के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक से सम्पर्क कर लगातार रख रहे नजर

अफसर कर रहे मनरेगा कार्यों की सतत निगरानी

महासमुंद। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव एवं नियंत्रण के लिए चल रहे लॉकडाउन के दौरान लोग घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे है। ऐसी विषम परिस्थिति में गरीब ग्रामीण मजदूर रोजगार और आजीविका को लेकर चिंतित थे, इसे ध्यान में रखकर महासमुन्द जिला में मांग के आधार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना मनरेगा से शत-प्रतिशत रोजगार दिया जा रहा है। जिससे मनरेगा ग्रामीणों के लिए जीवन दायिनी (लाईफलाइन) साबित हो रही है। शासन के निर्देशानुसार जिले के सभी गांव में मनरेगा के द्वारा हितग्राहीमूलक काम प्रारम्भ कराए जा रहे है तथा जॉबकार्ड धारियों को प्राथमिकता अनुरूप गांव में ही रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

कलेक्टर सुनील कुमार जैन के निर्देश पर जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. रवि मित्तल के मार्गदर्शन में जिन्हें जॉब कार्ड की आवश्यकता हैं, उन्हें नियमानुसार जल्द से जल्द जॉब कार्ड जारी किए जा रहे हैं, जिसके कारण लोगों को नया जॉब कार्ड उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि बाहर से आए प्रवासी मजदूर और वे जो किसी करणवश महात्मा गांधी नरेगा में काम नहीं कर पा रहे थे, भी शासन के इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ उठा पाएं। जॉब कार्ड प्राप्त करने के लिए ग्रामीणों को उस गांव का निवासी होना जरूरी है।

बागनदी बार्डर से प्रवासी श्रमिकों को गंतव्य स्थलों तक सुरक्षित ढंग से किया जा रहा रवाना

- मुख्यमंत्री बघेल के निर्देश पर दो दिन में ही की गई सारी व्यवस्थाएं
- प्रवासी श्रमिकों को अब हो रही है काफी सहूलियत

नवप्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप राजनांदगांव जिले के बागनदी बार्डर पर छत्तीसगढ़ के जिलों तथा अन्य राज्यों तक जाने वाले प्रवासी श्रमिकों को बहुत ही व्यवस्थित और सुरक्षित ढंग से तत्परता पूर्वक बसों से गंतव्य स्थलों की ओर भेजा जा रहा है। कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों-कर्मचारियों की टीम द्वारा रात-दिन अथक मेहनत करके दो दिन में ही सारी व्यवस्थाएं कर ली गई है। बागनदी बार्डर से प्रवासी श्रमिकों को छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों और देश के अन्य राज्यों सुरक्षित ढंग से भेजा जा रहा है। 16 मई को बसों से श्रमिकों को रवाना करने का काम शुरू हुआ। आज शाम 4 बजे तक लगभग साढ़े 10 हजार से अधिक श्रमिकों को 280 बसों से भेजा जा चुका है। चेकपोस्ट पर शाम को भी 100 से अधिक बसें उपलब्ध थीं। श्रमिकों को भोजन और स्वास्थ्य परीक्षण कराने सहित बसों में बैठाने का काम सुव्यवस्थित रूप से चल रहा है। बागनदी चेकपोस्ट में प्रवासी श्रमिकों के आने के बाद भोजन, पेयजल उपलब्ध कराने के साथ स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। जिला प्रशासन के त्वरित और सक्रियता से बागनदी बार्डर में श्रमिकों की भीड़ कम हो रही है। श्रमिक सुविधा अनुसार बसों से अपने घरों की ओर जा रहे हैं। बस में बैठने के बाद श्रमिकों और उनके परिवारजनों की थकान स्वभाविक रूप से मुस्कान में बदल जा रही है। क्योंकि घर पहुंचने की चिंता दूर हो गई है।

बागनदी चेकपोस्ट में श्रमिकों के आने के बाद उन्हें भोजन कराया जाता है। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला भवन में श्रमिकों के लिए खाने के पैकेट तैयार किए जा रहे हैं। पेयजल के लिए टंकियां लगाई गई है। बागनदी स्थित पेट्रोल पंप से ही श्रमिकों के वाहनों को रवाना किया जाता है। यहां पर स्वास्थ्य जांच के लिए कैम्प लगाया गया है। इस पूरे परिसर की साफ-सफाई के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। जगह-जगह डस्टबिन रखे गए हैं। कचरों के बॉयोमेडिकल पद्धति से निपटारे के लिए पूरी व्यवस्था की गई है। स्प्रे मशीन के जरिए परिसर को सेनेटाईज किया जा रहा है। सभी बसों को दो बार श्रमिकों के बैठने के पहले और बैठने के बाद सेनेटाईज किया जा रहा है।

श्रमिकों की सुविधा के लिए छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से संबंधित अलग-अलग काउंटर बनाए गए हैं। बागनदी चेकपोस्ट में श्रमिक सामान्य रूप से समूह में पहुंच रहे हैं। काउंटरों में समूहों के मुखिया के नाम, मोबाईल नंबर सहित पूरी जानकारी दर्ज की जा रही है। इससे श्रमिकों को संबंधित जिलों के लिए रवाना होने वाली बसों में बैठाने में काफी सहूलियत हो रही है। जरूरत के अनुरूप श्रमिक परिवारों और उनके बच्चों को चरणपादुका भी दी जा रही है। पुलिस सहायता केन्द्र में 24 घंटे पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगी है। दूसरे राज्य जाने वाले श्रमिकों को उनके राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्रों तक पहुंचाने बसों से रवाना किया जा रहा है। बसों में बैठाते समय सोशल डिस्टेसिंग का पूरा पालन किया जा रहा है। काउंटरों के पास ही बसें लगाकर श्रमिकों को बैठाया जा रहा है। दूसरे राज्यों के श्रमिकों को भी समूह में बसों में बैठाकर भेजा जा रहा है।

न्यूज गैलरी

थाना पंडरिया की संवेदनशील एंव मानवीय पहल

पंडरिया। वर्तमान मे बड़ी संख्या मे प्रवासी मजदूर जिनमें काफी संख्या में महिलाएं भी है अपने क्षेत्र मे वापस बड़े संघर्ष से अपने घरों के लिये लौटे है। जिन्हें नियमानुसार कोविड-19 के प्रकोप के कारण विभिन्न जगहों के क्वारेन्टीन सेंटरो में रखा गया है। इन महिलाओं के आवश्यकता एवं स्वास्थ्य के हितों के लिये मंगलवार को पंडरिया क्षेत्र के विभिन्न क्वारेन्टीन सेंटरो के महिलाओं को थाना पंडरिया द्वारा पंडरिया के मेडिकल स्टोर संचालको के सहयोग से महिला आरक्षक के माध्यम से सैनेट्री पैड की उपयोगिता के प्रति जागरूक कर उन्हें पैड उपलब्ध कराया गया, जिससे क्वारेन्टीन सेंटर मे रहने के दौरान उन्हे किसी प्रकार की दिक्कत न हो और सभी स्वस्थ और सुरक्षित रहें।

जिले के पोलमी, पुटपुटा, बीरनपुर और तालपुर को कंटेन्मेंट जोन घोषित

कवर्धा। कलेक्टर ने कबीरधाम जिले के विकासखण्ड पंडरिया अंतर्गत ग्राम पोलमी व पुटपुटा (उपस्वास्थ्य केन्द्र पोलमी एवं भाकुर) से एक एवं विकासखंड सहसपुर लोहारा अंतर्गत ग्राम बीरनपुर व तालपुर (उपस्वास्थ्य केन्द्र दनियाखुर्द) से एक संभावित मरीजों की कोविड-19 के पी.सी.आर. टेस्ट के बाद ग्राम पोलमी, पुटपुटा, बीरनपुर एवं तालपुर को कंटेन्मेंट जोन घोषित किया है। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के प्रसार को रोकने तथा इस पर नियंत्रण के लिए गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी आदेश के तहत कंटेन्मेंट जोन के लिए प्राप्त दिशा-निर्देश अनुसार विभिन्न गतिविधियॉं निर्धारित हैं। कंटेन्मेंट जोन में गतिविधियां में सख्त परिधि नियंत्रण, प्रवेश एवं निर्गमन केन्द्र की स्थापना, आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं तथा आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था, बिना जांच के किसी भी व्यक्ति एवं परिवहन सुविधा प्रतिबंधित, कन्टेंमेंट जोन में बाहर आने एवं जोन से बाहर जाने वाले व्यक्तियों का विस्तृत जानकारी संधारण करने के लिए कहा गया है। कन्टेंमेंट जोन पर इस कार्यालय से जारी आदेश अनुमति, छूट, लागू नहीं होंगे। इन सभी निर्धारित गतिविधियों पर सर्व संबंधित विभाग निगरानी, कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

दो ग्राम पंचायत सचिव के एक-एक वार्षिक वेतन असंचयी प्रभाव से रोक

कवर्धा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय दयाराम के. ने दो जनसूचना अधिकारी एवं ग्राम पंचायत सचिव के आगामी एक वार्षिक वेतन असंचयी प्रभाव से रोक लगा दी है। जनपद पंचायत पंडरिया के जनसूचना अधिकारी एवं ग्राम पंचायत कांदावानी और वर्तमान पदस्थापना भेलकी डालचंद मानिकपुरी द्वारा प्रकरण में अपीलार्थी द्वारा चाही गई जानकारी जानबूझ कर समयावधि में जानकारी उपलब्ध नहीं कराने एवं प्रथम अपीलीय अधिकारी के आदेश का जानबूझकर पालन न करने के फलस्वरूप संबंधित का छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम 1999 लघु शासित के तहत आगामी एक वार्षिक वेतन असंचयी प्रभाव से रोक लगा दिया है। इसी प्रकार जनपद पंचायत पंडरिया के जनसूचना अधिकारी एवं ग्राम पंचायत कांदावानी सालिक राम ध्रुव द्वारा प्रकरण में अपीलार्थी द्वारा चाही गई जानकारी जानबूझ कर समयावधि में जानकारी उपलब्ध नहीं कराने एवं आयोग के कार्य में बाधा पहुंचाया गया, जिसके फलस्वरूप संबंधित का छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम 1999 लघु शासित के तहत आगामी एक वार्षिक वेतन असंचयी प्रभाव से रोक लगा दिया है।

कलेक्टर ने दुकानों और अन्य गतिविधियों के संचालन के संबंध में जारी किए आदेश

राजनांदगांव। केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी आदेश एवं दिशा-निर्देशो के परिपालन में लॉकडाउन की अवधि 31 मई 2020 तक बढ़ाई गई है। कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य ने केन्द्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिले में दुकानों और अन्य गतिविधियों के संचालन के लिए आज आदेश जारी किया है। राजनांदगांव जिला ग्रीन जोन में स्थित है। आदेश के अनुसार जिले के भीतर गैर प्रतिबंधित दुकानों का संचालन प्रातः 7 बजे से शाम 6 बजे तक किया जा सकेगा। मदिरा दुकानें प्रातः 8 बजे से शाम 6 बजे तक चालू रहेंगी। यदि शाम 6 बजे तक जो व्यक्ति लाईन में खड़ा है व उसे टोकन मिला हो, अंतिम टोकन के बिक्री तक दुकान शाम 6 बजे के बाद भी खुली रह सकती है।

कबीरधाम का पानी कहीं बेमेतरा को दे दिया तो किसानों को होगी दिक्कत

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। सुतियापाठ बांध का 23 गांव में मुख्य नहर एवं माइनर नहर के माध्यम से पानी पहुंचता तो शायद गांव का जलस्तर भी बढ़ जाता एवं जो समस्याएं ग्रामीणों को प्रत्येक वर्ष ग्रीष्म ऋतु में पेयजल व निस्तार की समस्या होती है उससे निजात भी मिल सकता लेकिन सारे सपने शायद चूर हो गए क्योंकि अब सुतियापाठ बांध का पानी बेमेतरा जाने की स्थिति में सारा प्लान बन चुका है एवं शासन से कुछ राशियों की स्वी.ति 8 करोड़ की हो गई है जिसके माध्यम से भी बिरोड़ा चैक से ग्राम बड़गांव 8 किलोमीटर तक जो सुतियापाठ की छोटी नहर नाली है उसे बड़ी नाली के रूप में विस्तारीकरण किया जा रहा है जिसके माध्यम से बड़गांव के पश्चात सुतियापाठ का पानी नदी में गिराने से वहां से एनीकेट के माध्यम से झिपनिया जलाशय के लिए पानी भेजा जाएगा। झिपनिया जलाशय से आगे बेमेतरा जिला के साजा क्षेत्र में सिंचाई हेतु किसानों को पानी सुतियापाठ का ही उपलब्ध कराने की योजना बन गई है।

सुतियापाठ बांध से खेतों में सिंचाई के लिए पानी मिलने की आस लगाए बैठे सैकड़ों किसानों का सपना टूटने लगा है। क्योंकि विभाग के द्वारा इस बांध का पानी बेमेतरा जिले में देने की तैयारी चल रही है। इसे लेकर किसानों में आक्रोश पनपने लगा है। इस बांध से लोहारा क्षेत्र के किसानों को पानी मिलता तो फसल का उत्पादन बेहतर होता साथ ही उनकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार होता लेकिन प्रशासन व संबंधित विभाग को शायद किसानों के हितों की चिंता नहीं है। इसलिए इस बांध का पानी दूसरे जिले में देने की सोच रहे हैं।

अंचल की जीवनदायिनी दो बांध सुतियापाठ मध्यम सिंचाई परियोजना एवं कर्रानाला बैराज के बांध में भरा लबालब पानी जहां आम लोगों को आकर्षित करते रहता है। वहीं दोनों बांधों से 41 गांव के प्यासे खेतों की जहां दोनों बांधो ने प्यास बुझा दी है। वहीं उन लाभान्वित गांव के किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार हुआ है, लेकिन प्रदेश में इन दोनों बांधों के निर्माण के पश्चात जो लाभान्वित किसानों के अलावा शेष बचे दोनों बांधों में करीब आधा से अधिक जो पानी बचा हुआ बांध में रहता है उसकी उपयोगिता के लिए कोई कार्य योजना अब तक दोनों सरकारों ने नही बनाई है जिसके कारण आज गांव-गांव में इन दोनों बांधों से पानी सिंचाई के लिए दिलाए जाने की मांग लगातार हजारों किसान करते आ रहे हैं।

टूट रहा किसानों का सपना

सुतियापाठ बांध से बने लेट बैंक केनाल दाहिने नहर लाइन की लंबाई 18 किलोमीटर लगभग बढ़ाई जा रही थी इससे 23 गांव के 3250 हेक्टरों कें खेतों को सिंचाई के लिए पानी मिलता। इसे लेकर 1650 करोड़ रुपए स्वी.त हुआ था। विधानसभा चुनाव के पूर्व जनप्रतिनिधियों ने इस कार्य का भूमि पूजन कर दिए थे। सूत्र बताते हैं कि यह कार्य इन दिनों पूरी तरह से रद्द हो गया है जिससे सैकड़ों किसानों के सपने चकनाचूर हो गए हैं। अब इस अंचल को पानी मिलने के बजाय बेमेतरा जिला सुतियापाठ बांध का पानी ले जाने की पूरी तैयारी कर ली गई है। जिससे किसानों में इस बात को लेकर अब नाराजगी बढ़ गई है।

लगभग 30 प्रतिशत किसानों की सहमति नही

किसानों का मुआवजा प्रक्रिया 7 गांव का राजस्व प्रकरण भी राजस्व अधिकारियों के कार्यालय तक भेजा जा चुका था लेकिन यह भी बताया जाता है कि 70 प्रतिशत किसानों ने इस मुख्य नहर निर्माण के लिए अपनी सहमति भी दे दी थी। जिसका कार्य 10 माह में पूरा होना प्रस्तावित था। इसके लिए लगभग 30 प्रतिशत किसानों से सहमति नहीं ली गई थी। कुछ किसानों ने आपत्ति इस संबंध में लगाई थी कि हम नहर निर्माण के लिए अपनी भूमि नहीं देंगे शायद इसी को मुद्दा बनाकर प्रशासनिक अधिकारियों ने इस कार्य को ही रद्द कर दिया।

पानी की समस्या को लेकर किसानों में आक्रोश

अब इस अंचल के गांव-गांव के किसानों में सुतियापाठ बांध का पानी नहीं मिलने के कारण से जहां निराशा है वहीं अधिकांश किसानों में आक्रोश भी पनपने लगा है। समय रहते जनप्रतिनिधियों को किसानों को विश्वास में लेकर उन्हें सुतियापाठ बांध का पानी गांव-गांव तक पहुंचने से संबंधित जानकारी स्पष्ट करनी होगी ताकि इस कवर्धा एवं पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के किसानों को सही जानकारियां हो सके।

सर्वे किया दरकिनार

वर्षो से इस अंचल के गांव-गांव के किसान सुतियापाठ बांध का पानी उनके गांव तक लाने के सपने देखते आ रहे हैं लेकिन पिछली भाजपा सरकार भी उन सपनों को साकार नहीं कर सका। संबंधित विभाग के अधिकारी जो गांव तक सुतियापाठ तक पानी पहुंचाने का सर्वे किए हैं उन सर्वे को भी दरकिनार कर अब दूसरे जिले में पानी पहुंचाने जाने की जो कवायद हो रही है उसके लिए लोगों में नाराजगी पनपने लगी है। सैकड़ों किसानों ने सहसपुर लोहारा क्षेत्र के किसानों के लिए राहत भरी खबर पूर्व में रही है वह अब चिंता की खबर बन गई है।

प्रवासी नागरिकों के लिए भाजपा खाद्यान्न की सहायता करेगी

राजनांदगाँव। पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह के बाघनदी बॉर्डर के दौरे से लौटने के पश्चात भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में डॉ. रमन सिंह ने जिला अध्यक्ष मधुसूदन यादव की उपस्थिति में महत्वपूर्ण पदाधिकारियों की बैठक ली, और बाघनदी के असहाय मजदूरों के दृश्य को याद करते हुए बताया कि हजारों की संख्या में मजदूर पैदल चले आ रहे हैंए सरकार के पास उनके लिए कोई भी कार्य योजना नहीं है। होना तो यह चाहिए था कि सरकार सभी राज्यों के प्रतिनिधियों से बातचीत कर ट्रेनों के माध्यम से कार्य योजना बनाकर मजदूरों को सम्मान से लाने की पहल करनी थी। डा. सिंह ने बताया कि गुजराताए एवं उत्तरप्रदेश सरकार ने मजदूरों को सैकड़ो ट्रेनों के माध्यम से लाया गया हैए और आगे भी लाने की तैयारी की गई हैए परंतु एकमात्र छत्तीसगढ़ की सरकार है जिन्होंने मजदूरों के लिए कोई कार्ययोजना नहीं बनाई जिसके कारण बेचैन होकर मजदूर पैदल चलने पर विवश हो चुके हैं। डा. सिंह ने कहा कि बॉर्डर पर मुझे बताया गया कि मेरे आने के कारण ही बसों की व्यवस्था की गई है। डा. सिंह ने उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं से संकट की इस घड़ी में मानवता के नाते मजदूरों की असहाय विवशता पर दुख भरे शब्दों में कहा कि ऐसी दुर्दशा देखकर मुझे लगता है कि संस्कारधानी नगरी से जो मजदूर अन्य प्रदेशों में जा रहे हैं उनकी सेवा अच्छी भावना से भाजपा कार्यकर्ताओं को करनी चाहिएए उन्होंने जैसे ही आव्हान किया 20 मिनट के अंदर उपस्थित कार्यकर्ताओं ने 7 लाख रुपये की तत्काल घोषणा की।

महापौर परिषद में बजट पर अनुशंसा सहित अन्य विषयों की स्वीकृति

राजनांदगांव। महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख की अध्यक्षता में महापौर परिषद की बैठक निगम स्थित महापौर कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में आय-व्यय अनुमान पत्रक 2020-2021 पर विचार विमर्श उपरांत स्वीकृति हेतु सामान्य सभा को प्रेषित किया गया एवं वित्तीय वर्ष 2019-2020 के आय-व्यय को पुनरीक्षण की अनुशंसा सहित सामान्य सभा को भेजा गया। साथ ही नगर निगम के विभिन्न विभागों के लिये आमंत्रित वार्षिक निविदा में प्राप्त दर की स्वीकृति प्रदान की गई। महापौर श्रीमती देशमुख ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिये बजट के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुये अनुशंसा सहित स्वीकृति हेतु समान्यसभा को प्रेषित किया गया और दिग्विजय महाविद्यायल में निर्मित आडिटोरियम में ईको-साउंड सिस्टम स्थापना के लिये प्राप्त न्यूनम दर की स्वीकृति के अलावा बूढा सागर के उत्तरी भाग में स्थित फूड कोर्ट के संचालन के संबंध में निर्णय लिया गया।

शहर से लेकर गांव तक लोग जूझ रहे बिजली की परेशानी से, आखिर ये कैसा मेंटेनेंस

कवर्धा। मानसून आने के पूर्व बिजली कंपनी ने 1 हते पहले शहर में मेंटेनेंस किया था। इस दौरान बिजली पोल सुधार तथा पोल से टकरा रहे पेड़ की टहनियों की छंटाई की गई थी। इसे देखते हुए वार्डवार सप्लाई भी बंद किया गया था। दावा किया कि बारिश व आंधी- तूफान आने के बाद भी सप्लाई जारी रखी जाएगी, लेकिन इस दावो की पोल सोमवार और मंगलवार को खुल गई।

सोमवार शाम करीब 5:00 बजे शहर में मौसम का मिजाज बदल गया। आंधी तूफान के साथ हल्की बारिश हुई। इसे देखते हुए कवर्धा शहर बिजली सप्लाई को शाम 5:10 से 6:02 तक बंद कर दिया। बीच मे करीब 5:35 बजे ट्रिपिंग हुई। बिजली सप्लाई बंद होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा है। वही मंगलवार को 4:30 से लगभग 5:00 बजे तक बिजली बंद रही। जिसके चलते आम लोगो को दिक्कतो का सामना करना पडा।

ग्रामीण क्षेत्रों की बिजली भगवान भरोसे

शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में बारिश आंधी तूफान के कारण बिजली सप्लाई तुरंत बंद कर दिया जाता है। गौर करने की बात है कि ग्रामीण क्षेत्र में भी प्री मानसून की तैयारी को लेकर पहले में मेंटेनेंस का काम लगभग पूरा कर लिया है, इसके बाद भी ग्रामीण क्षेत्र में हल्की बारिश या तेज हवा चलते ही सप्लाई बंद कर दी जाती है। वर्तमान में मौसम के उतार-चढ़ाव के कारण दोपहर को तेज धूप रहती है। शाम के समय बारिश के कारण उमस बढ़ जाती है। बिजली सप्लाई बंद होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

राजनांदगांव जिले में 31 मई तक धारा-144 लागू

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जयप्रकाश मौर्य ने कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के उद्देश्य से जिले में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अंतर्गत लागू धारा-144 को 31 मई या आगामी आदेश तक प्रभावशील करने का आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि धारा 144 के आदेश के उल्लंघन किए जाने पर विधि के अंतर्गत सख्त कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर द्वारा पूर्व में जारी आदेश में धारा 144 लागू की गई थी। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री मौर्य द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि स्वास्थ्य की दृष्टि से यह तथ्य परिलक्षित है कि कोरोना वायरस के संपर्क से पीड़ित व संदेही से दूर रहने की सख्त हिदायत है। राज्य शासन द्वारा यह निर्देशित किया गया है कि कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने सभी संभावित उपाए अमल में लाया जाए।

मानवता भूलकर कोरोना काल में भी बुक डिपो संचालक कर रहे हैं मुनाफाखोरी : परवेज अहमद

- प्राइवेट स्कूलों की मनमानी से पलकों पर बढ़ता है प्रतिवर्ष बोझ

राजनांदगांव। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष परवेज अहमद पप्पू ने कहा कि कोरोना कॉल के दौरान बंद रही निजी स्कूलों ने अब छूट मिलने के बाद दो महीने में हुए नुकसान की भरपाई करने का नया तरीका निकाला है। निजी स्कूलों के संचालकों ने बुक डिपो संचालक के साथ मिलकर किताबों के दाम बढ़ा दिए हैं। प्राइवेट स्कूलों में पुस्तक कॉपी को लेकर भारी गहमागहमी का माहौल प्राइवेट स्कूलों में बच्चों की पुस्तकें बहुत ही महंगी लॉक डाऊन की स्थिति में महंगी पुस्तकें और कॉपी से पालक हो रहे परेशान इस दौरान अभी पूरे भारत सहित छत्तीसगढ़ में लॉक डाउन के चलते छत्तीसगढ़ राज्य में सभी स्कूल व कॉलेज बंद है, राज्य सरकार के द्वारा शिक्षा विभाग के माध्यम से आदेश जारी करते हुए सभी स्कूलों मैं ऑनलाइन पढ़ाई करने का आदेश जारी किया गया है, लेकिन इसी बीच पुस्तकें व कॉपी महंगी होने से पालकगण बहुत ही परेशान है, क्योंकि कोरोना वायरस के चलते लॉक डाउन का दंश लोग झेल रहे हैं। वहीं नर्सरी की किताबें 1400 रुपये की आ रही है, एक तरफअभिभावक जीवन जीने संगर्ष कर रहा है। दूसरी ओर महंगी शिक्षा का बोझ, सरकार को गंभीरता से इस ओर ध्यान देना चाहिए और पालकों को मुनाफाखोर शिक्षा ववस्था से को विषम परिस्थितियों में बचाने की आवश्कता हैं। श्री अहमद ने आगे बताया कि प्रतिवर्ष पुस्तकों में 10 से 12 प्रतिशत की वृद्धि कंपनी के द्वारा किया जाता है, जिसका बोझ पलकों पर पड़ता है। राजनांदगांव शहर की एक बुक डिपो से बात करने पर पता चला कि हर वर्ष पुस्तकों में वृद्धि पब्लिशर्स पुस्तक कंपनी की सांठगांठ से प्राइवेट स्कूलों को प्रति पुस्तक 25 प्रतिशत व बुक डिपो है। 10 से 15 प्रतिशत प्राइवेट स्कूलों को जाता है, इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि 400 की पुस्तक से प्राइवेट स्कूल को कमीशन के रूप में 160 मिलता है, जबकि उस पुस्तक की कास्ट लिया जाए तो उक्त पुस्तक की कीमत सिर्फ 200 रुपये होगा, लेकिन कमीशन की खेल बाजी में उक्त पुस्तक की कीमत बुक डिपो तक पहुंचते ही 400 रुपए का आंकड़ा पार कर जाता है। परवेज अहमद पप्पू ने इस विषय पर चिंता करते हुए शिक्षा विभाग ऐसे स्कूलों, बुक डिपो और पुस्तक कंपनी पर अंकुश लगाते हुए उचित कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

सुविधा — मुख्यमंत्री ने प्रवासी श्रमिक महिलाओं तथा बच्चों की विशेष देखभाल के दिए हैं निर्देश

प्रवासी श्रमिक माताओं का सुरक्षित प्रसव, दो कन्याओं का जन्म

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ की सीमा में प्रवेश के बाद आज दो प्रवासी गर्भवती श्रमिक माताओं ने सुरक्षित प्रसव के जरिये स्वस्थ कन्याओं को जन्म दिया। दोनों ही माताएं अलग-अलग समय में अपने परिजनों के साथ राजनांदगांव जिले के बागनदी बार्डर पहुंची थीं, जहां उन्हें प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। प्रशासन ने उन्हें तुरत स्वास्थ्य केन्द्रों में पहुंचाकर सुरक्षित प्रसव का इंतजाम किया।

मूलतः कटई बेमेतरा निवासी श्रीमती त्रिवेणी साहू ने बागनदी बार्डर के उप स्वास्थ्य केन्द्र में बच्ची को जन्म दिया। वहीं महाराष्ट्र के पुणे से आई 28 वर्षीय सुरेखा पति कुमार सिंह निषाद ने छुरिया स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बच्ची को जन्म दिया। छत्तीसगढ़ की सीमा में सुरेखा को प्रसव पीड़ा शुरु होने पर उन्हें पहले निकट के अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से सीएचसी छुरिया भेजा गया। सुरेखा मूलतः दुर्ग जिले के सुखरीकला गांव की निवासी है।

दोनों ही मामलों में सुरक्षित प्रसव कराने में राजनांदगांव जिले के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने तत्परता से कार्य किया। जिला कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य ने स्वयं स्वस्थ्य केन्द्र पहुंचकर जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य की जानकारी ली।

छत्तीसगढ़ की विभिन्न सीमाओं से हर रोज प्रवेश कर रहे हजारों मजदूरों को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए शासन ने बसों के इंतजाम किए हैं। बसों की रवानगी से पहले मजदूरों के भोजन-पानी, चरणपादुका के प्रबंध के साथ-साथ उनका स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जाता है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किए हैं कि प्रवासी श्रमिक परिवारों में शामिल महिलाओं तथा बच्चों के स्वास्थ्य की विशेष देखभाल की जाए। क्वारेंटीन सेंटर में भी उनका विशेष ध्यान रखा जाए।

पापुनि के पूर्व महाप्रबंधक अशोक चतुर्वेदी को सुप्रीम कोर्ट से राहत

■ लॉकडाउन में भी ईओडब्ल्यू/एसीबी में दर्ज एफआईआर पर लगाई रोक

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के तत्कालीन महाप्रबंधक अशोक चतुर्वेदी को बड़ी राहत प्रदान की है। कोरोना काल में चतुर्वेदी के विरुद्ध ईओडब्ल्यू/एसीबी रायपुर में हुए दो एफआईआर 16/2020 एवं 19/2020 दर्ज हुई थीं। इन दोनों केसों के विरूद्ध याचिका पर सर्वोच्च न्यायलय की तीन जजों की खंडपीठ जिसमे न्यायमूर्ति ए. एम. खानविलकर, न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी एवं न्यायमूर्ति संजीव खन्ना के समक्ष मंगलवार को सुनवाई हुई।

मामले की गंभीरता को समझते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने दोनों एफआईआर 16/2019 एवं 19/2020 पर स्थगन आदेश पारित किया है। सर्वोच्च न्यायालय की खंडपीठ ने निर्देश दिया है कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में मामले की सुनवाई तक किसी भी प्रकार से याचिकाकर्ता को परेशान ना किया जाए। याचिकाकर्ता के वकीलों ने बताया कि राज्य के बड़े उच्चाधिकारियों के दबाव में दुर्भावनावश बार बार एफआईआर की जा रही है। इसे सर्वोच्च न्यायालय ने गंभीरता से लेते हुए स्थगन आदेश जारी किया है।

सर्वोच्च न्यायालय की खंडपीठ को यह भी बताया गया कि तीन मामलों में पूर्व में उच्च न्यायालय से अंतरिम राहत दिए जाने के बावजूद अवमानना करते हुए एफआईआर पंजीबद्ध किया गया जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने अवमानना याचिका की बात भी कही है। याचिकाकर्ता ने प्रदेश के तीन अफसरों को उत्तरवादी बनाते हुए गम्भीर आरोप लगाए हैं। मामले की पैरवी सुप्रीम कोर्ट के सीनियर अधिवक्ता मुकुल रोहोतगी एवं उनके साथी अधिवक्ता अभिनव श्रीवास्तव, आशुतोष पाण्डेय, शशांक ठाकुर, ए.व्ही.श्रीधर एवं हिमांशु सिन्हा ने की।

खाते में आई मजदूरी निकालने बैंक जाने की जरूरत नहीं

मनरेगा और बैंक सखी का 'कन्वर्जेंस' : बैंक सखी द्वारा कार्यस्थल पर ही श्रमिकों को जरूरत के मुताबिक नगद भुगतान

■ पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री सिंहदेव की पहल पर

■ मनरेगा श्रमिकों के लिए कार्यस्थल पर ही नई सुविधा

रायपुर। यूं तो 'कन्वर्जेंस (Convergence)' शब्द मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना) के लिए नया नहीं है। मनरेगा और अलग-अलग विभागों की योजनाओं के 'कन्वर्जेंस' (अभिसरण) से अनेक काम होते रहे हैं और हो भी रहे हैं। छत्तीसगढ़ में मनरेगा के साथ एक नया 'कन्वर्जेंस' जुड़ गया है। यहां ऐसी व्यवस्था की जा रही है कि श्रमिकों के खाते में आई मजदूरी की राशि को निकालने उन्हें बैंक नहीं जाना पड़ेगा। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत गांव-गांव में काम कर रहीं बैंक सखी कार्यस्थल पर पहुंचकर जरूरत के मुताबिक नगदी उनके हाथों में सौंप देंगी।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव की पहल पर मनरेगा श्रमिकों के लिए इस नई सुविधा की शुरूआत सरगुजा जिले में हो चुकी है। अंबिकापुर विकासखंड की दो ग्राम पंचायतों सोहगा और बकालो में बैंक सखी ने सवेरे-सवेरे कार्यस्थल पर पहुंचकर श्रमिकों के खाते में अंतरित मजदूरी राशि का नगद भुगतान किया। वर्तमान कठिन परिस्थितियों में यह मजदूरों के लिए बेहद राहत भरा कदम है। कोविड-19 के चलते लागू लॉक-डाउन के कारण परिवहन सेवाएं बंद हैं। ऐसे में वनांचलों और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों के लिए बैंकों तक पहुंचना बहुत परेशानी भरा है। मनरेगा कार्यस्थल पर बैंक सखी की मौजूदगी ने इस मुश्किल को दूर कर दिया है। सरगुजा जिले में अभी संचालित 1751 मनरेगा कार्यों में 88 हजार 746 मजदूर काम कर रहे हैं।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव दूर-दराज के गांवों में बैंकिंग सेवाएं देने वाली बैंक सखी के कार्यों की कई बार सराहना कर चुके हैं। हाल ही में वीडियो कॉन्फ्रेंस से उन्होंने कई बैंक सखियों से सीधे बातकर उनकी हौसला अफ्जाई भी की है। मनरेगा कार्यस्थलों पर बैंक सखी के माध्यम से नगद भुगतान पर उन्होंने कहा कि यह मजदूरों के लिए बहुत सुविधाजनक है। खासतौर से उन क्षेत्रों में जहां बैंकों की संख्या कम है और गांव से दूर बैंक तक बार-बार जाना समय और श्रमसाध्य होने के साथ खर्चीला भी है। लॉक-डाउन के कारण परिवहन सेवाओं पर बंदिश से बैंकों तक पहुंचना अभी और भी मुश्किल है। श्री सिंहदेव ने कहा कि कार्यस्थल पर मजदूरी राशि के भुगतान से कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव में भी मदद मिलेगी। इससे वे बैंकों की भीड़ और लाइन में लगने की असुविधा से बचेंगे। बैंक पहुंचने पर कई बार लिंक-फेल हो जाने या अत्यधिक भीड़ के कारण खाताधारकों का काम नहीं हो पाता और उन्हें दूसरे दिन दोबारा जाना पड़ता है। इस तरह की परेशानियों से भी उन्हें जूझना नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आगामी 21 मई को सरगुजा जिले में कार्यरत सभी 73 बैंक सखियों के माध्यम से मनरेगा कार्यस्थलों पर श्रमिकों को नगद आहरण की सुविधा दी जाएगी। बैंक सखियों का रोस्टर बनाकर अलग-अलग कार्यस्थलों पर अलग-अलग दिन यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि लॉक-डाउन के बाद से सरगुजा जिले में मनरेगा श्रमिकों को कुल सात करोड़ रूपए का मजदूरी भुगतान किया जा चुका है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत ग्रामीण इलाकों में काम कर रहीं बैंक सखी पेंशन, मनरेगा व प्रधानमंत्री आवास योजना की मजदूरी और किसान क्रेडिट कॉर्ड की राशि का भुगतान कर रही हैं। बुजुर्गों और दिव्यांगों के घर तक जाकर उनकी जरूरत की रकम मुहैया करा रही हैं। बैंक सखियों के माध्यम से बैंकिंग सेवाएं गांव और जरूरतमंदों के घर तक पहुंच रही हैं। इससे उन्हें छोटे-मोटे लेन-देन के लिए बार-बार बैंकों तक जाना नहीं पड़ रहा है। बैंक सखियों ने सरगुजा जिले में लॉक-डाउन अवधि में सात करोड़ 18 लाख रूपए का वित्तीय लेन-देन किया है।

लॉकडाउन में ड्यूटी के साथ रक्तदान कर समाज सेवा कर रही कोरिया पुलिस

बैकुंठपुर। बैकुंठपुर जिला हॉस्पिटल में एक मामला सामने आये जिनमे लॉक डाउन होने के कारण मरीजों के परिजन जिला हॉस्पिटल नही आ पाए वहीं जब इसकी सूचना कोरिया पुलिस को मिली तो मरीजों का हर सम्भव मदद करने की बात पुलिस अधिकारियों ने की । जहा ड्यूटी में पदस्थ पंकज तिवारी को फ़ोन द्वारा सूचना प्राप्त हुई की जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र केल्हारी की एक बच्ची जो सिकलिंग नामक गंभीर बीमारी से पीड़ित है को क्ब+1द्द ब्लड की आवश्यकता है कि सूचना पर इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक कोरिया को दी गई जहा मुख्यालय में पदस्थ जवान धर्मेन्द्र पटेल ने तत्काल तत्परता दिखाते हुए जिला अस्पताल आकर रक्तदान किया गया।

विरामगाम चांपा स्पेशल श्रमिक ट्रेन से पहुंचे जिले के 448 श्रमिक और यात्री

■ स्पेशल ट्रेन की व्यवस्था करने के लिए श्रमिकों ने छत्तीसगढ़ सरकार का जताया आभार

जांजगीर-चांपा। विरामगाम (गुजरात) से विशेष श्रमिक ट्रेन का आज शाम 06.35 बजे चांपा आगमन हुआ। लाक डाउन के कारण गुजरात में पिछले करीब दो माह से फंसे और परेशान श्रमिकों ने सकुशल गृह जिला पहुचने की व्यवस्था और संवेदनशील मदद के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का धन्यवाद ज्ञापित कर उनके प्रति आभार जताया। इसे ट्रेन से जांजगीर चांपा जिले के 448यात्री आए। इसके अलावा अन्य दस जिले के श्रमिक यात्रियो को मिलकार कुल 803 यात्री चांपा स्टेशन पर उतरे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल पर लाकडाउन में फंसे छत्तीसगढ़ के श्रमिकों को वापस लाने के लिए श्रमिक स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। ट्रेन के प्लेटफार्म पहुचने पर जिला पंचायत सीईओ श्री तीर्थराज अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्रीमती लीना कोसम सहित उपस्थित अधिकारियो व कर्मचारियो ने तालिया बजाकर

श्रमिकों का स्वागत किया और उनका मनोबल बढ़ाया।

कलेक्टर श्री जनक प्रसाद पाठक के मार्गनिर्देशन में ट्रेन के चांपा पहुंचने के पहले रेलवे प्लेटफार्म को सेनेटाइज किया गया। आगंतुक सभी यात्रियों को बाजोरिया फाउण्डेसन और चांपा सेवा संस्थान द्वारा प्लेटफार्म में ही भोजन उपलब्ध कराया गया। ट्रेन से शारीरिक दूरी का पालन करते हुए क्रमशः श्रमिकों को उतारा गया। खंडवार बने स्वास्थ्य विभाग के स्टाल में थर्मल स्केनिंग और स्वास्थ जांच कर श्रमिकों को नियत बसों में बैठाया गया और गंतब्य के लिए रवाना किया गया।

परसाही बाना के अशोक कुमार, नरियरा के शिशुपाल ने बताया कि लाकडाउन के कारण गुजरात के अहमदाबाद के पास रामनगर में फंसे अकलतरा पामगढ़ क्षेत्र के 25 से अधिक श्रमिक अपने गृह जिला जांजगीर पंहुचकर राहत महसूस की। उनकी परेशानी का अंत हुआ। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा श्रमिक स्पेशल ट्रेन की व्यवस्था करने पर धन्यवाद दिया। उन्होनें बताया कि नवंबर माह से गुजरात के रामनगर में ईट बनाने के काम से गए थे। मार्च माह के बाद वापस आने की तैयारी थी। लाकडाउन होने के कारण काम बंद हो गया। वापस आने की व्यस्था नहीं हो पा रही थी। परिवार से दूर होने के कारण मानसिक परेशानी का समाना करना पड़ रहा था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ग्रामीण इलाकों में हर घर...

जलसंसाधन मंत्री रविंद्र चौबे, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरू रूद्रकुमार, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, जल संसाधन और लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव अविनाश चंपावत भी इस अवसर पर उपस्थित थे। केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने जल जीवन मिशन के लिए हर संभव सहयोग उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि हर घर पानी पहुंचाने के कार्य में कैम्पा, मनरेगा और 15 वें वित्त आयोग से मिलने वाली राशि का उपयोग किया जा सकेगा। कृषि एवं जल संसाधन मंत्री रविन्द्र चौबे ने केन्द्रीय मंत्री शेखावत से बोधाघाट परियोजना को जल्द स्वीकृति दिलाने तथा छत्तीसगढ़ और ओडिशा के मध्य जल विवाद हल करने में सहयोग का आग्रह किया। कहा कि बस्तर क्षेत्र में गांवों तक सिंचाई जलाशयों से पानी लाने की व्यवस्था करनी होगी।

987 करोड़ के ...

का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्हों ने साफ शब्दों में चेता दिया कि विभागीय सभी कार्यों के पूर्ण होने व पूरी तरह गुणवत्ता स्तर की जांच-परख किये बिना ठेकेदार को अंतिम भुगतान नहीं किया जाए। स्थल निरीक्षण के दौरान उनके साथ विभागीय सचीव से लेकर ईएनसी श्री भतपहरी और एक्सप्रेस वे निर्माण की पूरी टीम थी।

राजनांदगांव-कोरबा में...

लौटकर आया था तथा क्वारंटाइन सेंटर में रुका हुआ था। जबकि राजनांदगांव से पॉजिटिव पाए गए मरीज मुंबई से लौटकर आए थे। इसके साथ ही प्रदेश में कोरोना के कुल मामलों का आंकड़ा बढ़कर 100 हो गया है। उल्लेखनीय है कि कोरबा जिले में इससे पहले कोरोना के 28 मरीज सामने आए थे, जो एम्स रायपुर से स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज कर दिए गए थे। जबकि राजनांदगांव से एक मरीज आया था। उसका इलाज राजनांदगांव के ही जिला अस्पताल में हुआ था। मंगलवार को ये नए केस आने से पूर्व तक दोनों जिलों से कोई मरीज नहीं था, लेकिन अब इन दोनों जिलों में फिर से मरीज आए हैं।

छग से तीन राज्यों के...

बिलासपुर नोडल स्टेशनः यहां से बिलासपुर, बलरामपुर, जांजगीर-चांपा, जशपुर, कोरिया, कोरबा, मुंगेली, रायगढ़, सूरजपुर, सरगुजा तथा गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में लॉकडाउन की वजह से फं से उत्तराखंड एवं हिमांचल प्रदेश के प्रवासी श्रमिक सवार होंगे।

ओडीएफ सर्वे में...

ओडीएफ प्लस प्लस परीक्षण में खुले में शौच नहीं जाने, सार्वजनिक सह सामुदायिक शौचालय में सुविधाओं की उपलब्धता के साथ-साथ सेप्टिक टैंक से निकलने वाले फिकल स्लज के सुरक्षित वैज्ञानिक निपटान की स्थिति का निरीक्षण किया जह्याता है। साथ ही आज शहरों की गारबेज फ्री स्टॉर रेटिंग प्रोटोकॉल के नतीजे नेशनल मीडिया सेंटर से ऑनलाईन प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से जारी किए गए हैं, जिसमें स्टॉर रेटिंग में छत्तीसगढ़ देश के प्रथम दो राज्यों में शामिल हुआ हैं। राज्य के अंबिकापुर शहर को 5 स्टॉर, पाटन, राजनांदगांव, बिलासपुर, भिलाई, रायगढ़, जशपुर, बारसूर और सारागांव शहरों को 3 स्टॉर रेटिंग प्राप्त हुई। इसके अलावा बरमकेला, बेरला, चिखलाकसा, कटघोरा, पखांजूर आदि शहरों को 1 स्टॉर रेटिंग प्राप्त हुई है।

किसानों को मिलेंगे....

की राशि चार किश्तों में सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की जाएगी। देश में यह अपने तरह की एक बड़ी योजना है। योजना के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सहित प्रदेश के मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि और किसान वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए शामिल होंगे।

मक्का व धान के लिए प्रति एकड़ 10 हजार रु. : इस योजना के जरिए खरीफ2019 से धान तथा मक्का लगाने वाले किसानों को सहकारी समिति के माध्यम से उपार्जित मात्रा के आधार पर अधिकतम 10 हजार रुपए प्रति एकड़ की दर से अनुपातिक रूप से आदान सहायता राशि दी जाएगी। धान फसल के लिए 18 लाख 34 हजार 834 किसानो को प्रथम किश्त के रूप में 1500 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की जाएगी।

गन्ना किसानों को 355 रुपए प्रति क्विंटल : इसी तरह गन्ना फसल के लिए पेराई वर्ष 2019-20 में सहकारी कारखाना द्वारा क्रय किए गए गन्ना की मात्रा के आधार पर एफआरपी राशि 261 रुपए प्रति क्विंटल और प्रोत्साहन एवं आदान सहायता राशि 93.75 रुपए प्रति क्विंटल अर्थात अधिकतम 355 रुपए प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जाएगा। इसके तहत प्रदेश के 34 हजार 637 किसानों को 73 करोड़ 55 लाख रूपए चार किश्तों में मिलेगा। जिसमें से प्रथम किश्त 18 करोड़ 43 लाख 21 मई को हस्तांतरित की जाएगी।

गन्ना किसानों को 50 रुपए प्रतिक्विंटल बोनस भी

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा इसके साथ ही वर्ष 2018-19 में सहकारी शक्कर कारखानों के माध्यम से खरीदे गए गन्ना की मात्रा के आधार पर 50 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रोत्साहन राशि (बकाया बोनस) भी प्रदान करने जा रही है। इसके तहत प्रदेश के 24 हजार 414 किसानों को 10 करोड़ 27 लाख रुपए दिया जाएगा।

अम्फान से अनर्थ...

रही है। मौसम विभाग के प्रमुख मृत्युंजय महापात्रा ने बताया है कि अम्फान साइक्लोन साल 1999 के बाद बंगाल की खाड़ी में आया दूसरा सुपर साइक्लोन है। इसकी हवा की रफ्तार 200 से 240 किलोमीटर प्रतिघंटा है और यह उत्तर और उत्तर पश्चिम दिशा की ओर से बढ़ रहा है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि इसके असर से ओडिशा के पुरी, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर और खुर्दा जिलों के कई इलाकों में हल्की बारिश हुई है और धीरे-धीरे हवा की गति और बारिश की अधिकता बढ़ सकती है।

बस्तर-रायपुर-दुर्ग संभाग...

हालांकि इस प्रचंड तूफान का ज्यादा असर प्रदेश के मौसम पर नहीं पड़ेगा। फिर भी बस्तर सहित रायपुर, दुर्ग संभाग के कुछ जिले इससे प्रभावित हो सकते हैं।

संवाद दफ्तर में...

हाथ धोने लगते हैं। मुंह पर मास्क पहले से होने और बार-बार हाथों को सेनिटाइज करने से संक्रमण का खतरा कम हो जाता है। उल्लेखनीय है कि दुनियाभर के हेल्थ एक्सपर्ट कह चुके हैं सांस व हाथों के जरिए कोरोना फैलने का खतरा ज्यादा होता है।

हेड कॉन्स्टेबल से एएसआई एम में पदोन्नति का रास्ता साफ

डीजीपी श्री अवस्थी ने 15 दिन में पदोन्नति के दिये निर्देश

रायपुर। डीजीपी श्री डीएम अवस्थी ने हेड कॉन्स्टेबल से एएसआई-एम के पद पर पदोन्नति के निर्देश दिए हैं। सभी रेंज आईजी को उक्त पदोन्नति 15 दिन के अंदर करने के निर्देश गए हैं। आदेश से राज्य के 278 विभागीय पदोन्नति परीक्षा उत्तीर्ण हेड कांस्टेबल की पदोन्नति का रास्ता साफ हो गया है। पुलिस मुख्यालय द्वारा प्राप्त किये गए विधिक अभिमत के अनुसार छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रतिस्थापित नये नियम के बिना नियमित पदोन्नति की कार्रवाई की जा सकती है। जारी निर्देश में कहा गया है कि सभी रेंज में वर्ष 2018 के विभागीय पदोन्नति परीक्षा उत्तीर्ण 278 प्रधान आरक्षक उपलब्ध हैं। वर्तमान में रायपुर रेंज में 15, दुर्ग रेंज में 119, बिलासपुर रेंज में 33, सरगुजा रेंज 72 और बस्तर रेंज में 39 हेड कॉन्स्टेबल विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं। श्री अवस्थी ने निर्देश जारी किए हैं कि उक्त विभागीय पदोन्नति परीक्षा उत्तीर्ण हेड कॉन्स्टेबल को एएसआई अ पद पर नियमित पदोन्नति प्रदान की जाए।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

क्र. 1) निविदा सूचना संख्या सीनी. डीईई-जी-आर-ओटीपी-20-21-01, दिनांक 08.05.2020. ... निविदा मूल्य: रु 30,04,542. ईएमडी: रू.60,100.

क्र.2) निविदा सूचना संख्या सीनी. डीईई-जी-आर-ओटीपी-20-21-02, दिनांक 08.05.2020. ... 33/11 केवी सब स्टेशन का नवीनीकरण. निविदा मूल्य: रु 44,14,017. ईएमडी: रू.88,300.

क्र.2) निविदा सूचना संख्या सीनी. डीईई-जी-आर-ओटीपी-20-21-02, दिनांक 08.05.2020. ... निविदा मूल्य: रु 2,22,525. ईएमडी: रू.4,500. निविदा प्रस्तुत करना: 11.45 बजे तक दिनांक 15.06.2020.

... www.ireps.gov.in ...

South East Central Railway @secrail

NOTICE UNDER SECTION 72 OF INDIAN PARTNERSHIP ACT 1932

Be it known to all that the Partnership firm M/s. **"HIRA MOTORS" NEAR ALLAHABAD BANK G.E. ROAD MAIN ROAD, TELIBANDHA DIST. RAIPUR (C.G.)** having Registration No. **222202021214** has undergone changes by which **MR. SUMIT MARWAH S/O RADHA RAMAN MARWAH & NAMITA MARWAH W/O SUMIT MARWAH** Has entered the Partnership as new partners, without any objection of old partners **MR. KAILASH BAJAJ S/O CHETAN DAS BAJAJ & MRS. RITU BAJAJ W/O KAILASH BAJAJ** Hence above all four partners will continue the firm and accordingly made the new partnership deed on **01/10/2018**

Kailash Bajaj
For, M/s " HIRA MOTORS "
(Partner)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-1, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email ID-eocghbzone1@gmail.com

आम सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा टाटीबंध रायपुर में निर्मित ढांचा योजना के अंतर्गत, भवनों में से भवन क्रमांक ढांचा-558 में श्री महेन्दर सिंग उर्फ मोहिन्दर सिंग पिता श्री गुरूदेव सिंग को स्ववित्तीय/ एकमुश्त/ ऑफर आधार पर आबंटित/ नामांतरित किया गया है। उनके द्वारा दि. 7.6.2011 को लीजडीड/ सेलडीड/ विक्रय विलेख पंजीकृत करा लिया गया है। मूल आबंटी द्वारा उक्त भवन श्रीमती नेमीन साहू पति श्री मनोज कुमार साहू के पक्ष में दिनांक 25.1.2019 को विक्रय कर दिया।

तदउपरांत क्रेता द्वारा उक्त भवन/भूखण्ड अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति, सहमति पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन क्रेता श्रीमती नेमीन साहू पति श्री मनोज कुमार साहू के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय/ वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/ भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर स्वतः उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेंगी, एवं भवन का नामांतरण आदेश जारी कर दिया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-4, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. 0771-2436320
email ID: eocghbzone4@gmail.com

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल आवास योजनांतर्गत, खम्हारडीह, रायपुर में स्थित एलआईजी फ्लैट क्र.-192/ब्लाक-08/ षष्ठम तल, श्री जितेन्द्र भोयर पिता श्री दशरथ राव भोयर के नाम पर स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया है। आबंटी द्वारा दिनांक 07.09.2007 को लीजडीड पंजीकृत उपरांत पूर्ण मूल्य जमा कर दिनांक 21.11.2011 को आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया है। वर्तमान में आबंटी श्री जितेन्द्र भोयर पिता श्री दशरथ राव भोयर, निवासी- मस्जिद के सामने, संजय नगर, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त फ्लैट को क्रेता श्रीमती लता साव पति श्री कान्तेश साव, निवासी- शंकर नगर, नियर बॉटल हाउस रायपुर (छ.ग.) को विक्रय करने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त फ्लैट के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-4, रायपुर

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक ! | **punjab national bank** ...the name you can BANK upon !

w.e.f. 01-04-2020 Erstwhile ओ.बी.सी.

वसूली, समाधान एवं विधि विभाग : ओ.बी.सी. रोड रायपुर,
द्वितीय तल, जीत टावर, राजकुमार कॉलेज के सामने, जी.ई. रोड रायपुर छत्तीसगढ़
पिन/PIN-492013, दूरभाष/Tel: 0771-4700831 ई मेल/E mail – rrl_7661@obc.co.in

नोटिस

इस नोटिस के द्वारा श्री ललित कुमार शुक्ला पुत्र श्री गंगा सागर शुक्ला मालिक मेसर्स जी एस एंटरप्राइजेस निवासी मकान नंबर 37 / 430, बैजनाथपारा, रमन ड्राइक्लीनर के पास, नेशनल टेलर के सामने, रायपुर एवं श्री राहुल कुमार शुक्ला पुत्र श्री ललित कुमार शुक्ला निवासी मकान नंबर 37 / 430, बैजनाथपारा, रमन ड्राइक्लीनर के पास, नेशनल टेलर के सामने, रायपुर को सूचित किया जाता है कि आपके द्वारा हमारी सुंदर नगर शाखा से एक करोड़ साठ लाख रुपये का लोन लिया गया था जिसकी एवज में संपत्ति (विवरण: श्री ललित कुमार शुक्ला पुत्र श्री गंगा सागर शुक्ला के स्वामित्व की भूमि व भवन जो कि मकान नंबर ए / 19, रवि नगर कोपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, राजा तालाब, रायपुर, कुल-2658 वर्ग गज पर स्थित है) बैंक के समक्ष बंधक रखी गयी थी तथा लोन राशि का भुगतान करने में आप असमर्थ रहे इसलिए आपकी संपत्ति जिसका भौतिक कब्जा दिनांक 19.04.2018 को कानूनी प्रक्रिया (सरफेसी अधिनियम) के तहत तहसीलदार महोदय द्वारा जिला अधिकारी रायपुर के निर्देशानुसार प्राधिकृत अधिकारी, ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स (अब "पंजाब नेशनल बैंक" 01.04.2020 से) वसूली समाधान एवं विधि विभाग रायपुर को सौंपा गया था। उपरोक्त संपत्ति की नीलामी कानूनी प्रक्रिया (सरफेसी अधिनियम) के तहत 12.12.2019 को की जा चुकी है। आपको इस नोटिस के द्वारा यह सूचित किया जाता है कि आप उपरोक्त संपत्ति के अंदर रखे अपने समस्त सामान (अगर है तो) जो की बैंक में बंधक नहीं है, प्राधिकृत अधिकारी की अनुमति से 07 दिन के भीतर ले जावें अन्यथा बैंक उस सामान को बैंक की नीति के अनुसार निपटाने हेतु स्वतंत्र होगी।

नोट: किसी भी तरह की विवाद की स्थिति में इसका अंग्रेजी विज्ञापन जो कि 'दि टाइम्स ऑफ इंडिया' अखबार में दिनांक 19.05.2020 को प्रकाशित है, मान्य होगा

कार्यालय कलेक्टर, जिला- बीजापुर, छत्तीसगढ़
अल्पकालिक प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना
(जिला निर्माण समिति)

निविदा क्र. /22 बीजापुर, दिनांक 15/05/2020

कलेक्टर, एन.एम.डी.सी., सी.एस.आर. मद अंतर्गत स्वीकृत कार्य को जिला निर्माण समिति के माध्यम से लोक निर्माण विभाग में दिनांक 01.01.2015 से प्रचलित एस.ओ.आर. (भवन निर्माण कार्य के लिए) दर प्रतिशत दर के आधार पर तथा लोक निर्माण विभाग में एकल पद्धति से पंजीकृत एवं पात्र ठेकेदारों से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का नाम	कार्य स्थल	कार्य की अनुमा. लागत राशि (रु. लाख में)	अमानत राशि
01	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में मरीजों के परिजनों के रूकने हेतु बर्थ वेटिंग रूम निर्माण कार्य।	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नेलसनार	20.00	15000.00
02		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भैरमगढ़।	20.00	15000.00
03		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गंगालूर।	20.00	15000.00
04		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आवापल्ली।	20.00	15000.00

महत्वपूर्ण निर्देश :-

निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि - 27.05.2020 सायं 5.00 बजे तक
निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि - 09.06.2020 अपरान्ह 3.00 बजे तक
निविदा खोलने की अंतिम तिथ - 09.06.2020 अपरान्ह 3.30 बजे तक
टेंडर फार्म का मूल्य - 750.00 प्रति फार्म
कार्य पूर्ण करने की समय सीमा - 08 माह वर्षा ऋतु सहित
ठेकेदारों की श्रेणी - डी-श्रेणी या उससे ऊपर

निविदा प्रपत्र कलेक्टर कार्यालय जिला निर्माण समिति शाखा बीजापुर में आवेदन के साथ ऊपर दर्शाए अनुसार निविदा प्रपत्र के मूल्य का डिमाण्ड ड्राफ्ट जो कि कलेक्टर बीजापुर के नाम से एवं बीजापुर में देय हो (जो वापसी योग्य नहीं है) एवं निम्न अभिलेख प्रस्तुत करने के उपरांत उपरोक्तानुसार तिथि तक कार्यालयीन दिवसों में प्राप्त किया जा सकेगा। 1. आयकर एवं वाणिज्यकर चुकता प्रमाण पत्र। 2. वैध बैंक साल्वेंसी। 3. विगत तीन वर्षों से अनुबंधित समस्त पूर्ण अपूर्ण कार्यों की सूची। 4. गौण खनिज चुकता प्रमाण पत्र जिलाध्यक्ष से प्राप्त करना अनिवार्य है। 5. श्रमिक पंजीयन प्रमाण पत्र।
टीप :- निर्माण के संबंध में अन्य आवश्यक विशेष नियम व शर्तों की जानकारी वेबसाईट www.bijapur.gov.in पर उपलब्ध है।

कलेक्टर
जिला बीजापुर

जी-80835/3

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

आलिया ने कोरोना वॉरियर्स को भेजा सरप्राइज गिफ्ट

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने कोरोना वॉरियर्स का हौंसला बढ़ाते हुये उन्हें सरप्राइज गिफ्ट भेजा है। वैश्विक महामारी जूझ रहे कोराना संक्रमितों की जिंदगी बचाने के लिए कोरोना वॉरियर्स अपनी जान लगा रहे हैं। उनके दिन-रात काम करने और लोगों को बीमारी से जंग के जज्बे को देख आलिया ने अनोखे तरीके से उनका मनोबल बढ़ाया है। आलिया ने कोरोना वॉरियर्स को अपनी तरफ से एक सरप्राइज गिफ्ट भेजा है। इस गिफ्ट के साथ एक स्पेशल मैसेज भी है। मुंबई के एक हॉस्पिटल में काम करने वाले एक डॉक्टर ने आलिया के सरप्राइज और थैंक्यू नोट को सोशल मीडिया पर शेयर किया है। डॉ. श्रीपद गंगापुरकर ने अपने ट्वीटर पर एक तस्वीर शेयर कर आलिया को अपनी ओर से थैंक्यू कहा है। श्रीपद ने जो तस्वीर शेयर की है उसमें गिफ्ट हैंपर में चॉकलेट बार, स्वीट बन, ड्रिंक के साथ स्नैक्स नजर आ रहा है। साथ ही एक पेपर पर थैंक्यू नोट भी लिखा हुआ है। बॉक्स में चिपके नोट पर आलिया ने मैसेज भेजा है कि, थैंक्यू आप जो कुछ भी कर रहे हैं लोगों को स्वस्थ और सुरक्षित रखने के लिए। आप असली हीरो हैं। डॉक्टर श्रीपद ने आलिया भट्ट के इस मनोबल सरप्राइज के बदले अपनी ओर से भी एक मैसेज देते हुए लिखा है कि, ÷धन्यवाद आलिया भट्ट इस स्वीट सरप्राइज के लिए।

रेसलर हल्क के दीवाने थे रणवीर सिंह

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह बचपन में रेसलर हल्क होगन के दीवाने थे। रणवीर सिंह सोशल मीडिया पर इन दिनों काफी एक्टिव हैं। रणवीर ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर बचपन की एक फोटो शेयर किया है। तस्वीर में रणवीर रेसलर हल्क होगन की तरह पोज देते नजर आ रहे हैं। तस्वीर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि रणवीर हल्क होगन के कितने बड़े फैन हैं। रणवीर ने इस तस्वीर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, ÷आप क्या करेंगे, जब हल्कमेनिया का खुमार आप पर चढ़ जाएगा। वह समय जब डब्लूडब्लूएफजिंदगी हुआ करती थी। पोस्टर मेरी दीवार पर हुआ करता था।

जायद खान को रिलांच करेंगे संजय खान

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता और फिल्मकार संजय खान अपने बेटे जायद खान को रिलांच करने के लिये फिल्म बनाने जा रहे हैं। 'द सोर्ड ऑफ़टीपू सुल्तान' जैसी कामयाब टीवी सीरीज़ बनाने वाले संजय ख़ान एक बार फिर निर्देशन में लौट रहे हैं। वह बेटे ज़ायद ख़ान को लेकर फिल्म का निर्माण-निर्देशन करने वाले हैं, जिसकी कहानी भारत-पाकिस्तान के बीच हुए पहले युद्ध पर आधारित होगी। बताया जा रहा है कि संजय भारत-पाक युद्ध के वॉर हीरो ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान पर फिल्म बना रहे हैं। संजय खान ने कहा ,÷मैं स्क्रिप्ट पर मेहनत कर रहा हूं, क्योंकि मैं इसे जितना सम्भव हो सके, उतना विश्वसनीय बनाना चाहता हूं। मैं भारतीय सेना की बहादुरी दिखाना चाहता हूं कि पर्याप्त हथियार ना होते हुए भी वे कितनी बहादुरी से लड़े थे। ब्रिगेडियर की कहानी साहस और उसूलों जैसे सिद्धांतों की दास्तां है। अभिनेता ने कहा ,÷जायद फिल्म इंडस्ट्री के सबसे हैंडसम सितारों में से एक हैं।

अनिल कपूर ने सोशल मीडिया पर बतायी अपनी लवस्टोरी

मुंबई। बॉलीवुड के मिस्टर इंडिया अनिल कपूर ने अपने प्रशंसकों के बीच सोशल मीडिया पर अपनी लवस्टोरी शेयर की है। अनिल कपूर और उनकी पत्नी सुनीता कपूर बॉलीवुड में पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। 19 मई को अनिल कपूर और सुनीता कपूर की शादी की सालगिरह है, जिसे लेकर अनिल काफी एक्साइटेड भी नजर आ रहे हैं। सालगिरह के जश्न से पहले अनिल कपूर ने सुनीता कपूर के साथ अपना एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि उन्होंने सुनीता कपूर को कैसे प्रपोज किया था। अनिल ने वीडियो में कहा कि मैंने करियर और प्यार में से अपने प्यार को चुना। लोग वेडिंग एनिवर्सरी मनाते हैं, जबकि वे प्रपोजल एनिवर्सरी मनाते हैं। अनिल कपूर ने सुनीता कपूर के साथ शेयर किये अपने वीडियो में कहा, 17 मई की रात, यह एक लंबी लव स्टोरी की शुरुआत थी। मैंने एक जरूरी फिल्म साइन की थी, जो कि मेरे करियर के लिए बड़ा स्टेप था और 18 मई को भी मैंने एक बड़ा कदम उठाया। मैंने अपनी गर्लफ्रेंड सुनीता को प्रपोज किया और उनके मेरी पत्नी बनने के बारे में पूछा। हे भगवान, मैं बहुत तनाव में था। मैं इस चीज को बार-बार आगे बढ़ा रहा था।

वेब सीरीज भ्रम में नये किरदार में होंगे सन्नी

सावधान इंडिया, क्राईम पेट्रोल जैसे सीरियल में कर चुके हैं काम

रायपुर (नव प्रदेश)। मराठी रंग मंच से अपनी कला की शुरुआत करके कई चर्चित हिन्दी सीरयल में भी रहे सन्नी मनियान पिल्लई निर्देशक विठ्ठल वेतुरकर के अपकमिंग वेब सीरिज भ्रम में नजर आयेंगे।मूलतः केरल के 29 वर्षीय सन्नी अब दादर मुम्बई में रहते हैं।सन्नी बताते हैं कि मराठी फिल्म प्रेम संकट फ़िल्म में पुलिस का किरदार, भेटलीस का तू पुन्हा, काय रे रसकल्लावा व हिन्दी फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस सिंघम रिटर्न ,माहेरू में रोल किये। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसे में विज्ञापन किये,वेब मूवी रेश्मा द शोले गर्ल जेड फाइव में रहे।इसके अलावा 2 एलबम शूट-धूम तथा ,तेरे बिना,बाल बाला रहा। इसके अलावा हिन्दी और मराठी के चर्चित सिरियल्स में रहे इनके ये रहे सीरियल हिन्दी सीरियल- क्राइम पेट्रोल, सावधान इंडिया, भूतों खटमल ये इश्क,सिद्धि विनायक, आपके आजाने से,क्राइम अलर्ट,फियर फाइल्स, हनुमान, मेरे साईं महादेव। मराठी सीरियल- लक्ष्य, देवयानी,पूंछा पॉल,किती सांगीचय मला,माझ्या नवर्याची बायको, रुद्रम, देवा सपात, बाप मानुस, सरस्वती, जय मल्हार,वितु मौली,संभाजी राजे,दुर्व्या,, सन्त तुकाराम, तू माझा संगति,दुहेरि, लव लग्न लोचा,गर्ल्स हॉस्टल, तुला पहाते रे, प्रेम तुझा रंग कसा, जागो मोहन प्यारे,छतरीवाली,फूल पखरु सहित कई चर्चित सीरियल में रहा।

सीरियल में ज्यादातर पुलिस और विलन का रोल किया और हिन्दी फ़िल्म-सिंघम रिटर्न्स में पुलिस वाले का रोल माहेरु में पुलिस ऑफिसर, चेन्नई एक्सप्रेस में फाइट सीन में रहा हूं।

इटली ने खेल गतिविधियां 14 जून तक स्थगित की

रोम (वार्ता)। इटली सरकार ने देश भर में कोरोना के खतरे को देखते हुए खेल गतिविधियां 14 जून तक स्थगित कर दी हैं।

कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए इटली में मार्च में लॉकडाउन की घोषणा की थी जिसके बाद यहां खेल सहित सभी प्रकार की गतिविधियां निलंबित कर दी गयी थी। हालांकि वायरस के काबू में आने पर फुटबॉल क्लब को चार मई से ट्रेनिंग की इजाजत दी गयी थी।

सरकार के नए दिशा निर्देश के अनुसार 14 जून तक खेल गतिविधियां निलंबित करने के आदेश के बाद 13 जून से शुरु होने वाले सीरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट के आयोजन पर फिर संकट के बादल छा गए हैं। यूरोप में गंभीर रूप से प्रभावित देश इटली में इस महामारी के कारण अब तक 32007 लोगों की मौत हुई है और 2,25,886 लोग इससे संक्रमित हुए हैं।

लॉकडाउन के दौरान नई चीजें सीख रहे हैं: हरमनप्रीत सिंह

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उपकप्तान हरमनप्रीत सिंह का कहना है कि उनकी टीम लॉकडाउन के दौरान समय का इस्तेमाल कर नयी चीजें सीख रही है और सोशल मीडिया के जरिए परिवार तथा प्रशंसकों से संवाद कर रही है।

बेंगलुरु (वार्ता)। कोरोना वायरस के कारण देशभर में लागू हुए लॉकडाउन के बीच भारतीय पुरुष तथा महिला हॉकी टीम बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में रुकी हुई है जहां वे खुद को फिट रखने के लिए सामाजिक दूरी का पालन करके फिटनेस अभ्यास कर रहे हैं। इस दौरान टीम के संभावित खिलाड़ी एपलिकेशन का इस्तेमाल कर रहे हैं और इसके द्वारा टीम बैठक और वर्कआउट कार्यक्रम तय करते हैं तथा अपने कार्य को एपलिकेशन के माध्यम से उसमें डालते हैं। हरमनप्रीत ने कहा, ÷मुझे ऐसा लगता है कि हम इस समय का इस्तेमाल कर नयी चीजें सीख रहे हैं। हमारे टीम के ज्यादातर खिलाड़ी गैजेट को पसंद करते हैं और हम सोशल मीडिया के माध्यम से अपने परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों से संपर्क में रहते हैं जैसा हम आम तौर पर हमेशा नहीं कर पाते थे।

टीम के सदस्य लॉकडाउन के दौरान जूम कॉल और गूगल मीट का इस्तेमाल कर टीम बैठक करते हैं। इस पर हरमनप्रीत ने कहा, ÷हमारे सहायक स्टाफ इसी शिविर में हैं जहां टीम ठहरी हुई है। हम व्यक्तिगत बैठक के लिए जूम कॉल एप का इस्तेमाल करते हैं जहां हम अपने खानपान और मैच के बारे में चर्चा करते हैं। हम अब गूगल मीट के सहारे टीम बैठक करते हैं क्योंकि मौजूदा हालात में टीम के खिलाड़ी एक साथ कमरे में नहीं बैठ सकते हैं। हॉकी ट्रेनिंग शुरु करने को लेकर केंद्रीय खेल मंत्रालय और साई के दिशार्निर्देश का इंतजार कर रहे खिलाड़ी मैदान पर वापसी के लिए तैयार हैं। उपकप्तान ने कहा, ÷मेरे ख्याल से हम व्यक्तिगत और टीम के रुप में अपने प्रदर्शन का रोजाना विश्लेषण कर रहे हैं जिससे हमें किस क्षेत्र में सुधार करना है इस बारे में स्पष्टता समझ आ रही है। हरमनप्रीत ने कहा, ÷हमने इस बारे में कोचिंग स्टाफसे भी बात की है। शारीरिक ट्रेनिंग और इंडोर वर्कआउट से हमें यकीन है कि हम अपने फिटनेस को बरकार रख सकते हैं और टीम ट्रेनिंग के लिए तैयार है।

भारतीय महिला टीम की उपकप्तान सविता ने कहा, ÷इससे पहले यह एप ज्यादातर कोचिंग स्टाफ इस्तेमाल करते थे जिसमें वे साप्ताहिक गतिविधियां बनाकर हमें भेजते थे। लेकिन लॉकडाउन के दौरान सामाजिक दूरी का पालन करते हुए गूगल डॉक्स के जरिए वेलनेस डाटा भेजते हैं और गूगल फॉर्म के माध्यम से ट्रेनिंग लोड प्रस्तुत करते हैं जो इस दौरान हमें अपडेट करना अनिवार्य है। इसके अलावा वीडियो कॉल के माध्यम से हम मुख्य कोच और साइंटिफिक सलाहकार से चर्चा करते हैं। टीम ने 2017 में टीम परफार्मेंस विश्लेषण (टीपीए) साफ्टवेयर का इस्तेमाल शुरु किया था और लॉकडाउन के दौरान पिछले दो वर्षों में खेले गए मैच का विश्लेषण करने के लिए इसका ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है।

यूएफा ने 27 मई की बैठक स्थगित की

नियोन। यूरोपियन फुटबॉल नियंत्रण संस्था यूएफा ने अगले वर्ष होने वाले यूरो 2020 फुटबॉल टूर्नामेंट के स्थलों को लेकर उठे मुद्दों के कारण 27 मई को होने वाली अपनी कार्यकारी समिति की बैठक स्थगित कर दी।

यूएफा ने सोमवार को एक बयान जारी कर बताया कि यह बैठक अब 17 जून को होगी। यूरो 2020 चैंपियनशिप को 12 शहरों में होना था लेकिन कोरोना के कारण मार्च में फुटबॉल गतिविधियां स्थगित होने से टूर्नामेंट को अगले वर्ष तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। यूएफा ने कहा कि अगले वर्ष होने वाले यूरो कप 2020 के लिए प्रस्तावित स्थलों की कम संख्या से उठे मुद्दों को देखते हुए बैठक की तारीख में परिवर्तन करना पड़ा है। यूएफा के अध्यक्ष एलेक्जेंडर केफेरिन ने हाल में कहा था कि मेजबान शहरों की संख्या को घटाया जा सकता है। केफेरिन ने नौ शहरों की बात कही थी। यूएफा ने कहा कि तीन शहरों को लेकर कुछ मुद्दे हैं जिन पर आगे विचार-विमर्श किया जाएगा। टूर्नामेंट वैसे तो 12 शहरों में होना है लेकिन यदि ऐसा नहीं होता है तो इसे 10, नौ या आठ शहरों में कराया जा सकता है।

ईरान में टूर्नामेंट से पहले फुटबॉल खिलाड़ियों का होगा कोरोना टेस्ट

तेहरान (वार्ता)। ईरान फुटबॉल लीग संस्था के कार्यकारी प्रमुख सोहेल माहदी ने कहा है कि ईरान में अगले महीने शुरु होने वाले फुटबॉल टूर्नामेंट से पहले खिलाड़ियों को कोरोना वायरस का टेस्ट कराना अनिवार्य होगा। कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए तीन महीने तक स्थगित रही ईरान प्रोफेशनल लीग (आईपीएल) को 11 जून से शुरु किया जाएगा। माहदी ने कहा, ÷ग्रुप ट्रेनिंग में लौटने से पहले सभी टीमों के खिलाड़ियों और तकनीक स्टाफ को एहतियातन कोरोना टेस्ट कराना होगा। हमें उम्मीद है कि ऐसा अगले दो या तीन दिनों में हो जाएगा। उन्होंने साथ ही कहा कि कोई भी खिलाड़ी अगर कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बावजूद टूर्नामेंट में भाग लेता है तो उस पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अतिरिक्त डीआरएस रेफरल अंतरिम आधार पर देने की सिफारिश

दुबई (वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की तकनीकी समिति ने अतिरिक्त डीआरएस रेफरल अंतरिम आधार पर देने की सिफारिश की है। पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले के नेतृत्व वाली तकनीकी समिति ने सिफारिश की है कि हर फॉर्मेट में प्रति पारी अतिरिक्त डीआरएस रेफरल देने में अम्पायरों के बढ़ते पूल को टेक्नोलॉजी की मदद मिलेगी।

रघु के कारण हम तेज गेंदबाजी के खिलाफ बेहतर हुए-कोहली

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान विराट कोहली का मानना है कि थ्रोडाउन विशेषज्ञ डी राघवेंद्र की साइडआर्म से थ्रो करते हुए 150-155 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार हासिल करने से भारतीय बल्लेबाजों को हाल के वर्षों में तेज गेंदबाजी के खिलाफ सुधार करने में काफी मदद मिली।

साइडआर्म एक क्रिकेट उपकरण है जो लंबे चम्मच की तरह होता है और इसके एक हिस्से को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि इससे गेंद को पकड़ा जाए और तेज गति से फेंका जाए। कोहली ने बांग्लादेश के स्टार बल्लेबाज तमीम इकबाल से इंस्टाग्राम लाइव सत्र के दौरान कहा, 'मेरा मानना है कि इस भारतीय टीम ने 2013 से तेज गेंदबाजी का सामना करते हुए जो सुधार दिखाया है वह रघु (राघवेंद्र) के कारण है।'

उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों के फुटवर्क, बल्ले की मूवमेंट को लेकर उसे अच्छी समझ है। उसने अपने कौशल में इतना इजाफा किया है कि साइडआर्म के साथ आसानी से 155 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद फेंक सकता है।' कोहली ने कहा, 'नेट पर रघु का सामना करने के बाद जब आप मैच में जाते हो तो आपको महसूस होता है कि गेंद खेलने के लिए आपके पास काफी समय है।' यह हैरानी भरा नहीं है कि राघवेंद्र वर्षों से भारतीय क्रिकेट टीम के सहयोगी स्टाफ के अहम सदस्य हैं।कोहली ने कहा कि वह कभी भी अपने ऊपर संदेह नहीं करते और बेहद दबाव भरे अंतरराष्ट्रीय मैचों में बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भी ऐसा ही होता है। भारतीय कप्तान ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैच के दौरान मैं कभी अपने ऊपर संदेह नहीं करता। प्रत्येक व्यक्ति की कमजोरियां होती हैं। नकारात्मक पक्ष होते हैं। इसलिए दौरों पर अभ्यास के दौरान अगर आपका सत्र अच्छा नहीं रहा तो आपको लगता है कि आप लय में नहीं हो।

गैर-तटस्थ अम्पायर रखने की सिफारिश

दुबई (वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की तकनीकी समिति ने सभी अंतर्राष्ट्रीय मैचों में गैर-तटस्थ अम्पायर रखने की सिफारिश की है।

पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले के नेतृत्व वाली तकनीकी समिति ने सिफारिश की है कि सभी अंतर्राष्ट्रीय मैचों में गैर तटस्थ अम्पायर रखे जाएं। समिति ने सभी अंतर्राष्ट्रीय मैचों में अम्पायर और मैच रेफरी के आवंटन की मौजूदा व्यवस्था में ढील देने की सिफारिश करते हुए कहा है कि भाग लेने वाले देशों के अधिकारियों को मैच अधिकारियों की जिम्मेदारी दी जाए जिससे अम्पायरों को कोरोना के समय में विदेश यात्रा करने से बचाया जा सके। आईसीसी ने कहा कि कोरोना के कारण कई देशों की अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं बंद हैं, कमर्शियल फ्लाइट्स कम संख्या में उपलब्ध हैं और अनिवार्य क्वारंटीन का पालन करना है, इसलिए समिति सिफारिश करती है कि स्थानीय मैच अधिकारियों को अल्प अवधि के लिए नियुक्त किया जाए।

ये नियुक्तियां आईसीसी द्वारा स्थानीय एलीट और अंतर्राष्ट्रीय पैनल रेफरी तथा अम्पायरों में से की जाएंगी। जिस देश में कोई एलीट पैनल मैच अधिकारी नहीं होगा वहां स्थानीय सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय पैनल मैच अधिकारियों को नियुक्त किया जाए।

■ न्यूज गैलरी

विधायक छाबड़ा के प्रयासों से मिली बेमेतरा को लाखों की सौगात

बेमेतरा/साजा। बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा के प्रयासों से बेमेतरा नगर पालिका परिषद को राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरवा, बारी अंतर्गत कोबिया वार्ड नं.10, सिंघौरी वार्ड नं 13 और वार्ड नं 20 में गौठान निर्माण की स्वीकृति प्रदान हुई है। साथ ही विधायक के प्रयासों से लोक निर्माण विभाग द्वारा देवरबीजा मेन रोड़ से मंडी ग्राउण्ड तक पहुच मार्ग हेतु उन्यासी लाख अस्सी हजार रुपये भी स्वीकृत किये गए है। गौठान बनने वाले तीनों वार्डो में बड़ी संख्या में किसान परिवार निवासरत है, जिन्हें गौठान के माध्यम से लाभ प्राप्त होगा। राज्य शासन ने वार्डो में बनने वाले गौठान के लिए उनसठ लाख अन्ठावन हजार रुपये स्वीकृत किये गए है। विधायक आशीष छाबड़ा ने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और नगरीय प्रशासन मंत्री शिव डहरिया एवं क्षेत्र के पूर्व विधायक एव प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के प्रति आभार व्यक्त किया है, जिनके सानिध्य में बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में विकास की गंगा बह रही है।

लेब टेक्निशियन के 08 पदों पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित

बेमेतरा/साजा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत बेमेतरा जिला मे कोविड-19 महामारी से संक्रमितों के जांच हेतु लेब टेक्निशियन के 08 पदों पर अस्थाई भर्ती आगामी 03 माह हेतु किये जाने विज्ञापन प्रकाशित किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बेमेतरा ने बताया कि पात्र एवं इच्छुक अभ्यार्थी आवेदन पत्र के साथ शैक्षणिक योग्यता की स्व-प्रमाणित छायाप्रति -आवेदन प्रारुप, 10वीं एवं 12वीं अंक सूची, डीएमएलटी/बीएमएलटी/डिप्लोमा, छ.ग. काउंसिल मे पंजीयन, छ.ग. निवासी प्रमाण पत्र, जाती प्रमाण पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र, अन्य प्रमाण पत्र का केवल एक ही बार एक पी.डी.एफ. फाईल बनाकर कार्यालय के ई-मेल आईडी bhartibemetara@gmail.com पर दिनांक 25 मई 2020 सायं 5 बजे तक मेल कर सकते है।

क्वारंटाइन सेंटर का मुआयना

बेमेतरा/साजा। कोरोना वायरस संक्रमण से निपटने के लिए बाहर से आ रहे श्रमिको को क्वारंटाइन मे रखा गया है। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रीता यादव ने ग्राम पंचायत बैजी एवं केवांछी का दौरा कर श्रमिको के लिए किये जा रहे व्यवस्था का जायजा लिया, और पंचायत सचिवों एवं रोजगार सहायकों को आवश्यक निर्देश दिए। सीईओ ने जनपद पंचायत-बेमेतरा, बेरला, नवागढ़ एवं साजा के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को क्वारंटाइन सेंटर मे सभी आवश्यक जरुरी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखे जाने का निर्देश दिए।

किसानों को कृषि वैज्ञानिकों की सामयिक सलाह

बेमेतरा/साजा। कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को मौसम आधारित सामयिक सलाह दी गई है कि किसान कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए सर्तक सजग और सावधान रहे। भीड़ वाली जगह पर नही जाए। खेतों में पर्याप्त मात्रा में साबुन, डिटर्जेंट और पानी रखें। पानी एवं खाने वाले बर्तनों को साबुन एवं डिटर्जेंट वाले पानी से अच्छी तरह से साफ करें। अनाजों को धूप में अच्छी तरह से सुखाकर भण्डारण करें। खेत की गहरी जुताई करें, जिससे मृदा जनित खरपतवार, बीमारी एवं कीड़ों के अंडे नष्ट हो जाए। हायब्रिड नेपियर बहुवर्षीय चारे वाली फसल की 50-60 दिनों के अंतराल पर जमीन की सतह से 15 से.मी. ऊपर कटाई करें। कटाई पश्चात हल्की सिंचाई कर 25-30 किलोग्राम यूरिया प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। ग्रीष्मकालीन मूंग अभी पकने की अवस्था में हैं, फसल के पकते ही काटने की सलाह दी जाती है जिससे झड़ने से बचाया जा सके। गन्ने की नई फसल में आवश्यकतानुसार निंदाई-गुडाई एवं सिंचाई करें।

क्वारंटाईन केंद्र के मजदूरों ने मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

भाटापारा। लाक डाउन के कारण विभिन्न राज्यो में फंसे हुए मजदूरो ने अपने गृह वापसी पर प्रदेश के मुख्य मंत्री के प्रति जिला पंचायत उपाध्यक्ष सरिता सत्यनारायण ठाकुर के समक्ष अपना अभार जताते हुए उनके प्रति कृतज्ञता जाहिर की। विदित हो की छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं उनके मंत्रिमंडल के अथक प्रयास से देश के विभिन्न राज्यों से वापस आए हुए मजदूरों से मुलाकात करते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष सरिता सतनारायण ठाकुर नेआधा दर्जन से ज्यादा गांवो गोढ़ी, कोसमंदा, बोरसी,सेंदरी, कैथी,सेमरिया,दतरेंगी, कड़ार, सिंगारपुर, लेवई, अकलतरा के क्वार टाईन सेंटर में पहुँच कर मजदूरो का हाल चाल जानाऔर उनके रहने खाने पीने की समुचित व्यवस्था की जानकारी लियाइस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष सरिता ठाकुर को इस संबंध में मजदूरों ने बताए गए कि हमारे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के अथक प्रयास से आज हम अपने वापस गांव आए इसके लिए हम मुख्यमंत्री के बहुत-बहुत एहसान मानते हैं और उसके अलावा हमारे मुख्यमंत्री ने खाने-पीने हेतु उचित व्यवस्था भी की व रोजगार देने हेतु मनरेगा कार्य चालू करवाया गया जिससे गांव वाले को पर्याप्त काम रोजगार मिल रहे हैं।

कोविड हॉस्पिटल गूंज उठा किलकारियों से

■ **क्वारान्टिन में रह रहे गर्भवती महिला को 108 से मिली तत्काल मदद, महिला ने दिया स्वस्थ बच्ची को जन्म**

नवप्रदेश संवाददाता

लवन। जिला कोविड हॉस्पिटल बलौदाबाजार में पलारी विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम बनगबौद निवासी श्री मती भुनेश्वरी कुर्रे पति लकेश्वर कुर्रे ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। जिला कोविड हॉस्पिटल में यह पहली बच्ची का जन्म हुआ है। जिस कारण पूरा जिला हॉस्पिटल एवं स्वास्थ्य विभाग के सभी कमचारी में खुशी का माहौल है। यह महिला एवं इनका पूरा परिवार हाल के दिनों में ही 12 मई को नागपुर महाराष्ट्र से लौटी है। उन्होंने बताया कि लॉक डाउन दौरान के द्वारा उन्हें बहुत से समस्याओं का सामना करना पड़ा। जिस कारण हम वापस अपने गाँव आना चाहते थे। हमारा पूरा परिवार वहां पाईप लाईन,नल फिट का काम करते है। हम लोग नागपुर से राजानदगांव होते हुए रायपुर तक ट्रक से आये। फिर रायपुर से अपने गाँव एक ऑटो माध्यम से आये। जिला के बॉडर स्थित खरतोरा नाका में हमारा स्वास्थ्य परीक्षण कर हमें। अपने गाँव के ही प्राथमिक स्कूल में 14 दिनों के लिए क्वारान्टिन किया गया। हमें वहां ग्राम पंचायत के माध्यम से सूखा राशन भी दिया गया। कल अचानक रात को प्रसव पीड़ा हुआ तो मेरे परिवार एवं गाँव वालों ने तत्काल 108 पर कॉल कर एम्बुलेंस बुलाया। 10 मिनट में ही एम्बुलेंस पहुँच गया। फिर मुझे वहाँ से जिला कोविड हॉस्पिटल लाया गया। जहां यहां डॉक्टरों, नर्स की मदद से एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया हुजिला हॉस्पिटल के सिविल सर्जन डॉ अभय सिंह परिहार ने बताया कि जच्चा एवं बच्चा दोनों स्वस्थ है। बच्चे का वजन भी करीब 2 किलो 8सौ ग्राम है। डॉ अभय ने बताया कि यह एमसीएच हॉस्पिटल जिसे वर्तमान में जिला कोविड हॉस्पिटल के रूप में परिवर्तन किया गया। यहां पर बच्ची का जन्म होना हॉस्पिटल के मूल उद्देश्यों को पूरा होना जैसा है। माँ और उनके बच्ची को सभी जरूरी टिके भी लगा दिया गया है। बच्चे एवं उनके माँ का देखभाल स्वयं जिला हॉस्पिटल प्रबंधक डॉ स्वाति यदु कर रही है। जिला कलेक्टर कार्तिकेया गोयल को इसकी जानकारी मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए जिला हॉस्पिटल एवं स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम के साथ महिला को भी बधाई दिए। उन्होंने कहा कि आप सभी लोगो का मेहनत है। कि कोविड हॉस्पिटल में एक स्वस्थ बच्चे का जन्म हुआ है। इसके लिए पूरा मेडिकल टीम के बधाई के पात्र है। आगें भी इसी तरह आप सब से मेहनत की अपेक्षा है। जच्चा एवं बच्चा दोनो स्वस्थ रहे इसका भी ध्यान रखें। साथ ही महिला को शासन की योजना का अधिक से अधिक लाभ मिले इसके लिए स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया है।

क्वारंटाईन श्रमिकों के लिए फंड निकालने पंचायतो में समस्या

पंचायत प्रतिनिधियों को दौरे में बताया सरपंचो ने

भाटापारा। जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती संगीता मनोहर साहू के दिशा निर्देश पर उनके प्रतिनिधि केतुमान साहू ने ग्राम पंचायत काडर, लेवाई,कोदवा, खैरा, खपरी(आर),राजपुर आदि का दौरा कर क्वार टाईन मजदूरो का हाल चाल जाना,तथा उनके भोजन और ठहरने की व्यवस्था का निरीक्षण किया।

जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि केतुमान साहू ने जनपद उपाध्यक्ष सुरेन्द्र यदु के साथ अपने ग्रामीण दौरे के तहत प्रवासी मजदूरो से उनके सेंटर की प्रशासनिक सुविधा और उनको मिलने वाले सूखे राशन के बारे में पूछताछ किया। इस दौरान केतुमान साहू ने सभी प्रवासी मजदूरो से क्वारटाइन सेंटर के अपने कमरे में रहकर लाक डाउन का पालन करते रहने को कहा,वही केतुमान ने पलायन से लोटे मजदूरो को आश्वस्त किया की उनको यहाँ किसी प्रकार की कोई समस्या नही आएगी,अगर उनको खाने पीने की कोई सामग्री की जरूरत लगे तो वे उनसे अपने मन की बात नि संकोच रूप से कह सकते है।

इस दौरान जनपद उपाध्यक्ष सुरेन्द्र यदु ने पंचायत सचिवों को मजदूरो के लियेअच्छे भोजन व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। प्रवासी मजदूरो के क्वारटाइन सेंटर के दौरे के दौरान ग्राम के सरपंचो ने मजदूरो को दिए जाने वाली खादय सामग्री के वित्तीय आहरण में बहुत समस्या आ रही है। मजदूरो को उधार में सामान लाकर दिया जा रहा है,पैसे पंचायत फंड में होने के बावजूद उनको उधार में सामान लेने मजबूर होना पड़ रहा है। सरपंचो और सचिवो की समस्या को सुनकर जनपद पंचायत प्रतिनिधियों ने उन सभी को आस्वस्त किया है की प्रवासी मजदूरो के व्यवस्था में किये जा रहे व्यय की राशि के आहरण में हो रही दिक्कतों को उच्चाधिकारियों से बात कर दूर करेंगे। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भारत लाल वर्मा, जनपद सदस्य प्रतिनिधि परमेस्वर वर्मा कोदवा, जनपद सदस्य नरसिंग यादव खैरा,सरपंच,सचिव,पंच गण ग्रामवासी तथा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सहायक जनसंपर्क अधिकारी की कविता सोशल मीडिया पर अपलोड जगह-जगह हो रही तारीफ

नवप्रदेश संवाददाता

देवभोग। इन दिनों गरियाबंद जिला के सहायक जनसंपर्क अधिकारी की कविता काफी जोरों शोरो से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बकायदा चौक चौराहा से लेकर सोशल साइट पर इस अधिकारी की भी जमकर तारीफ हो रही है। क्योंकि अधिकारी ने वर्तमान मजदूरों की दिशा और दशा को देख उनकी दुखदाई भावना को कविता के माध्यम से सामने लाया है। जिसकी सराहना अधिकारी कर्मचारियों के बीज भी हो रहा है। उल्लेखनीय की जिला के सहायक जनसंपर्क अधिकारी पोषण साहू ने मजदूरों की हालत पर एक कविता अपलोड किया है की वर्तमान स्थिति में मजदूर किस हाल से निकल रहे हैं कैसे अपने घर पहुंचेंगे और

वापस लौटने को लेकर कैसा विचार रखने सहित तमाम संवेदनाओं को उल्लेख कर दिया है। जिसमें दिल्ली तेरी जंची नहीं हम मेहनतकश मजदूरों को लौट के कभी ना आएंगे कह दो उन हुजूरो को घर बार छोड़कर आए थे जैसे अन्य पंक्ति के साथ मजदूरों की व्यथा को सोशल मीडिया पर अपलोड किया जिसके बाद तमाम तरह के संगठन सामाजिक सहित आम मजदूर भी कविता को पढ़कर भावुक नजर आये क्योंकि वर्तमान महामारी को मदेनजर रखते हुए मजदूरों की हालत काफी खराब है। मजदूरों को सैकड़ों मील पैदल चलना पड़ रहा है। जहां खाना पीना तो दूर की बात पानी भी ठीक तरह नसीब नहीं हो रहा है। इन्हीं सब को ध्यान में रखते हुए जिला सहायक जनसंपर्क अधिकारी पोषण साहू ने कविता बनाकर सोशल साइट पर अपलोड किया है।

नपा सभापति ने वार्ड में बांटी सब्जी

भाटापारा। पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुनीता गुप्ता की पी आई सी के सदस्य और कांग्रेस के युवा सक्रिय पार्षद सुशिल सबलानी ने माता देवालय वार्ड में गरीब मजदूर बेसहारा लोगो के मध्य पहुँच कर उन सभी लोगो को सब्जी का वितरण कर अपने कांग्रेस नेतृत्व की मंशा के अनुरूप सराहनीय कार्य किया है। नगरपालिका के सभापति सुशिल सबलानी 2 दिन पूर्व ही अपनी पार्टी के जिला अध्यक्ष हितेन्द्र ठाकुर से सौजन्य मुलाकात की थी इस दौरान अध्यक्ष ने उन्हें लगातार कांग्रेस पार्टी के सिद्धान्तों के तहत गरीब मजदूरो की सेवा करते रहने को कहा था। पार्षद एव सभापति सुशिल सबलानी ने मंगलवार को माता देवालय वार्ड में लगभग 95 केरेट में सब्जिया ला कर वार्ड वासियो के मध्य उसका वितरण कराया। इस दौरान सुशिल ने सभी वार्ड वासियो से शासन और प्रसाशन के दिए गए निर्देशो का अनिवार्य रूप से पालन करने करने को कहा,वही उन्होंने वार्ड वासियो 16 अगस्त धारा 144 बढ़ने की जानकारी देते हुने उन्हें आगाह किया की कही भी बेवजह एक साथ एकत्रित ना होये।

कोरोना संक्रमित के गांव दरचुरा पहुंचे सुनील

भाटापारा। विधानसभा के ग्राम दरचुरा में दो कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद कांग्रेस नेता सुनील महेश्वरी ने उक्त गांव पहुंचकर संबंधित ग्राम के पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से वस्तु स्थिति से अवगत होते हुए आवश्यक मार्गदर्शन एवं निर्देश दिया।

पंचायत प्रतिनिधियों ने क्वॉरेंटाइन की व्यवस्था में लगे ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों की जांच की मांग रखी। ग्राम में पुणे से वापस आये दो कोरोना पासिटिव पाए गए हैं (वर्तमान में वह क्वॉरेंटाइन भवन में 73 श्रमिक रुके हुए है। श्री महेश्वरी ने उपस्थित पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से कहां की यह समय धैर्य,सावधानी जागरूकता का है (गांव के लोगों की जागरूकता से ही हम इस महामारी से अपने गांव को बचा पाएंगे (उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासन की गाइडलाइन का उपयोग करें (प्रशासन एवं पंचायत का सभी लोग सहयोग करें।

उन्होंने कहा की 14 दिन के लिए परिवार का कोई भी व्यक्ति क्वॉरेंटाइन में रह रहे ग्रामीणों से दूरी बनाकर रखे। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि यदि किसी भी प्रकार का कोई भी लक्षण तबीयत खराब का पाया जाता है तो सबसे पहले ड्यूटी में लगे स्वास्थ्य विभाग को इसकी जानकारी देवे।गांव में दहशत या डर की जगह सावधानी एवं जागरूकता बहुत जरूरी है।

उज्जवल दीपक को कोलंबिया विश्वविद्यालय से लोक प्रशासन में मिली डिग्री

भाटापारा। पूर्व पत्रकार स्व. श्री वीरेंद्र दीपक के सुपुत्र उज्जवल दीपक को कोलंबिया विश्वविद्यालय, अमेरिका ने लोक प्रशासन में मास्टर्स डिग्री प्रदान की है। ज्ञात हो कि उज्जवल विश्व के उन 32 विद्यार्थियों में एक थे जिनका चयन एक बेहद ही कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद मिड करिअर प्रोग्राम इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के लिए हुआ था। डिग्री कोलंबिया यूनिवर्सिटी में एक वर्चुअल दीक्षांत समारोह में प्रदान की गई।

हर साल लगभग इसी माह में एक विशाल समारोह में हजारों लोगों की मौजूदगी में इस कार्यक्रम का आयोजन होता है, पर वर्तमान परिस्थितियों में सब कुछ ऑनलाईन ही सम्पन्न हुआ।

वीरेंद्र दीपक महाविद्यालय की संचालिका श्रीमती उषा शर्मा और वरिष्ठ पत्रकार, स्व. वीरेंद्र दीपक के बेटे उज्जवल दीपक, अमेरिका जाने से पहले डॉ. रमन सिंह के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी रहे हैं। रिलायंस में मुकेश अम्बानी की कोर टीम में कार्य करते रहने के बाद उज्जवल रायपुर, छत्तीसगढ़ आकर काम किया। राजिम स्थित ग्राम जामगांव, फिंगेश्वर के सरकारी स्कूल में प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण करने के बाद उन्होंने रायपुर से ही स्नातक की पढ़ाई की है और राज्य के सिनेमाघरों में फिक्कर शुरू होने के पहले जन-गण-मन पर बनी फिल्म की परिकल्पना एवं इसके निर्देशन का श्रेय भी उज्जवल दीपक को जाता है। ज्ञात हो कि कोलंबिया विश्वविद्यालय, विश्व की सर्वश्रेष्ठ 8 आईवी लीग यूनिवर्सिटी में एक है और लोक प्रशासन की पढ़ाई में विश्व में प्रथम स्थान पर है।

सुशील शर्मा ने क्वारंटाईन मजदूरों को दी बीस किलो सब्जी

भाटापारा। लॉक डाउन में फंसे मजदूरो को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम के प्रयासों से वापस आये मजदूरो के क्वार टाईन सेंटर पहुँचकर कांग्रेस नेता सुशील शर्मा ने सभी को 20 बीस किलो सब्जी का वितरण किया। इस दौरान सुशील शर्मा ने देश के विभिन्न राज्यो से आकर अपने गांव के कोरेन्टीन सेंटर में उपस्थित मज़दूरो से मिलने सिमगा ब्लॉक के ग्राम रोहरा,दोरेंगा, कुलिपोटा,संजारी नवागांव, लिमतरा, ढेकुना, कामता, पोसरी लांजा, बिनेका, अवरेठी, दरचुरा गांव में पहुँच कर मज़दूरो के लिये 20-20 किलो शाकाहारी सब्जियों का वितरण किया। श्री शर्मा ने मजदूरो की बात ध्यान पूर्वक सुनकर 14 दिन के इस कोरेन्टीन में कोरोना वायरस से बचाव की जानकारी भी दी। सुशील शर्मा ने सभी कौरन्टीन मज़दूरो से अपील करते हुये कहा कि यही समय आपके धीरज और संयम की अग्नि परीक्षा का है,आप सभी लोग एक दूसरे से परस्पर दूरी बना कर रहे,मास्क हमेशा मुहँ पर लगा कर रखे,शासन के बनाये नियमो का पालन करें स्वम सुरक्षित रहे और दूसरों को भी सुरक्षित रखें, किसी भी मज़दूर भाई या बहन की तबियत खराब होने पर तत्काल सरपंच,सचिव या हमारे कांग्रेस कार्यकर्ता को सूचित करेंगे,हमारे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव ने ऐलान किया है कि इस महामारी से हमारी प्रदेश की जनता भयभीत नही होगी लड़ेगी और जीतेगी,इसलिये हमारा सबका नारा है लड़बो-जितबो-कोरोना वायरस ला भगाबो।

बैठक | **कोरोना से लड़ाई में पार्टी नेताओ के योगदान पर चर्चा**

भाजपा की बैठक में अध्यक्ष श्यामपाल ताम्रकार शामिल हुए

गंडई पंडरिया। लाकडाउन में रियायत के बाद भाजपा ने सामाजिक व शारीरिक दूरी का पालन करते हुए महत्वपूर्ण जनप्रतिनिधियों की बैठक रखी गयी। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह द्वारा बैठक ली गयी। कोरोना के खिलाफगंडई माह से अधिक की लड़ाई जनप्रतिनिधि व पार्टी कार्यकर्ताओं ने लड़ी है जिसकी जमीनी हकीकत जानने के लिए ही बैठक रखी गयी थी। इसके अलावा केंद्र सरकार द्वारा किये जा रहे राहत कार्य के विषय मे भी पार्टी के पदाधिकारीयों व जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया गया। कोरोना के खिलाफ राहत व बचाव के लिए धन राशि भी इकट्ठा किया।

नगर पंचायत अध्यक्ष गंडई श्यामपाल ताम्रकार को भी जिले को

महत्वपूर्ण बैठक में विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था।भाजपा प्रमुख नेताओं को नगर पंचायत अध्यक्ष ने गंडई में कोरोना के खिलाफ चलाए गए राहत, बचाव व रोकथाम के तमाम विषय को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने बताया कि 23 मार्च को लाकडाउन की घोषणा के बाद सबसे पहले नगर में स्वच्छता अभियान को प्रभावी तरीके से अमलीजामा पहनाया गया गंडई के सबसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थान बस स्टैंड को सेनेटाइज कराया गया। नगर के मुख्य मार्ग को सेनटाइज कराया गया। सब्जी मार्केट की सफाई कराया गया व दवा का छिड़काव कराया गया। गंडई के सभी 15 वार्ड में नालियों के कचरे की सफाई की कराया गया। बरसाती नालों को सफाई कराया गया। बीमारी की आशंका वाले स्थान पर बिलीचिंग पावडर का छिड़काव कराया गया। अध्यक्ष ने स्वयं ही नगर भ्रमण करके व स्थानों की फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी से निगरानी किया।

नगर में जरूरतमंदों के लिए भोजन बनाया गया जिसमें नगर के समाजसेवियों से सहयोग लेकर सुचारू रूप से संचालन किया गया। प्रतिदिन भोजन व्यवस्था की निगरानी की गई। गंडई में लाकडाउन के दौरान नगर सभी 15 वार्डो के जरूरतमंद, दिव्यांग, बीमार, विपक्षीत व अन्य नागरिक को सूखा अनाज व भोजन व्यवस्था किया गया। भोजन व्यवस्था के लिए चाँवल, गेहूं, सब्जी, मसाला, गैस सिलेंडर आदि की व्यवस्था नगर के समाजसेवियों के द्वारा की गई। अन्य राज्यो से आनेवाले लोगों के लिए क्वारेंटीन सेंटर की व्यवस्था भी नगर पंचायत गंडई के द्वारा की गई।

खरीफ फसल के लिए किसानों ने किया बीज व खाद का अग्रिम उठाव

बेमेतरा/साजा। प्रदेश में खरीफफसल की खेती को लेकर किसानों ने तैयारियां शुरू कर दी है। खरीफके लिए किसानों द्वारा सोसायटियों से खाद एवं बीज का अग्रिम उठाव तेजी से किया जा रहा है। खरीफ की विभिन्न फसलों की बोआई के लिए समितियों से अब तक एक लाख 45 हजार 295 क्विंटल बीज तथा एक लाख 66 हजार 961 मीटरिक टन रासायनिक खाद का अग्रिम उठाव किसानों द्वारा कर लिया गया है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य के सभी जिलों की सहकारी समितियों में खाद एवं बीज की मांग के अनुसार लगातार भण्डारण कराया जा रहा है। अब तक सहकारी समितियों ने 4 लाख 13 हजार 928 क्विंटल बीज तथा 5 लाख 78 हजार 76 मीटरिक टन रासायनिक खादों का भण्डारण कराया जा चुका है। ज्ञातव्य है कि राज्य में इस साल खरीफकी विभिन्न फसलों की बोनी के लिए 9 लाख 7 हजार 800 क्विंटल बीज तथा 11 लाख 30 हजार मीटरिक टन रासायनिक खाद वितरण का लक्ष्य है।

एयरकंडीशनर का उपयोग कार्य क्षेत्रों में करना पूरी तरह सुरक्षित : आरएएमए

नई दिल्ली (वार्ता)। तापमान में वृद्धि के साथ ही घर, कार्यस्थलों और अस्पतालों में थर्मल कम्फर्ट का प्रबंधन करने के लिए एयरकंडीशनिंग सिस्टम की आवश्यकता होती है। घर पर रूम एयरकंडीशनर के उपयोग को लेकर चल रही बहस का जिक्र करते हुए और सार्वजनिक जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से रेफ्रिजरेशन एंड एसी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आरएएमए) ने घोषणा की है कि एयरकंडीशनर कोविड-19 संक्रमण के फैलने का कोई अतिरिक्त खतरा पैदा नहीं करते हैं और यह कुछ सावधानियों के साथ घर, कार्य क्षेत्रों और वाणिज्यिक भवनों में उपयोग करने के लिए बिल्कुल सुरक्षित हैं।

आरएएमए के अध्यक्ष एवं जॉनसन कंट्रोल्स-हिताची एयरकंडीशनिंग इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक गुरमीत सिंह की अध्यक्षता में एसोसिएशन के सदस्यों की एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि आरएएमए और ईसरे मिलकर कोविड-19 रोकथाम के लिए आवासीय, वाणिज्यिक और अस्पताल भवनों के अनुकूलन के लिए एयरकंडीशनिंग और वेंटिलेशन दिशानिर्देशों को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान चलायेंगे।

उन्होंने कहा कि ईसरे के दिशा निर्देशों का आरएएमए के सदस्यों और उनकी पैरेंट कंपनियों के तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा व्यापक स्तर पर मूल्यांकन किया गया है। इसके लिए आरएएमए ने अशरे (अमेरिका) , रहेवा (यूरोप), आदि द्वारा प्रकाशित दिशा-निर्देशों का भी मूल्यांकन किया है। रूम एसी कारे जिडेंट एप्लीकेशन में उपयोग एक एकल अधिकृत क्षेत्र के भीतर किया जाता है। आमतौर पर रूम एसी घर के किसी एक कमरे में लगाये जाते हैं और ऐसे स्थानों में कंट्रोल्ड प्रवेश होता है। ऐसी स्थिति में किसी संक्रमित व्यक्ति द्वारा रूम एसी के माध्यम से कमरे या पूरे घर को दूषित करने की नगण्य संभावना है। जब भी एसी उपयोग में न हो तो कमरे को हवा दार बनाए रखें तथा दरवाजे या खिड़कियों को खुला रखें। एयरकंडीशनर के माध्यम से नोवेल कोरोना वायरस के प्रसार पर उपयोगकर्ताओं और नीति निर्माताओं को शिक्षित करने और दुष्प्रचार को दूर करने के लिए इंडियन सोसायटी ऑफ हीटिंग, रेफ्रिजरेटिंग और एयर कंडीशनिंग इंजीनियर्स (ईशरे) ने एयर कंडीशनर के आवासीय और वाणिज्यिक स्थलों में उपयोग के लिए 13 अप्रैल को दिशा निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा निर्देशों को सीपीडब्ल्यू डी और एमईएस द्वारा अपनाया जा चुका है। कोविड-19 महामारी के इस कठिन समय में, यह आरएएमए की नैतिक जिम्मेदारी है कि वह उपभोक्ताओं और ग्राहकों को सही और सच्ची जानकारी साझा करे।

न्यूज गैलरी

सरकारी बैंकों ने 6.45 लाख करोड़ रुपये के कर्ज को दी मंजूरी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संकट के बीच सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने लघु और मझोले उद्योगों (एमएसएमई), कृषि और खुदरा सहित विभिन्न क्षेत्रों को एक मार्च से 15 मई के बीच 6.45 लाख करोड़ रुपये के कर्ज को मंजूरी दी। इन बैंकों ने आठ मई तक 5.95 लाख करोड़ रुपये के कर्ज को मंजूरी दी थी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक ट्वीट में कहा, ''एक मार्च से 15 मई के बीच पीएसबी ने 6.45 लाख करोड़ रुपये से अधिक के ऋण स्वीकृत किए। इनमें 54.96 लाख खाते एमएसएमई, कृषि और खुदरा क्षेत्र के हैं। ऋण देने में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, क्योंकि आठ मई तक ये आंकड़ा 5.95 लाख करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा, ''सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने 20 मार्च से 15 मई के दौरान आपातकालीन ऋणों और कार्यशील पूंजी में वृद्धि के रूप में 1.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक की मंजूरी दी।

परिसंपत्तियों के जोखिम में कमी आएगी-मूडीज

नई दिल्ली। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने मंगलवार को कहा कि सरकार द्वारा हाल में घोषित 20 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज से वित्तीय संस्थानों के लिए परिसंपत्तियों के जोखिम में कमी आएगी, लेकिन इससे कोविड-19 का नकारात्मक असर पूरी तरह खत्म नहीं होगा। सरकार ने पिछले सप्ताह सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) के लिए 3.70 लाख करोड़ रुपये के सहायता पैकेज की घोषणा की थी। इसके अलावा गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए 75,000 करोड़ रुपये और बिजली वितरण कंपनियों के लिए 90,000 करोड़ रुपये के समर्थन पैकेज की घोषणा की गई। वहीं जापान की ब्रोकरेज कंपनी नोमुरा के विश्लेषकों का कहना है, ''पैकेज कुछ व्यवसायों की परेशानी को निकट भविष्य में दूर करने के लिए कमजोर पड़ सकता है, लेकिन यह भारत की मध्यमकालिक वृद्धि संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिये अच्छी तरह से तैयार किया गया है।

रुपया 25 पैसे मजबूत

मुंबई (वार्ता)। वैश्विक स्तर पर दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के कमजोर पड़ने और घरेलू स्तर पर शेयर बाजार में रही तेजी से मिले समार्थ्न के बल पर आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 25 पैसे चढ़कर 75.66 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। पिछले दिवस रुपया 75.91 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपया आज 20 पैसे की मजबूती लेकन 75.71 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान यह 75.63 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम और 75.79 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस की तुलना में 25 पैसे की मजबूती लेकर 75.66 रुपये प्रति डॉलर पर रहा।

सेबी के नए कारोबारी प्लेटफॉर्म से होगा रिलायंस राइट्स इश्यू का श्रीगणेश

नई दिल्ली (वार्ता)। शेयर बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एंव विनिमय बोर्ड(सेबी) ने इस वर्ष के प्रारंभ में एक नया कारोबारी प्लेटफॉर्म शुरु किया था जिस पर राइट्स इश्यू के योग्य शेयरधारक अपने शेयर बेच सकते हैं। देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड(आरआईएल) का राइट्स इश्यू बुधवार को खुल रहा है और सेबी के इस प्लेटफॉर्म की असली परीक्षा रिलायंस के राइट्स इश्यू के साथ होगी।

सेबी का यह प्लेटफॉर्म कई मायनों में खास है। अब तक होता यह था कि जो शेयरधारक राइट्स इश्यू के लिए आवेदन नहीं करना चाहते थे, उनको अपने राइट एंटाइटलमेंट (आरई) से वंचित होना पड़ता था या फिर इसे मुफ्त में किसी और को ट्रांसफर करना पड़ता था पर अब ऐसा नही होगा। रिलायंस के राइट्स इश्यू के साथ ही 20 मई को आरई का कारोबार भी खुल जाएगा और योग्य शेयरधारक अपने आरई को बेच सकेंगे। यह कारोबार 29 मई को बंद कर दिया जाएगा,जबकि रिलायंस के राइट्स इश्यू में आवेदन की अंतिम तिथि तीन जून रहेगी। आरई कारोबार को कुछ दिन पहले बंद करने के पीछे की वजह निपटान में लगने वाला वक्त है।

शेयर बाजार में भी इस नई पहल कदमी को लेकर खासा उत्साह नजर आ रहा है। आरई की कारोबारी बारीकियों और सिस्टम को तैयार कर लिया गया है। कारोबार के लिए नई अंतरराष्ट्रीय प्रतिभूति पहचान संख्या (आईएसआईएन) का इस्तेमाल किया जाएगा जो सुरक्षा को और अधिक पुख्ता करेगा। नए प्लेटफॉर्म के साथ साथ रिलायंस के राइट्स इश्यू में कई और भी नई चीजे है जो पहली बार होने जा रही हैं। तीस साल बाद रिलायंस राइट्स इश्यू लेकर आया है और वह भी किश्तों में। आखिरी किस्त के पैसे शेयरधारकों को नंवबर 2021 में चुकाने पड़ेगे। इससे यह इश्यू और भी आकर्षक बन गया है। किस्तों में होने की वजह से अब शेयर बाजार में दो तरह के रिलायंस शेयर दिखाई देंगे एक पूर्णतः चुकता और दूसरे आंशिक भुगतान वाले शेयर। अगले साल नंवबर तक यह स्थिती बनी रहेगी जब तक आंशिक भुगतान शेयरों का पूरा भुगतान नहीं हो जाता।

कारोबारियों के अनुसार इससे शेयरधारकों को भी कारोबार के नए अनुभव प्राप्त होंगे। नए प्लेटफॉर्म पर वे आरई को तो बेच ही सकेंगे साथ ही आंशिक भुगतान कर रिलायंस के शेयरधारक बनने का मौका भी उन्हें मिलेगा अर्थात कम पूंजी लगाकर भी वे लाभ कमा सकेंगे।

फ्लिपकार्ट ने मिलाया विशाल मेगा मार्ट से हाथ

नई दिल्ली। वालमार्ट के स्वामित्व वाली ई-वाणिज्य कंपनी फ्लिपकार्ट ने अनिवार्य वस्तुओं की होम डिलिवरी के लिए विशाल मेगा मार्ट के साथ साझेदारी की है। इसके तहत कंपनी दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरू और कोलकाता समेत 26 शहरों में सामान की आपूर्ति करेगी। कंपनी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि इस साझेदारी के तहत ग्राहक 365 से अधिक विशाल मेगामार्ट स्टोर पर ऑर्डर कर सकेंगे। फ्लिपकार्ट उन्हें घर पर सामान पहुंचाएगा। फ्लिपकार्ट ने इसके लिए अपने मंच पर अलग से विशाल मेगा मार्ट एसेंशियल करके पेज बनाया है। ग्राहक विशाल के खुद के ब्रांड समेत अन्य ब्रांड के आटा, चावल, तेल, दाल इत्यादि का ऑर्डर कर सकते हैं। कंपनी की यह सेवा बेंगलुरू, हैदराबाद, कोलकाता, दिल्ली-एनसीआर, पटना, गुवाहाटी, अमृतसर, जालंधर, जयपुर और बरेली समेत 26 शहरों में उपलब्ध होगी। कंपनी अगले चार हफ्ते में इस सेवा को 240 शहरों तक बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है। बता दें अमेजन, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील जैसी ई-वाणिज्य कंपनियां सोमवार से देश के अधिकतर इलाकों में अपनी पूरी सेवाएं फिर चालू कर दी हैं। सरकार द्वारा ई-कॉमर्स कंपनियों को कंटेनमेंट जोन्स को छोड़कर बाकी के रेड जोन इलाके में गैर-जरूरी सामानों की डिलीवरी करने की अनुमति मिल गई है। लॉकडाउन 4.0 के तहत नियमों में दी गई ढील के चलते यह मंजूरी मिली है। सरकार के इस कदम का अमेजन और फ्लिपकार्ट ने स्वागत किया है और कहा है कि इससे MSMEs को बूस्ट मिलेगा व आर्थिक गतिविधि को फिर से बल मिलेगा।

एयरटेल के बल पर शेयर बाजार बढ़त में

मुंबई (वार्ता)। एशियाई बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल के तिमाही परिणामों से उत्साहित निवेशकों के लिवाली के बल पर शेयर बाजार गिरावट से उबरते हुये मंगलवार को बढ़त बनाने में सफल रहा।

बीएसई का सेंसेक्स 167.19 अंक बढ़कर 10196217 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 55.85 अंक की बढ़त लेकर 8879.10 अंक पर रहा। बीएसई में मझौली कंपनियों में जहां लिवाली हुयी वहीं छोटी कंपनियों में बिकवाली देखी गयी। इससे बीएसई का मिडकैप 0.52 प्रतिशत बढ़कर 11112.13 अंक पर और स्मॉलकैप 0.20 प्रतिशत टूटकर 10355.18 अंक पर रहा। बीएसई में अधिकांश समूहों में तेजी रही। एयरटेल में हुयी लिवाली के बल पर टेलीकॉम में सबसे अधिक 10.41 प्रतिशत, टेक 2.49 प्रतिशत और पावर 2.26 प्रतिशत की बढ़त में रहा जबकि सी जी 1.38 प्रतिशत और एनर्जी 1.38 प्रतिशत की गिरावट में रहा। बीएसई में कुल 2460 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 1262 बढ़त में और 1030 गिरावट में रहे जबकि 168 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

वैश्विक स्तर पर अमेरिकी बाजार बढ़त में साथ खुले जबकि एशियाई बाजार हरे निशान में और यूरोपीय बाजार लाल निशान में रहे। जापान का निक्केई 1.49 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 1.89 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया को कोस्पी 2.25 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.81 प्रतिशत की बढ़त में रहा। ब्रिटेन का एफ्टीएसई 0.79 प्रतिशत और जर्मनी का डैक्स 0.95 प्रतिशत की गिरावट में रहा।

कोरोना के कारण कुपोषण से निपटने की चुनौती: रिपोर्ट

नई दिल्ली (वार्ता)। कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न परिस्थितियों के खाद्य और स्वास्थ्य के लिए चुनौती बनने बीच वैश्विक पोषण रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत कुपोषण से बुरी तरह प्रभावित है और वर्तमान स्थिति में इसमें और बढोतरी होने की आशंका है।

वैश्विक स्तर पर कुपोषण के मामले में भारत की असमानताओं की दर सबसे ज्यादा है। हालांकि कम वजन से निपटने के लिए कुछ प्रगति की गई है और देश ने सबसे कमजोर लोगों तक पहुंचने के उद्देश्य से अभिनव कार्यक्रम बनाये हैं। कोविड -19 महामारी ने खाद्य और स्वास्थ्य प्रणालियों की कमजोरी को उजागर किया है, जो पहले से ही उपेक्षित आबादी पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। रिपोर्ट में जोर दिया गया है कि भोजन और स्वास्थ्य प्रणालियों में अंतर से निपटने के लिए

कुपोषण को दूर करने की जरूरत है।

भारत में बच्चों और किशोरों में कम वजन की समस्या से निपटने में कुछ सफलता मिली है। वर्ष 2000 और 2016 के बीच, लड़कों के लिए ये दरें 66.0 प्रतिशत से घटकर 58.1 प्रतिशत और लड़कियों में 54.2 प्रतिशत से घटकर 50.1 प्रतिशत पर आ गयी। हालांकि, यह अभी भी लड़कों के लिए औसत 35.6 प्रतिशत और एशिया क्षेत्र में लड़कियों के लिए 31.8 प्रतिशत की तुलना में अधिक है। आहार संबंधी बीमारियाँ एक मुद्दा बनी हुई हैं, जिसमें प्रजनन आयु की दो में से एक महिला एनीमिया का सामना कर रही है। दूसरी ओर, अधिक वजन और मोटापे की दर में वृद्धि जारी है, जो 21.6 प्रतिशत महिलाओं और 17.8 प्रतिशत पुरुषों में लगभग एक तिहाई वयस्कों को प्रभावित करती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में असमानता को दूर करने के लिए कुछ सकारात्मक कदम उठाये गये हैं। आकांक्षी जिलों वाले जैसे कार्यक्रमों से सरकार ने नीतिगत ध्यान केन्द्रित किया है जिससे अविकसित जिलों में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि और जल संसाधनों जैसी सेवाओं में सुधार करने में मदद मिल रही है। इसमें कहा गया है कि कोरोना वायरस के कारण अब सरकार को समाज के सबसे कमजोर वर्ग को कुपोषण से बचाने के लिए न:न सिर्फ अधिक मेहनत करने की जरूरत होगी बल्कि इसके कारण कमजोर लोगों का रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर होगी और उनमें बीमारी की चपेट में आने की अधिक आशंका होगी। रिपोर्ट में खाद्य तेत्र में बदलाव करने की अपील करते हुये कहा गया है कि वर्तमान कृषि तंत्र में धान, गेहूँ और मक्का आदि पर जोर दिया जा रहा है जबकि कृषि के विवधीकरण एवं पोषकतत्व वाले उत्पादों पर अधिक जोर दिये जाने की जरूरत है।

सोने-चांदी की कीमतों मे भारी गिरावट

नई दिल्ली। एक दिन पहले नया इतिहास रचने के बाद आज सोना 895 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता होकर 46966 रुपये पर आ गया है। सर्राफा बाजार में मंगलवार सुबह 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत में भारी गिरावट देखी गई। इससे पहले सोमवार को 10 ग्राम सोने की कीमत ऑलटाइम हाई 47861 रुपये पर पहुंच गई थी। वहीं चांदी के तेवर भी आज नरम नजर आ रहे हैं। सुबह के कारोबार में चांदी 1110 रुपये प्रति किलोग्राम टूट चुकी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट उनकी औसत कीमत अपटेड करती है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन दिल्ली के मीडिया प्रभारी राजेश खोसला के मुताबिक द्बड्डद्बड्ड देशभर के 14 सेंटरों से सोने-चांदी का करेंट रेट लेकर इसका औसत मूल्य बताता है। खोसला कहते हैं कि सोने-चांदी का करेंट रेट या यूं कहें हाजिर भाव अलग-अलग जगहों पर अलग हो सकते हैं पर इनकी कीमतों में मामूली अंतर होता है।

कीमत बढ़ने से चिंतित नहीं है ज्वैलर्स

दरीबा ज्वैलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष तरूण गुप्ता ने बताया कि लॉकडाउन-4 में ढील दी गई है। आने वाले दिनों में ज्वैलसई उसी गाइडलाइंस को फॉलो कर अपना दुकान खोलेंगे। सोने की कीमत में लगातार बढ़ोतरी पर उन्होंने कहा कि यह कोई चिंता की बात नहीं है। सोने के साथ ऐसा हमेशा से होते आया है। अब जब कोरोना के कारण शादी-ब्याह समारोह में कम खर्च होगा तो लोग सोने-चांदी की अधिक खरीदारी करेंगे। हम लोग लॉकडाउन के बाद अच्छी मांग की उम्मीद कर रहे हैं।

आज का भविष्यफल

मेष: मेष राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में बहुत मेहनत करनी होगी, धन प्राप्ति के सारे प्रयास सफल भी होंगे। परंतु भावना में बहकर अत्यधिक धन खर्च करने की भी आशंका है। जिसकी वजह से बाद में परेशान भी होंगे।

वृषभ: वृषभ राशि के जातकों आज कार्यक्षेत्र में कुछ प्राथमिकताएं तय करनी पड़ेंगी, जो काम जरूरी है। पहले उन पर फोकस करें, तभी पूर्ण रूप से सफल हो सकते हैं।

मिथुन :मिथुन राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में भावनाओं में बहकर फैसला नहीं लेना चाहिए। जितना ज्यादा प्रैक्टिकल होकर काम करेंगे, उतना ज्यादा अच्छा होगा।

कर्क: कर्क राशि के जातकों के मन में भ्रम और कन्फ्यूजन बहुत ज्यादा रहेगा। इस समय महत्वपूर्ण निर्णय को टालना बेहतर है। पैसों का इस्तेमाल बहुत सोच समझकर करना जरूरी है। खर्चों का नियंत्रण करना समय की मांग है।

सिंह: सिंह राशि के जातकों को आज अपने उच्च अधिकारियों की तरफ से निराशा हाथ लगेगी। मन मुताबिक उनके काम को सराहा नहीं जाएगा। इसकी वजह से मन परेशान रहेगा, आत्ममंथन का समय है।

कन्या: कन्या राशि के जातक पूरे आत्म-विश्वास के साथ काम करेंगे और उसमें सफल भी रहेंगे। कुछ मुश्किलों के बाद सभी काम पूरे हो जाएंगे।

तुला: तुला राशि के लोगों को कार्यक्षेत्र में बहुत ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है। उच्च अधिकारियों का सहयोग भी नहीं मिलेगा। अपने काम पर ध्यान दें और मन को शांत रखने का प्रयास करें।

वृश्चिक: वृश्चिक राशि के जातकों की एनर्जी कार्यक्षेत्र में तारीफ के काबिल रहेगी। उनके काम की प्रशंसा होगी। जितना ज्यादा प्रैक्टिकल होकर सोचेंगे, वह आपको मदद करेगा।

धनु: धनु राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में बहुत मेहनत के बाद ही रिजल्ट मिलेंगे। आत्मविश्वास को बनाए रखें। सकारात्मक सोच नए रास्ते खोलेगी।

मकर: मकर राशि के जातकों को अपने क्रोध पर काबू रखना बहुत जरूरी है। काम की अधिकता मन को बेचैन करेगी। परंतु सही रूपरेखा बनाकर करेंगे तो सफल रहेंगे।

कुंभ: कुंभ राशि के जातक अपने आत्मविश्वास के सहारे कार्यक्षेत्र की सभी मुश्किलों को आसान बना लेंगे। कुछ लोग नया काम शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

मीन: मीन राशि के जातकों को भोग विलास की प्रवृत्ति से बाहर निकल कर काम पर फोकस करना जरूरी है। कार्यक्षेत्र की स्थितियां बहुत मेहनत के बाद ही धन लाभ कराएगी, ध्यान-पूर्वक काम करें। खर्च को ज्यादा से ज्यादा नियंत्रण में रखें।

सू- दोकू क्र.027

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.26का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

शब्द सामर्थ्य -027

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भुत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

1	2	■	3	4	5	■	6	7
■	8	9				■	■	
10			■	11		12	13	■
14		■	15	■	■	16		17
	■	18		19	20	■	21	
22			■	23		■	■	
■	■		■		■	24	25	
26				■	27			■
	■		■	■	28			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 26 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

आंधी से जनजीवन प्रभावित, कई जगह धाराशायी हुए पेड़

नव प्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। दोपहर अचानक शुरू हुए आंधी तुफान ने कई घंटो तक जिला मुख्यालय में हड़कम्प मचाया। तेज आंधी तुफान के कारण कई जगहो में पेड़ पौधे धाराशायी हो गए वही जिला मुख्यालय में चैक चैराहो में लगाए पुलिस द्वारा लगाए गतिरोधक बोर्ड, दुकानो के बाहर लगाए गए टेंट, बोर्ड व सहित कई समान उड़ गए। वही इस दौरान शुरू हुई तेज बारिश ने लोगो को और परेशानी मे डाल दिया। करीब दो तीन घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश से नेशनल हाईवे सहित शहर की कई सड़को और नालियो पर पानी भर आया। इसके चलते आवाजाही करने वालो काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। नेशनल हाईवे में हीरो शोरूम के पहले करीब चार फीट तक सड़क के उपर पानी भर गया। वही नगर के डाकबंगला, रावनभाठा, कुम्हारापारा सहित कई निचली बस्ती में भी पानी भर गया जिसके चलते लोगो को परेशानी हुई। अचानक आए आंधी तुफान और बारिश के चलते कई घंटो तक लोग इधर उधर फसे रहे। दूसरी ओर तुफान के कारण नगर के कई वार्डो में पेड़ भी गिर गए जिसके चलते कुछ घंटो तक विद्युत व्यवस्था भी बाधित हुई। हालाकि पालिका व विद्युत विभाग की त्वरित कार्यवाही से लोगो को जल्द राहत भी मिल गई।

ज्ञात हो कि मौसम विभाग ने पहले ही छत्तीसगढ और प्रदेश के ओडिशा सीमावर्ती क्षेत्र में बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवाती तुफान एंफन और बारिश की संभावना जाहिर कर दी थी। सोमवार को मौसम विभाग की संभावना के अनुरूप भी इसका असर भी देखने को मिला। इस दौरान ग्राम नहरगांव में बड़ी मात्रा में आंधी तुफान के दौरान ओला वृष्टि हुई है। बारिश के कारण के खेत खलिहानो मे भी भरपुर पानी भर गया। दूसरी ओर ईटा भठ्ठा वालो सहित साग सब्जी लगाए किसानो को इसका काफी नुकसान हुआ है। कई किसानो ने फसल काटकर धान के बोरे जो परछी आंगन में रखे थे वह बारिश के चलते भीग गए।

तेज बारिश से सड़को पर भरा पानी, घंटो बिजली गुल

पालिका अध्यक्ष ने नगर भ्रमण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया

अचानक आंधी तूफान और बारिश को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष गफफुमेमन ने नगर के विभिन्न वार्डो का भ्रमण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। उनके द्वारा पालिका कर्मचारियो की मदद से कई स्थानो में गिरे पेड़े पौधो को हटवाया गया। डाकबंगला वार्ड सहित कई वार्डो में जहां नाली में पानी भर गया था उसे तत्काल पालिका कर्मचारी लगाकर सफाई कराई गई। इसके अलावा सभी वार्डो में नगर पालिका अध्यक्ष एवं पार्षदो ने घुमकर वस्तुस्थिति का जायजा लिया।

ग्राम सोहागपुर में गौशाला में गिरा पेड़, 15 मवेशियो की मौत

आंधी तुफान के कारण ग्राम सोहागपुर में बने गौशाला में एक विशाल पेड़ गिर गया जिसके चलते गौ शाला में रखे लगभग 15 मवेशियो की दबने से मौत हो गई वही करीब आठ मवेशी घायल हो गए है। बताया जाता है कि गौशाला में जो शेड बनाया गया है वह काफी जर्जर था जिसके कारण पेड़ गिरा तो वह टुट गया और मवेशी उसके नीचे दब गए।

दो दिन के पूर्ण लॉकडाउन के बाद बाजार खुला तो, त्यौहार जैसी भीड़ दिखी

■ राजिम में पाजीटीव मरीज मिलने का मुख्यालय में कोई असर नही

गरियाबंद। कोरोना संक्रमण के चलते जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक शनिवार और रविवार को पूर्ण लाकडाउन घोषित किया जाता है। इस दौरान मेडिकल, अस्पताल और पेट्रोल पम्प को छोड़कर किराना, सब्जी, फल सहित अन्य सभी दुकाने और सेवाए बंद रहती है। गत शनिवार और रविवार को भी पूर्ण लाकडान के चलते बाजार बंद रहा है लेकिन सोमवार को जब बाजार खुला तो सड़को और दुकानो पर त्यौहार जैसी बेतहाशा भीड़ देखने को मिली। वही जिला मुख्यालय से मात्र 45 किमी दूर कोरोना पाजीटीव मरीज मिलने का भी जिला मुख्यालय में कोई असर नही दिखा। यहां पहले के जैसे ही लाकडाउन के नियम यथावत रहे। बल्कि पहले की तुलना इस सोमवार को अधिक भीड़ देखने को मिली।

सराईपाली खदान से कोयला उत्पादन शुरू करने होगी कोशिश

नव प्रदेश संवाददाता

कोरबा। एसईसीएल कोरबा एरिया का उत्पादन लक्ष्य बीते वित्तीय वर्ष के 7.86 मिलियन टन के मुकाबले बढ़ाकर 8.12 मिलियन टन किया गया है। इस बीच लक्ष्य बढ़ने से प्रबंधन को एसईसीएल कोरबा एरिया की सराईपाली कोयला खदान से जल्द उत्पादन शुरू होने का इंतजार है। लॉकडाउन की वजह से यहां खदान में भी काम प्रभावित हुआ था। हालांकि खदान से उत्पादन शुरू करने की लिए प्रयास किए जा रहे हैं। माइंस से कोयला उत्पादन शुरू करने की प्रक्रिया के तहत ओबी प्रोडक्शन(मिट्टी निकासी) का काम पहले ही कर लिया गया है। इसके बाद कोयला निकासी होगी। वैसे तो खदान को चालू करने लंबे समय से प्रयास चलता रहा। लेकिन कई अड़चनों को दूर कर किसी तरह ओबी प्रोडक्शन का काम हुआ है। उत्पादन के लिए जरूरी मशीनें पहले ही खदानों में मंगा ली गई थी। लेकिन बाद में तकनीकी कारणों से भी खदान में कोयला उत्पादन शुरू नहीं किया जा सका है।

सराईपाली कोयला खदान एसईसीएल कोरबा एरिया की ओपन कास्ट कोल माइंस है। इस परियोजना के चालू होने में विलंब का असर एसईसीएल की लक्ष्य पूर्ति पर पड़ रहा है। बीते वित्तीय वर्ष में सराईपाली से उत्पादन शुरू नहीं होने व मानिकपुर विस्तार में अड़चन के कारण भी कोरबा एरिया की लक्ष्य पूर्ति पर पड़ा था।नए वित्तीय वर्ष में बीते डेढ़ माह के दौरान कोरबा एरिया से 0.86 एमटी कोयला उत्पादन किया गया है।

1.4 मिलियन टन होगा उत्पादन

खदान की प्रस्तावित उत्पादन क्षमता 1.4 क्षमता मिलियन टन है। पूर्व में प्रबंधन ने आरंभिक स्तर पर 1 मिलियन टन लक्ष्य तय किया गया था। लेकिन ग्रामीणों के विरोध व बाद में तकनीकी कारणों से उत्पादन शुरू नहीं हो पाया। अब तक केवल मिट्टी निकासी ही किया जा सका है। खदान से अब कोयला उत्पादन का इंतजार है।

211 ग्रामीणों को मिली नौकरी

एसईसीएल कोरबा एरिया में नई खुली खदान सराईपाली में 321 लोगों को नौकरी दी जानी है। ग्रामीणों की मांगों से जुड़ी अधिकांश मांगे सुलझा ली गई है। प्रबंधन के अनुसार यहां अब तक 211 लोगों को नौकरी दी जा चुकी है। अन्य प्रभावितों को नौकरी संबंधी प्रक्रिया चल रही है। लॉकडाउन का असर यहां भी काम पर पड़ा है। खदान से उत्पादन शुरू करने प्रयास किया जा रहा है।

मानिकपुर खदान की क्षमता 4.9 से बढ़कर 5.2 मिलियन टन होगी

कोरबा एरिया में मानिकपुर पहली खुली खदान है, जिससे उत्पादन जारी है। यहां से राज्य बिजली कंपनी के प्लांट को कोयला भेजा जाता है। सराईपाली दूसरी खुली खदान होगी, फिलहाल इससे उत्पादन शुरू होने का इंतजार है। कोरबा एरिया में 6 भूमिगत कोयला खदानों से उत्पादन होता है। मानिकपुर खदान की बात करें तो यहां की क्षमता अभी 4.9 मिलियन टन है। इसे बढ़ाकर 5.2 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया जाएगा।

भवन निर्माण पूरा होने के पश्चात भी सुविधाओं का अभाव!

नव प्रदेश संवाददाता

बैकुंठपुर। जिला अस्पताल सहित सभी शासकीय अस्पतालों पर सरकारी पर्ची में बाहर की दवाएं लिखना डॉक्टरों की मजबूरी बन गई है, क्योंकि आवश्यक दवाएं अस्पतालों में उपलब्ध नहीं होती है। जिले भर के सरकारी अस्पतालों में दवाएं समय पर पहुंचे, इसके लिए भाजपा शासन के समय कंचनपुर रोड पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के समीप ड्रग वेयर हाउस के भवन का निर्माण कराया गया था । लेकिन निर्माण के पश्चात बिजली का कनेक्शन नहीं मिल पाने से इस भवन में दवाओं का भंडारण नहीं किया जा सका था किंतु अब बिजली कनेक्शन पहुँच जाने के पश्चात भी जिले के स्वास्थ विभाग के अधिकारी इसे सुरु कराने में दिलचस्पी नही ले रहे जिससे आज भी अस्पतालों की दवाएं मिली जानकारी अनुसार रायगढ़ के ड्रग हाउस से सप्लाई की जा रही है। इधर खाली पड़े इस भवन को अब शराबियों ने रात्रि में पीने का अड्डा बना लिया है। शराबी रात में भवन के बरामदे में बैठकर शराब पीते नजर आते हैं। जब कि अब इस भवन का निर्माण पूरा हुए 1 साल से ऊपर बीत चुके है।

उदासीनता के कारण नहीं हो पाया काम

ड्रग वेयर हाउस में बिजली का कनेक्शन लेने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा काफी पहले ही बिजली विभाग को पत्र लिखा है। लेकिन विभागीय अमले ने यहां बिजली ट्रांसफर लगाना मुनासिब नहीं समझा। ऐसा नहीं कि जिस स्थान पर यह भवन बना है, वहां पहले से बिजली नही पहुँची हैं किन्तु लो वोल्टेज के कारण यहाँ अलग से बिजली कनेक्शन ट्रासंफार्मर के साथ लगाने की मांग कि गई थी जहा बिजली विभाग के उदासीनता के कारण एक वर्ष बीत गए अब बिजली पहुँची तो अधिकारियों के उदासीनता के कारण इसे सुरु होने में समय लग रहा जिसके पीछे बाहर से दवाई कम खरीदी होने की बात कही जा रही जिस कारण भी अधिकारियों ने अब इसे सुरु करने में रुचि नही ले रहे।

सुविधा जरूरी किन्तु नियमो का हवाला

वही जब इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से जानकारी चाही गई तो अधिकारियों ने नियमो का हवाला देते हुए इसे सुरु होने में देरी होना बताया जब कि जानकारी अनुसार कोरोना जैसे महामारी में स्वास्थ विभाग ने नियमो को ताक में रखकर बिना निविदा के ही कंचनपुर में ही कोविड केयर जैसे हॉस्पिटल बनाने में भवन के रंग रोगन ,ए सी लगाने सहित अन्य उपकरणों की खरीदी में लाखों रुपये खर्च कर दिया जब कि ड्रग हाउस की सेवा सुरु होने से आम जनता को सस्ती दवाई मिलने की उम्मीद थी किन्तु इस और अधिकारियों ने ध्यान नही दिया यही कारण है कि आज भी जिले के कई शासकीय हॉस्पिटल में दवाइयों की कमी बनी हुई रहती हैं ।वही जब जिले के स्वास्थ्य अधिकारी रामेश्वर शर्मा से इस संबंध में जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने कोरोना मीटिंग का हवाला देते हुए बाद में जानकारी देने की बात कही ।

8 लाख का ईनामी नक्सली कमांडर ने प्रेमिका के साथ किया समर्पण

■ नक्सली कमांडर ने अपने ही दल में रहने वाली डिप्टी कमांडर महिला नक्सली के प्यार के चलते हिंसा के रास्ते को छोड़ा

नव प्रदेश संवाददाता

बीजापुर। प्रेम की गाथाएं सिर्फ शहरी इलाकों में ही नहीं बल्कि इन दिनों माओवादियों के लाल गलियारा में भी असर डाल रहा है। माओवादी भी अछूते नहीं है। ऐसा ही एक मामला प्रकाश में आया है जब एक कुख्यात नक्सली कमांडर ने अपने ही दल में रहने वाली डिप्टी कमांडर महिला नक्सली के प्यार के चलते माओवादी विचारधारा और हिंसा के रास्ते को त्याग दिया। इस माओवादी ने पुलिस के साथ आकर विकास की मुख्यधारा से जुड़ने का फैसला लिया है। यहां हम बात कर रहे हैं बीजापुर जिले के सबसे ज्यादा माओवाद प्रभावित क्षेत्र गंगालुर एरिया कमेटी की जहां पर पिछले 15 सालों से सक्रिय माओवादी नेता गोपी मोडियम उर्फ मंगल ने महिला माओवादी डिप्टी कमांडर भारती उर्फ रामे के प्यार की खातिर उसने माओवादी संगठन को छोड़कर पुलिस के समक्ष रविवार को समर्पण कर दिया है हालांकि आत्मा समर्पित नक्सली नेता और उसकी प्रेमिका इस समय बीजापुर नही बल्कि रायपुर पुलिस के कब्जे में है। जिसे पूछताछ के लिए रायपुर ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि आत्मसमर्पण करने के लिए अपनी प्रेमिका के साथ पुलिस के पास पहुंचा नक्सली कमांडर गोपी मोडियम पिछले 15 सालों से गंगालूर एरिया कमेटी में विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए नक्सली संगठन में सक्रिय रहा है इस दौरान उसे प्रेम प्रसंग के चलते ही कई बार संगठन से निष्कासित भी किया जा चुका था। प्रेम की खातिर अंततः उसने माओवादी विचारधारा और हिंसा के रास्ते को त्यागने का फैसला ले लिया, मिली जानकारी के अनुसार माओवादी नेता गोपी मोडियम की मुलाकात कुछ साल पहले सुकमा क्षेत्र में सक्रिय महिला नक्सली डिप्टी कमांडर भारती उर्फ रामे से मुलाकात हुई थी। इन दोनों के बीच प्रेम संबंध स्थापित हो गया। प्रेम प्रसंग को आगे बढ़ाकर इन दोनों ने घर बसाने का फैसला ले लिया। माओवादियों और संगठन के साथ रहने के चलते उनकी यह सकारात्मक मंशा पूरी नहीं हो पा रही थी।

शांत बस्तर में नक्सली धमक को हुए 30 साल पूरे

घटना के 30 साल बाद ग्राउण्ड जीरो से नवप्रदेश, 20 मई 1991 में पहली बार हुआ था आईईडी विस्फोट,चिथड़े उड़े थे मतदान कर्मियों के

नीरज उइके

कोण्डागांव/नवप्रदेश। बस्तर संभाग अपने पारंपरिक जीवन शैली आधुनिकता की चकाचौंध से दूर, विसुद्ध प्रकृति की सौगत्त के साथ-साथ अब बदकिस्मती से नक्सल प्रभावित क्षेत्र के लिए भी जाना जाता है। आज समय की गति के साथ सांत-सौम्य बस्तर को नक्सली लाल आतंक के साए में 30 वर्ष पूरे हो चले है। लेकिन सारे दावों के बावजूद नक्सली अपनी जड़ें बस्तर की जमी पर और ज्यादा मजबूत करती जा रहे हैं।

मई (जेष्ठ) की भीषण गर्मी से जहां पूरा देश उबल रहा था,उस दौरान सांत बस्तर में 20 मई 1991क्षेत्र में हुई पहली नक्सली हमले ने शांत बस्तर के साथ देश को भी दहला दिया था। नक्सलियों ने मतदान दल के वाहन को आईईडी विस्फोट कर उड़ाया था, जो यह बस्तर संभाग का माओवादियों द्वारा किया गया पहला बम ब्लास्ट था। घटना में चारों ओर लाशे बीछ गई थी। लोकसभा चुनाव संपन्न करा लौट रहे मतदान दल के कर्मचारियों व जवानों के चिथडे उड़े थे हमले में लोकसभा चुनाव संपन्न कराकर वापस लौट रहे मतदान दल के कर्मचारियों व जवानों पर हुए हमले में शरीर के चिथडे उड़ गए थे, घटना वर्ष 1991 में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव की थी। घटना को याद करते उक्त घटना के प्रत्यक्ष दर्शी बलिया उत्तर प्रदेश निवासी 77 वर्षीय गिरजा शंकर यादव उक्त घटना को आज भी याद कर विचलित हो जाते है। चिंगनार प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक के पद पर पदस्थ रहे शंकर यादव बताते है कि सांत बस्तर के घने वनों में कैसे नक्सलियों का उदय हो रहा था। उसी दौरान 1991 के लोकसभा निर्वाचन में उनकी ड्यूटी फरसगांव के बंगोली में मतदान केंद्र में लगी थी , मतदान दल के सदस्यों व जवानो के साथ हम फरसगांव से लगभग 18 किलोमीटर दूर बंगोली मतदान केंद्र पहुंचे थे दिनभर मतदान कराने के पश्चात शाम को भोजन करके टाटा 407 वाहन से मतदान पेटी चुनाव सामग्री व जवानों के साथ 10 -15 लोग जैसे ही फोर्स की वाहन में वहां से वापस आने निकले की लगभग 500 मीटर की दूरी पर एक जोर का धमाका हुआ। हम बेहोश हो चुके थे जब होश आया तो देखा वाहन के परखच्चे उड़ गए थे चारों ओर लाशें बिछी थीं। मांस के चिथड़े-चिथड़े पेड़ों पर लटक रही थी। घटना में एक जवान जिंदा बचा था साथ मे वे और कोटवार। घटना को याद करते बताते हैं कि वे व जख्मी हालत में किसी तरह होश आने पर उठे तो देखा जवान बिखरे पड़े बंदूकें जमा करने लगा। इसी बीच जंगल की ओर से फायरिंग की आवाज आई, जवान ने हमें खेत के मेड की आड़ में लेट जाने कहा व स्वयं बहादुरी से मोर्चा संभाले जवाबी फायरिंग करने लगा दोनों ओर से फायरिंग होती रही। रात गहराने के बाद मेड की आड़ में कोहनिओं के बल रेंग कर किसी तरह लगभग 2 से 3 किलोमीटर दूर कोटवार का जाना पहचाना क्षेत्र होने के चलते दूसरे गांव में जाकर रुके। शंकर यादव बताते हैं कि सुबह फरसगांव से एंबुलेंस लेने बंगोली पहुंची। एंबुलेंस में बैठकर फरसगांव पहुंचे जिसके बाद चिकित्सालय में उपचार हुआ। आज घटना को 30 बरस बीत चुके है। उनके ज़ेहन में आज भी उक्त घटना की याद ताजा है। घटना वे बाद प्रशासन की ओर से प्रोत्साहन राशि देने की बात कही गई थी पर दुख की बात है कि अभी तक उन्हें प्राप्त नहीं हुआ। वे आज भी 30 साल पहले के शांत बस्तर को याद करते कहते हैं, कि उमीद है एक दिन पुनः बस्तर लाल आतंक से मुक्त जरूर होगा।